



शब्दगंधा

(महाविद्यालय की रचनात्मक पत्रिका)

२०२३-२०२४

सम सामायिक विशेषांक

सर्वोदय शिक्षण मंडळ, चंद्रपूर द्वारा संचालित



सरदार पटेल महाविद्यालय

मनोहरभाई पटेल परिसर, गंजवाड,
चंद्रपूर -४४२ ४०२

REACCREDITED AT 'B++' GRADE BY NAAC
(CGPA 2.93, Fourth Cycle). UGC 2 (f) /12 (B)

Email : chdspm@gmail.com

Web Site : www.spm.ac.in

Placed Among Best 100 Colleges of India
as per INDIA TODAY RANKING 2023



Dr. Prashant Bokare, Vice Chancellor
Gondwana University guiding in third
Degree Distribution function.

पंडित दीनदयाल उपाध्याय महिला रोजगार मेळाव्यात
व्यासपीठावर उपस्थित मान्यवर



प्राणीशास्त्र विभागातर्फे आयोजित सिकलसेल मार्गदर्शक या
कार्यक्रमात विद्यार्थ्यांची सिकलसेल चाचणी करताना
शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालयाची चमु तसेच उपस्थित
असलेले महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, डॉ.
बालमुकुंद पालिवाल व प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख डॉ.
आर.आर. कुलकर्णी व इतर सहकारी

सरदार पटेल महाविद्यालय चंद्रपूर व गोंडवाना विद्यापीठ
गडचिरोली यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित भाषा :
उपजीविकेचे साधन या एकदिवसयी कार्यशाळेत मार्गदर्शन
करताना प्राचार्य डॉ.पी.एम. काटकर



शब्दगंधा

(महाविद्यालय की रचनात्मक पत्रिका)



वार्षिकांक २०२३-२०२४

सम सामायिक विशेषांक

मार्गदर्शक

प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर

संपादक शब्दगंधा

डॉ. शैलेन्द्र कुमार शुक्ल

हिंदी विभाग

सहसंपादक शब्दगंधा

डॉ. पद्मरेखा धनकर

मराठी विभागप्रमुख

सहसंपादक शब्दगंधा

डॉ. प्रफुलकुमार वैद्य

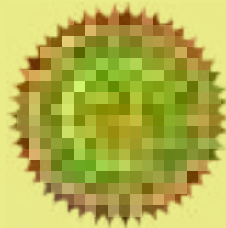
इंग्रजी विभाग

सहसंपादक शब्दगंधा

प्रा. भारती दिखीत

संगणक विभाग

सर्वोदय शिक्षण मंडळ, चंद्रपूर द्वारा संचालित



सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपूर

मनोहरभाई पटेल परिसर, गंजवार्ड, चंद्रपूर - ४४२ ४०२

REACCREDITED AT 'B++' GRADE BY NAAC (CGPA 2.93, Fourth Cycle) UGC 2 [f] / 12[B]

Email : chdsmp@gmail.com | Web Site : www.spm.ac.in

शब्दसांधा

वार्षिकांक २०२३-२०२४

सम सामायिक विशेषांक

■

प्रकाशक :

प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर
सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपूर

■

संपादक :

डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ल

■

विद्यार्थी संपादक मंडळ :

- धीरज खेखडे (बी.कॉम-1)
- रानी गोंड (एम.ए. हिंदी -1)
- उषा केवट (बी.ए.-II)
- सादिया अली (बी.ए.-II)
- विवेक पाण्डेय (बी.कॉम.-III)
- पूजा देवांगन (बी.ए.-III)
- पूजा जोशी (बी.कॉम.-III)
- मनिष गुरूनुले (बी.ए.-II)
- उमाकांत मिश्रा (बी.सी.ए.-III)

■

मांडणी मार्गदर्शक :

डॉ. एस.व्ही माधमशेट्टीवार
उपप्राचार्य

■

अक्षरांकन व मुद्रण :

सीवली ग्राफीक्स, नागपूर
मोबा. ७७२१८०९२५०/९८८१७१२१४९

■

मुखपृष्ठ :

सुदर्शन बारापात्रे, चंद्रपूर
९८२३९८९२२०

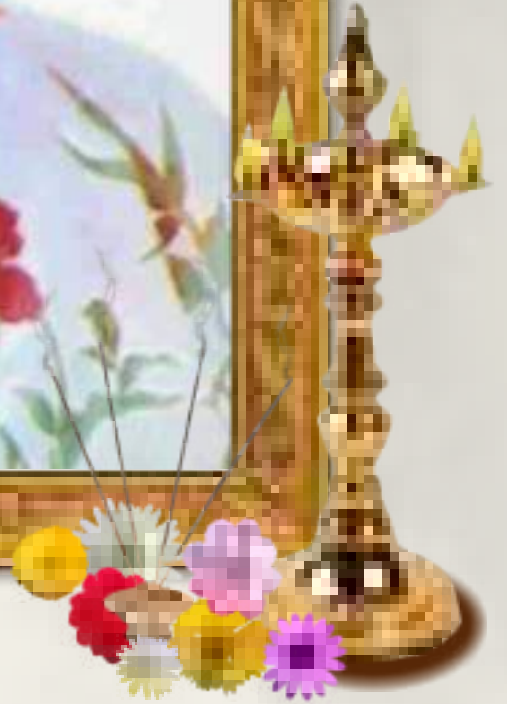
आमचे श्रद्धेय



स्व.श्री. शांतारामजी पोटदुखे

अजातशत्रू म्हुण्णी, गौरवितात सारे । सर्वास आपला तू, विझती जिथे जिथे निखारे ॥

आमचे प्रेरणास्थान



स्व. श्रीमती सुधाताई शां. पोटदुखे



प्राचायचि मनोगत

सरदार पटेल महाविद्यालय हे गोंडवाना विद्यापीठांतर्गत सर्वात मोठे तसेच नामांकित महाविद्यालय आहे. महाविद्यालयाने आपली पन्नाशी गाठून सुवर्ण महोत्सव साजरा केलेला आहे. महाविद्यालयाला आपला दैदिप्यमान इतिहास आहे, महाविद्यालयाने सर्वच क्षेत्रात सर्वोत्कृष्ट होण्याचा बहुमान प्राप्त केलेला आहे. आमचा हा संकल्प आहे की, आमच्या विद्यार्थ्यांना सर्वोत्कृष्ट शिक्षण मिळावे तशी आमची बांधिलकी आहे, आम्हाला याची कल्पना आहे की, आमच्या विद्यार्थ्यांना वैश्विक आव्हानांना सामोरे जावयाचे आहे. विद्यार्थ्यांमध्ये आत्मविश्वास निर्माण करणे हे आमचे ध्येय आहे. आम्ही काळानुरूप बदल करून ऑनलाईन पद्धतीने प्रवेश प्रक्रिया सुरू केलेली आहे. आमचे महाविद्यालय युनिव्हर्सिटी कमीशन, महाराष्ट्र शासन तसेच गोंडवाना विद्यापीठ यांच्या निर्देशाचे पालन करते. महाविद्यालयाने नॅकच्या चवथ्या फेरीत B++ ग्रेड, CGPA 2.93 प्राप्त केलेला आहे. महाविद्यालयाने दरवर्षी शैक्षणिक गुणवत्ता प्राप्त करून विद्यापीठात सर्वात जास्त मेरीट दिलेले आहेत. पुढेही ती गुणवत्ता टिकवून ठेवण्याचा आमचा मानस आहे. या कार्यासाठी आमचे विद्यार्थी, त्यांचे पालक तसेच शिक्षकांचे सहकार्य लाभलेले आहे, ते टिकवून ठेवणे निरंतर सुरू राहिल.

नुकतेच नविन शैक्षणिक धोरण (NEP) सर्वत्र लागू झाले आहे. विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण विकास आणि जागतिक दृष्टीकोन यावर लक्ष केंद्रित केले आहे. भारतातील शिक्षणामध्ये परिवर्तन घडवून आणणारा हा एक विस्तृत आराखडा आहे. आधुनिक युगाच्या गतिमान गरजा लक्षात घेऊन डिजिटल साक्षरता आणि विविध कौशल्याचा विचार यात केला गेला आहे. नविन शैक्षणिक धोरणाच्या अनुषंगाने विद्यार्थ्यांस शिक्षण देण्यास आमचे महाविद्यालय प्रतिबद्ध आहे.

केवळ शैक्षणिक गुणवत्ता प्राप्त करणेच नव्हे तर विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण विकास व्हावा असा आमचा मानस आहे, ध्येय आहे, म्हणूनच शारिरीक शिक्षण, बौद्धिक शिक्षण, सांस्कृतिक शिक्षण, सामाजिक शिक्षण, नैतिक शिक्षण, कलाकौशल्याचे शिक्षण तसेच आधुनिक काळातील तांत्रिक शिक्षण याही क्षेत्रात विद्यार्थ्यांच्या उत्कर्षासाठी आम्ही प्रयत्नशील आहोत. विद्यार्थ्यांच्या विकासासाठी विद्यापीठाने सुचविलेले विविध कोर्सेस महाविद्यालयात सुरू आहेत, ते सुरू राहतील. त्या कोर्सेसचा विद्यार्थ्यांना लाभ घेता येईल. क्रीडा, राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., स्पर्धा परीक्षा, विद्यार्थ्यांचे लेखन कौशल्य या तसेच अन्य क्षेत्रात महाविद्यालय प्रयत्नशील तसेच गतीशील राहिल. विद्यार्थ्यांची प्रवेश प्रक्रिया तसेच परीक्षा नियमाप्रमाणे व सुरळीत होण्यासाठी महाविद्यालय प्रयत्नरत आहे. विद्यार्थी हा विकासाचा केंद्रबिंदू ठेवून महाविद्यालय देशाला उत्तमोत्तम भावी नागरिक देऊन देशाच्या उत्कर्षात भागीदार राहिल.

विद्यार्थी तसेच पालकांचा विश्वास महाविद्यालय सातत्याने मिळवत राहिल असा विश्वास मी याद्वारे आपणास देत आहे. विद्यार्थ्यांनी नियमांचे काटेकोरपणे पालन करून महाविद्यालयाचे नावलौकिक वाढविण्यामध्ये सातत्यपूर्ण प्रयत्न करावेत अशी अपेक्षा विद्यार्थ्यांकडून करतो. विद्यार्थ्यांचे पालक महाविद्यालयावर विश्वास ठेवून आपल्या पाल्यांना आमच्या महाविद्यालयात प्रवेश देण्यास उत्सुक असतात. त्याबद्दल त्यांचे मनापासून आभार व्यक्त करतो.

डॉ. पी. एम. काटकर

प्राचार्य, सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपूर



संपादकीय

सरदार पटेल महाविद्यालय चंद्रपुर के विद्यार्थियों के साहित्यिक प्रतिभा को जागृत करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थियों के लिए वार्षिकांक शब्दगंधा का प्रकाशन प्रतिवर्ष किया जाता है।

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि हम अपनी कॉलेज पत्रिका शब्दगंधा का वर्ष 2023-24 का नवीनतम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। शब्दगंधा शब्द सुनते ही सबके मन में आशा की एक भावना और क्षितिज से परे सपनों को साकार करने के अनकहे वादे उमड़ पड़ते हैं। यह पत्रिका पूर्णता, संतोष और उत्कर्ष की उस स्वप्निल घटना की ओर प्रयास करने का एक छोटा सा संकेत है। अपने योगदान के माध्यम से अपनी प्राचीन भावनाओं को बाहर निकालने के हमारे छात्रों के प्रयास उनकी रचनात्मकता को सामने लाते हैं। साहित्य हमेशा मानवीय संकट के समय में समर्थन की ताकत रहा है और इसने बीमार आत्मा को शांत किया है। इसी आशा के साथ हम इस पत्रिका को प्रस्तुत करने के लिए तत्पर रहते हैं। महाविद्यालय की इस पत्रिका में उन सभी गतिविधियों का समावेश है जो पूरे वर्ष कॉलेज जीवन का अभिन्न अंग बनी रहती हैं। यह महाविद्यालय में शैक्षणिक और पाठ्येतर स्थानों में निहित विविधता को दर्शाती है और उसे समाहित करती है। एक व्यापक, समृद्ध और रंगीन जीवन की भव्यता को समेटने के लिए अथक प्रयासों और असीम धैर्य की आवश्यकता होती है। संसाधनों को इकट्ठा करना, उन्हें संकलित करना और उन्हें वर्तमान स्वरूप में आपके सामने प्रस्तुत करना बहुत प्रयास और धैर्य की आवश्यकता है और इस तरह का कार्य हमारे संपादकीय बोर्ड की कड़ी मेहनत के बिना पूरा नहीं हो सकता था। हम अपने प्राचार्य डॉ प्रमोद काटकर जी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं जिन्होंने हमें इस यात्रा में प्रेरितकर मार्गदर्शन किया और इस पत्रिका के प्रकाशन में हमें पूरी स्वतंत्रता दी। हमारे सहयोगियों का विद्वतापूर्ण योगदान और उनका सहयोग, सुझाव और समर्थन इस उद्यम का एक अनिवार्य हिस्सा है। कोई भी सुई नहीं चला सकता, लेकिन एक टीम जहाज चला सकती है। शब्दगंधा के इस अंक को लाने में सम्पादकीय मंडल की मराठी विभाग प्रमुख डॉ पद्मरेखा धनकर, अंग्रेजी विभाग के हमारे सहयोगी डॉ प्रफुल वैद, संगणक विभाग की प्राध्यापिका भारती दिखीत और शब्दगंधा के विशेष मार्गदर्शक उप प्राचार्य डॉ स्वप्निल माधमशेड्डीवार तथा सभी विद्यार्थी मित्रों के अदम्य भावना का योगदान रहा है। सर्वोदय शिक्षण मंडल के सभी पदाधिकारियों के प्रति सम्पादक मण्डल सदैव आभारी रहेगा। अंत में शिवली ग्राफिक्स नागपुर के साथ साथ शब्दगंधा का कलात्मक मुखपृष्ठ बनाने के लिए श्री सुदर्शन बारापत्रे को साधुवाद देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि यह पत्रिका छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें अपनी कल्पनाशील और रचनात्मक क्षमताओं का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम ने एक बार कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति में चरित्र निर्माण; मानवीय मूल्यों का विकास; आध्यात्मिक नींव के आधार पर वैज्ञानिक दृष्टि विकसित करना; अनिश्चित भविष्य का मुकाबला करने के लिए आत्मविश्वास का निर्माण करना तथा गरिमा, आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना है। भारत की शिक्षा प्रणाली में तत्काल सुधार करने की आवश्यकता है ताकि हमारे युवा उपरोक्त गुणों को आत्मसात कर सकें; सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए युवाओं में विश्वस्तरीय दक्षता का विकास हो सके तथा देश को भौगोलिक लाभांश का फायदा मिल सके। आवश्यकता इस बात की है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था शरीर, मस्तिष्क और आत्मा के लिए अच्छे गुणों को विकसित करने के साथ व्यक्ति को प्रशिक्षण प्रदान कर सके। इसके अलावा मानव सभ्यता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए व्यक्ति में पूरी दुनिया के लोगों के प्रति बन्धुत्व की भावना तथा अन्य गुणों का विकास हो सके। इस संदर्भ को देखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) में सभी आवश्यक बदलावों को शामिल करने की कोशिश की गई है तथा इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक वर्ष पहले भारत सरकार द्वारा घोषित इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करना और भी जरूरी हो गया है। एनईपी-2020 वास्तव में सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए राष्ट्र निर्माण के प्रति भारत सरकार की कटिबद्धता को दर्शाता है। आगामी सत्र 2024- 2025 से गोंडवाना विद्यापीठ गढ़चिरौली के सभी संकाय के स्नातकस्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नियमानुसार अध्ययन अध्यापन का क्रियान्वयन होगा।

स्मरणिका में अशुद्धियां संभावित है जिसके लिए आप सहृदय पाठक बंधु क्षमा करेंगे, ऐसा पूर्ण विश्वास है। आने वाले सत्र की शुभ मंगलकामनाओं के साथ 2023- 2024 की शब्दगंधा का यह समसामयिक वार्षिकांक आप पाठक बंधु को सादर समर्पित है।

आपकी शब्दगंधा का यही आह्वास और संकल्प है—

उठो जवानों बन तेजस्वी, सोया राष्ट्र जगाओ।
 भारतीय संस्कृति की गरिमा, को फिर से दर्शाओं।।
 ब्रम्ह तेज से चमक उठे, फिर भारत देश हमारा।
 और विश्व को आत्मज्ञान का, फिर से मिले उजाला।।

धन्यवाद!

प्रो. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शुक्ल
 संपादक (शब्दगंधा प्रमुख)

अनुक्रमणिका

मराठी विभाग

1.	निरोगी जीवनासाठी बाजरी	मीनाक्षी घ. आस्वले	26
2.	बाजरी आणि निरोगी जीवन	तनुरी एम. झाडे	27
3.	चारित्र्य चिंतन	उबा केवट	29
4.	आरोग्य	मयुरी सु. झगडकर	30
5.	पर्यावरण	दर्शन मेश्राम	31
6.	भारतीय संविधान	धीरज खेखडे	33
7.	अनाथांची आई	छकुली बा. कोटरंगे	34
8.	इंद्रिय संयम	शालिनी निर्मलकर	35
9.	आरोग्यासाठी कडधान्य आवश्यक	सुषमा जो. बावणे	36
10.	ग्लोबल वार्मिंगचा वाढत चाललेला धोका	विशाल निकोडे	37
11.	सकारात्मक विचार	शाहील गायकवाड	39
12.	योगासन आणि योग मुद्रा	नेहा बोंबले	41

हिन्दी विभाग

13.	मिलेट्स खाए और रोगों को दूर भगाएं	सरिता रा. कालूला	44
14.	वैश्विक उष्णता	कुंकुम आर. तिवारी	44
15.	स्वस्थ जीवन के लिए बाजरा	सालगम सो. गुप्ता	41
16.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों है?	पुनम एस. यादव	46
17.	भारत में सूचना प्रौद्योगिकी	आदित्य एस. उपरे	47
18.	दरोगा ऐसा होना चाहिए	गुंजा एस. मिश्रा	48
19.	मेरा बचपन	श्रुती भोयर	48
20.	लड्डू गोपाल की मर्जी	संतोष वही गुप्ता	49
21.	कविता	पायल मो. देवांगन	51
22.	बुद्ध ने क्यों कहा था कि चौथी पत्नी ही साथ देती है	पुनम आर. निषाद	52
23.	विविधता में एकता	पूजा जे. देवांगन	53
24.	भारतीय संस्कृति और परंपरा	दिव्या आर. बारसागडे	54
25.	भारतीय संस्कार एवं उनका महत्व	विवेक जी. शुक्ला	55
26.	बेटियों का नसीब	सानियाँ नाज काझी	58
27.	जनतंत्र से अपेक्षाएँ और जनतंत्र के निर्माण में	गोकुल चन्द्र फुलारा	59
28.	गांधी और स्वच्छ भारत	विशाल कुमार	60
29.	शिक्षा का महत्व	तनुजा मेहरा	60
30.	माँ सब जानती है	पूजा जोशी	61
31.	पढ़ाई का बोझ	उमाशंकर मिश्रा	61
32.	मेरे पापा	विवेक पाण्डेय	62
33.	वो दिन नहीं आएँगे	रोहित बी. तिवारी	62

English Section

34. Millets for Healthy Living	Smruti Lokhande	64
35. Health Benefits of Millet	Vanshita S. Padmagiriwar	65
36. Millets for Healthy life	Khushi G. Nishad	65
37. Millets for Healthy living	Payal P. Chakraborty	65
38. Millets for healthy living	Varsha R. Madavi	66
39. The Journey	Falak Chugh	67
40. Millets for Healthy Living	Dipanshu R. Dakhare	68
41. Millets for Healthy Life	Sakshi B. Yelamule	68
42. Millets for Healthy Living	Sarika Ramtao Ingole	68
43. Let Go Off Your Stress	Pooja Kushwaha	69
44. Rain For Me	Fiza. A. Khan Rizvi	69
45. Miracle	Lavanya Danao	69
46. Value of Time	Roshni Kapoor	70
47. Yash's Journey : A College Adventure	Mohit S. Nandurkar	71
48. The Road to Dreams	Roshni Kapoor	71
49. Among The Millet	Vanshita S. Padmaginiwar	72
50. Women	Monika Mandal	72
51. To The Night	Saina Meshram	72
52. Struggle Of Women's Life	Simran H. Sethi	73
53. A Heart's Awakening	Pricilla Tatturi	73

अहवाल विभाग

54. National Cadets Crops (NCC) Annual Report of Ncc – (Boys) 2023-24	Capt. Dr. S. G. Kannake	76
55. National Cadets Crops (NCC) Annual Report of Ncc - (Girls) 2023-24	Lt. Kanchan R. Ramteke	89
56. राष्ट्रीय सेवा योजना वार्षिक अहवाल 2023-24	डॉ. कुलदीप आर. गोंड डॉ. उषा खंडाळे	95
57. Department of Physical Education & Sports Annual Report 2023-24	Dr. V. E. Somkuwar	113
58. सांस्कृतिक विभाग वार्षिक अहवाल 2023-24	डॉ. अजय बेले	123
59. Competitive Exam And Career Guidance Annual Report Session - 2023-24	Sandesh B. Patharde	131
60. Department of Microbiology & Biotechnology Annual Academic Report 2023-24		135
61. Gondwana University, Gadchiroli Merit List 2022-2023 (Summer-23 Exam)		140
62. पदवी-पदव्युत्तर स्तरावर सर्वाधिक गुण घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांना महाविद्यालयातील प्राध्यापकांकडून देण्यात येणारे पुरस्कार		142



राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
 An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

*The Executive Committee of the
 National Assessment and Accreditation Council
 is pleased to declare
 Sarvodaya Shikshan Mandal's
 Sardar Patel Mahavidyalaya, Chandrapur
 Sanj Ward, Dist. Chandrapur, affiliated to Gondwana University,
 Maharashtra as
 Accredited
 with CGPA of 2.93 on four point scale
 at B** grade
 valid up to September 20, 2027*

Date : September 21, 2022



S. C. Dhanu
 Director

EC/SC/124/4th Cycle/MBICOGN13318



Registration Certificate

This is to certify that

SARDAR PATEL MAHAVIDYALAYA

RAMALA LAKE, GANJ WARD, CHANDRAPUR - 442402, MAHARASHTRA, INDIA.

has been assessed by RAPL and found to comply with the requirements of

ISO 9001 : 2015 Quality Management System

For the following activities:

**PROVIDING EDUCATION IN THE FIELD OF ART, COMMERCE AND SCIENCE
AT JUNIOR, UNDER GRADUATE AND POST GRADUATE LEVEL.**

Certificate Number: E202112511
Date of certification: 20/12/2021
1st Surveillance on or before: 19/11/2022
IInd Surveillance on or before: 19/11/2023
Certification Valid Until: 19/12/2024



Director (Certification)
Royal Assessments Pvt. Ltd.
(Formerly SCS Assessments Pvt. Ltd.)

623 A, Tower-B, IThum, Plot No. A - 40, Sector - 62, Noida 201301, India.

www.royalapl.com, info@royalapl.com

Phone : +91 120 4251329

This Certificate can be verified at www.royalapl.com

This Certificate remains the property of Royal Assessments Private Limited. Must be returned on request or if certificate is withdrawn. Validity of this certificate is subject to successful surveillance audits. RAPL is accredited by EGAC. EGAC is member of International Accreditation Forum (IAF) and signatory of MLA.



To establish the college as a centre of academic excellence. To impart education to the students of rural area and inculcate in them an urge for research, provide them an opportunity to progress, create in them sense of responsibility towards society and bring them into education main stream of India.



To elevate the morale of student, instill in them the confidence, to excel in competitive environment and imbibe moral value to develop into a good human being.

आपले राष्ट्रगीत

जन-गण-मन- अधिनायक, जय हे,
 भारत - भाग्य विधाता ।
 पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
 द्राविड - उत्कल - वंग
 विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
 उच्छल - जलधि - तरंग
 तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे ।
 गाये तव जय गाथा ।
 जन-गण-मंगलदायक, जय हे, भारत-भाग्य विधाता ।
 जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय, जय हे ॥

- रवीन्द्रनाथ टागोर

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम् ॥
 सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम
 सस्यशामलां मातरम् ।
 शुभ्रज्योत्सनां पुलकितयामिनीम्.
 फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्.
 सुहासिनीं सुमधुरभाषिणीम्
 सुखदां वरदां मातरम् ॥
 वन्दे मातरम् ।

- बंकिमचंद्र चॅटर्जी



गोंडवाना विद्यापीठ गीत

गोंडवाना नव तपोवन आदिजन वन परिसरी
विश्वविद्यापीठ हे ज्ञानार्चना या मंदिरी ॥१॥
स्त्रोत आदिम संस्कृतीचा, या प्रदेशी निर्मळ
शास्त्र, विद्या अन् कलेतून अमृताचे ओहळ
त्या झ-यांना करुनि विकसित मिळवू विद्यासागरी ॥१॥

शास्त्र, वाङ्मय, तंत्रविद्या व्यावसायिक ज्ञानही
अर्थ वा वाणिज्य क्रीडा अन् कला विज्ञानही
नित इथे बहरेल प्रतिभा नवयुवांच्या अंतरी ॥२॥

ज्ञानगंगा पुण्यपावन जीव तिजसंगे शिव
उचित संस्कारेच जगती श्रेष्ठ ठरतो मानव
उंच, उन्नत झेप घेतिल छात्र इथले अंबरी ॥३॥

दलित, पीडित, दीन, शोषित सर्व जाती बांधव
ज्ञानपीठी या निमंत्रित शिक्षणोत्सुक मानव
प्राप्त विद्येनेच मनुजा अभ्युदय या भुवरी ॥४॥

बन्धुता, स्वातंत्र्य, समता, व्यायनीतीला जपावे.
विश्वशांतीस्तव नवे आव्हान हे पेलून घ्यावे
ज्ञान, अस्त्रांनीच निश्चित विजय जीवन संगरी ॥५॥

महाराष्ट्र गीत

जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ॥१॥
रेवा वरदा, कृष्ण कोयना, भद्रा गोदावरी, एकपणाचे भरती पाणी मातीच्या घागरी
भीमथडीच्या तट्टांना या यमुनेचे पाणी पाजा, जय जय महाराष्ट्र माझा ... ॥१॥

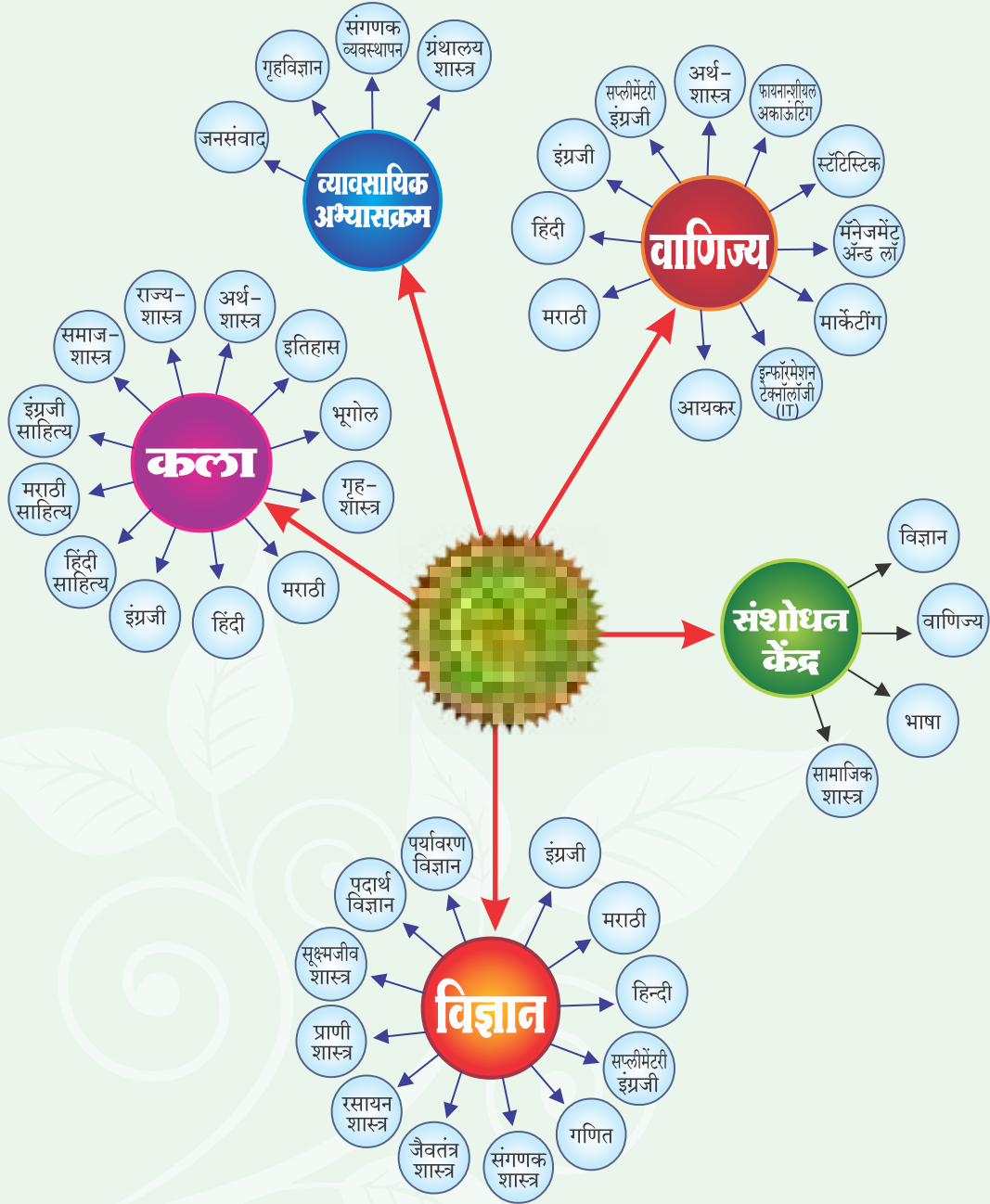
भीती न आम्हा तुझी मुळी ही गडगडणाऱ्या नभा
अस्मानाच्या सुलतानीला जवाब देती जीभा
सह्याद्रीचा सिंह गर्जतो, शिवशंभू राजा
दरीदरीतून नाद गुंजला, महाराष्ट्र माझा ॥२॥

काळ्या छातीवरी कोरली, अभिमानाची लेणी
पोलादी मनगटे खेळती, खेळ जीवघेणी
दारिद्र्याच्या उन्हात शिजला
निढळाच्या घामाने भिजला
देश गौरवासाठी झिजला
दिल्लीचेही तख्त राखितो,
महाराष्ट्र माझा ॥३॥

IMPORTANT FEATURES OF THE INSTITUTION

- Expert and Efficient Teaching Staff.
- Well-Equipped Laboratory.
- Various Training Under Vocational Courses.
- Study Center for Yashwantrao Chavhan Maharashtra Mukta Vidyapith.
- Guest Lecture of eminent personality.
- Hostel Facility for Girls.
- Co-operative store for Students.
- Well-Equipped Gymnasium.
- Spoken English Classes in Language Lab.
- Book Bank Facility.
- Student aid fund facility.
- Laboratories equipped with LCD Projector.
- Blood Collection Centre.
- UGC sponsored certificate/Diploma Courses.
- Excellent Sport, culture with summer coaching and gymnasium.
- Well equipped Library with Study Room.
- Internet Facility for Students.
- Best Results in University examination.
- Placement Facility.
- Research Journal for Faculty members (SPM JAR).
- Research Journals for students.
- Centre for Higher Learning & Research for Ph.D. aspirant.
- Well equipped LCD Teaching facility.
- Smart board in class room & digital conference hall.
- Bank Facility in College Campus.
- 45 KW Generator Facilities.
- NCC & NSS unit for Boys and Girls.
- M-OPAC Facility.
- India Today All India Ranking 2021 : Arts Faculty 53, Commerce Faculty 113, BCA 82, Science -78
- Canteen facility at college premises
- Smart Class Facility

एका दृष्टीक्षेपात अभ्यासक्रम



शैक्षणिक सत्र २०२३-२०२४ वार्षिक अहवाल



शैक्षणिक, क्रीडा व सांस्कृतिक क्षेत्रात उल्लेखनीय कामगिरी महाविद्यालयाने सत्र २०२३-२४ या शैक्षणिक सत्रात केली. महाविद्यालयाला P.M. USHA या महत्वाकांक्षी योजनेत केंद्र सरकारकडून पाच करोड रूपयाचा भरघोस निधी मंजूर झाला असून त्याचा विनियोग मार्च २०२६ पर्यंत नवीन बांधकाम, दुरुस्ती, ग्रंथालय विकास, सॉफ्ट स्किल डेव्हलपमेंट, अत्याधुनिक इक्विपमेंट्स ईत्यादी साठी वापरण्यास मंजुरी मिळाली आहे. महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर यांनी गोंडवाना विद्यापीठ परिक्षेत्रात उत्कृष्ट प्राचार्याचा बहुमान मिळवत महाविद्यालयाची परंपरा कायम राखली. महाविद्यालयाचा वार्षिकांक 'शब्दगंधा'स गोंडवाना विद्यापीठाद्वारे उत्तेजनार्थ वार्षिकांक असा गौरव प्राप्त झाला. सांस्कृतिक क्षेत्रात महाविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांनी प्राध्यापकांनी भरघोस यश संपादन केले तर क्रीडा क्षेत्रात अनेक विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तरावरील स्पर्धेत सहभागी झाले.

महाविद्यालयाच्या सत्राची सुरुवात विद्यापीठ अनुदान आयोगानी केलेल्या शिफारसीनुसार 'दीक्षारंभ' या इंडक्शन उपक्रमाने झाली. या अंतर्गत नव्याने प्रवेशित विद्यार्थ्यांना महाविद्यालयाची ओळख, इथली नियमावली, उपलब्ध सोईसुविधा ईत्यादींची माहिती दृक्श्राव्य माध्यमातून करून देण्यात आली. विद्यार्थ्यांना हे महाविद्यालय आपलं वाटावं या उद्देशाने सांस्कृतिक आणि इतर स्पर्धा घेण्यात आल्या. महाविद्यालयात संपूर्ण वर्षभरात सर्व थोर महापुरुषांच्या जयंती, पुण्यतिथी, त्यांचे फोटोला माल्यार्पण करून, उपक्रम राबवून साजरी करून अभिवादन करण्यात आले. या थोर विभूतींने घालून दिलेले आदर्श आपण सर्वांनी जोपासावे, त्यांचे अनुकरण करून आदर्श समाजनिर्मितीत योगदान द्यावे अशा उद्देशाने हा उपक्रम ग्रंथालयाच्या माध्यमातून राबविण्यात येतो.

गोंडवाना विद्यापीठाद्वारे उन्हाळी २३ परीक्षेच्या निकालानुसार गुणवत्ता यादी प्रकाशित करण्यात आली. या मध्ये नेहमीची परंपरा राखत महाविद्यालयाच्या ५६ विद्यार्थ्यांनी गुणवत्ता यादीत स्थान मिळवले. तर ५ विद्यार्थ्यांनी सुवर्णपदक प्राप्त केले. महाविद्यालयात तृतीय पदवी वितरण सोहळा गोंडवाना विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. प्रशांत बोकारे यांच्या उपस्थितीत पार पडला. उन्हाळी २०२२ परीक्षेमध्ये गुणवत्ता यादीत स्थान मिळविणारे तसेच महाविद्यालयात उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करणाऱ्या विद्यार्थ्यांचा सत्कार देऊन करण्यात व रोख रक्कम

पुष्पगुच्छ, प्रमाणपत्र आला. ही रोख रक्कम महाविद्यालयातील प्राध्यापक, माजी विद्यार्थी तथा महाविद्यालय प्रायोजित करते असा उल्लेखनीय गौरव सोहळा विद्यापीठात आगळावेगळा असा नावारूपात आला आहे.

महाविद्यालयातील संशोधन केंद्राद्वारे मागील काही वर्षात आचार्य पदवी प्राप्त प्राध्यापकवृंदाचा गौरव सोहळा आयोजित करण्यात आला. याप्रसंगी गोंडवाना विद्यापीठाचे कुलसचिव डॉ. अनिल हिरेखन व क्रीडाक्षेत्रातील नामवंत व्यक्तिमत्व डॉ. अनिल करवंदे प्रामुख्याने उपस्थित होते. याप्रसंगी २२ आचार्य पदवी प्राप्त प्राध्यापकवृंदांना शैक्षणिक भेटवस्तू देवून गौरविण्यात आले. संशोधन केंद्राद्वारे नव्याने नोंदणी, नोंदणीकृत संशोधकांची वार्षिक सेमीनार, तथा ज्यांचे संशोधन पूर्ण झाले आहेत त्यांचे अहवाल

"Healthy Living, One Millet at time"

विद्यापीठाला पाठविण्याचे कार्य करण्यात येते. विविध फेलोशिप प्राप्त विद्यार्थ्यांची उपस्थिती नोंदविण्यात आली.

हिंदी विभागाद्वारे १४ सप्टेंबर २०२३ रोजी हिंदी दिवस समारोह साजरा करण्यात आला. याप्रसंगी विद्यार्थ्यांसाठी विविध स्पर्धा, कवी संमेलन तथा हिन्दी सेवा पुरस्कार डॉ. कल्पना कावळे यांना प्रदान करण्यात आला. याप्रसंगी महाराष्ट्र राज्य हिंदी परीषदेचे सदस्य डॉ. विजयेंद्र बत्रा प्रामुख्याने उपस्थित होते. श्रीमती सुशिलादेवी दीक्षित स्मृती व्याख्यानमालेत श्रीमती सुशिला टाकभौर यांनी व्याख्यान दिले.

इंग्रजी विभागाद्वारे डॉ. आलोक घोटेकर यांच्या उपस्थितीत इंग्रजी वाङ्मय मंडळाची स्थापना करण्यात आली याप्रसंगी विद्यार्थ्यांचा सहभाग असलेली स्पर्धा घेण्यात आली. भाषा विभागाद्वारे गोंडवाना विद्यापीठाद्वारे प्रायोजित भाषा- उपजीवीकेचे साधन या विषयावर एक दिवसीय कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले. याप्रसंगी ज्येष्ठ नाटककार, लेखक श्री. अभिराम भडकमकर, मुंबई यांनी प्रामुख्याने मार्गदर्शन केले. होम सायन्स विभागातर्फे आंतरराष्ट्रीय भरडधान्य वर्षानिमित्त सुदृढ आरोग्यासाठी कडधान्याचे महत्त्व या विषयावर आयुर्वेदाचार्य डॉ. मनिषा घुगुल यांनी मार्गदर्शन केले. अर्थशास्त्र विभाग, महाराष्ट्र राज्य अर्थशास्त्र परिषद यांच्या संयुक्त विद्यमाने 'केंद्रसरकारच्या कृषी विषयक योजना आणि शेतीचे वर्तमान' या विषयावरील एक दिवसीय परिसंवादाचे आयोजन करण्यात आले. या प्रसंगी प्रसिद्ध शेती अभ्यासक व शेतकरी नेते श्री. विजय जांवाधिया व अर्थतज्ज्ञ डॉ. श्रीनिवास खांदेवाले यांचेसह डॉ. करमसिंग राजपूत व डॉ. एच. ए. हुद्दा यांनी उपस्थितांना मार्गदर्शन केले. भूगोल विभागाद्वारे 'नकाशा निर्मिती' या विषयावर एक दिवसीय कार्यशाळेत डॉ. योगेश दुधपचारे यांनी मार्गदर्शन केले. याप्रसंगी विद्यार्थ्यांद्वारे निर्मित हस्तलिखिताचे प्रकाशन करण्यात आले.

जागतिक जल दिनाच्या निमित्त भूगोल विभागाद्वारे आयोजित उपक्रमात इको प्रोचे अध्यक्ष श्री. बंडू धोतरे यांनी मार्गदर्शन केले तथा जल प्रतिज्ञा घेण्यात आली. फॅशन विभागातर्फे एल. ए.डी. महाविद्यालय, नागपूर येथील प्राध्यापक डॉ. विभावरी गोटमारे यांनी अभ्यासक्रमावर आधारित 'डिझाईन डेव्हलपमेंट' या विषयावर मार्गदर्शन करून प्रत्यक्ष प्रात्यक्षिकाद्वारे विद्यार्थ्यांना विषय समजावून सांगितला. भौतिकशास्त्र विभागाद्वारे 'फिजिक्स क्लब' चे उद्घाटन करण्यात आले. याप्रसंगी आनंदनिकेतन महाविद्यालय, वरोरा येथील डॉ. निलेश उगेमुगे यांनी 'सॉफ्ट स्किल' या विषयावर मार्गदर्शन केले. विद्यार्थ्यांच्या शंकेचे निरसन त्यांनी केले. प्राणिशास्त्र विभागाद्वारे वन्यजीव सप्ताहा निमित्त पोस्टर आणि फोटोग्राफी स्पर्धा घेण्यात आली. याप्रसंगी वनविभाग अधिकारी श्री. सचिन शिंदे यांनी विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले. त्यांनी विद्यार्थ्यांनी सादर केलेल्या पोस्टर व फोटोग्राफसचे अवलोकन करून विद्यार्थ्यांचे कौतुक केले. याप्रसंगी श्री. बंडू धोतरे यांनी सुद्धा मार्गदर्शन केले. प्राणिशास्त्र विभागाने डॉ. किरण देशपांडे यांचे 'मानसिक आरोग्य' या विषयावर व्याख्यान आयोजित केले. महाविद्यालयातील आगळावेगळा उपक्रम म्हणून ओळख असलेला सिकलसेल टेस्टिंग वॅम्पचे आयोजन प्राणिशास्त्र विभागाद्वारे जिल्हा रूग्णालयाच्या सहकार्याने प्रथम वर्ष प्रवेशित विद्यार्थ्यांसाठी करण्यात आले. याप्रसंगी या विषयावर डॉ. बालमुकुंद पालीवाल यांनी मार्गदर्शन केले. सुक्ष्मजीवशास्त्र विभागाद्वारे राष्ट्रीय शिक्षक दिन साजरा करण्यात आला. विद्यार्थ्यांच्या क्लबचे उद्घाटन करण्यात आले. याप्रसंगी वैज्ञानिक रांगोळी स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. पदव्युत्तर विद्यार्थ्यांसाठी डॉ. निलेश उगेमुगे यांचे रिसर्च मेथडॉलॉजी विषयावर मार्गदर्शन आयोजित करण्यात आले. विभागाच्या विद्यार्थ्यांनी संशोधन महोत्सव 'अविष्कार' स्पर्धेत सहभाग नोंदवून यश मिळवले. नैरोबी, केनिया येथील आंतरराष्ट्रीय तांदूळ संशोधन केंद्राचे डॉ. अजय पाचभाई यांनी पदव्युत्तर विभागाला भेट देवून 'करिअरच्या संधी' या विषयावर मार्गदर्शन केले. स्टुडंट क्लबच्या विद्यार्थ्यांनी डेबूसावली येथील वृद्धाश्रमाला भेट देवून त्यांच्या समस्या जाणून घेतल्या व त्यांना जीवनोपयोगी वस्तू भेट दिल्या. लखनौ येथील वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद रामटेके यांनी जैवतंत्रज्ञान विभागाला भेट दिली. गोंडवाना विद्यापीठस्तरीय

"Millets and health, a Match of made in heaven"

आंतरमहाविद्यालयीन स्पर्धा 'मायक्रोबीया' चे आयोजन सूक्ष्मजीवशास्त्र विभागाद्वारे करण्यात आले. हाय - मिडीया या कंपनीने प्रायोजित केलेली PCR-Technique विषयावरील कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले. पदव्युत्तर विद्यार्थ्यांनी हैद्राबाद येथील Intertake प्रयोगशाळेला भेट दिली तर पदवी विद्यार्थ्यांनी चंद्रपूरातील जलशुद्धीकरण प्रकल्पाला भेट देवून तेथील कार्यप्रणाली समजावून घेतली.

रसायनशास्त्र विभागाच्या विद्यार्थ्यांनी शिक्षक दिनाचे आयोजन केले. ओझोन दिनाच्या निमित्त्याने पदवी व पदव्युत्तर विद्यार्थ्यांसाठी जनजागृती व्हावी या उद्देशाने पोस्टर स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. याप्रसंगी रसायनशास्त्र पदवी व पदव्युत्तर स्तरावरील केमीकल सोसायटीचे उद्घाटन डॉ. दिलीप वाहणे यांच्या मार्गदर्शनात करण्यात आले. महात्मा गांधी महाविद्यालय, आरमोरी तथा नागभिड येथे झालेल्या राज्यस्तरीय रसायनशास्त्र सेमीनार स्पर्धेत विद्यार्थ्यांनी भाग घेवून पारितोषिक प्राप्त केले. गोंडवाना विद्यापीठात आयोजित अविष्कार स्पर्धेत विभागाचे विद्यार्थी सहभागी झाले. चेन्नई येथील ब्रम्हचारी आनंद चैतन्य यांनी प्रेरणादायी कार्यशाळा Potential to Performance या विषयावर पदवी व पदव्युत्तर विद्यार्थ्यांसाठी आयोजित करण्यात आली. चंद्रपूर येथील चिन्मय मिशन च्या श्रीमती हरीप्रियानंदीनी यांनी विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले. नागपूर येथील मोहता विज्ञान महाविद्यालयात आयोजित राज्यस्तरीय सेमीनार स्पर्धेत विभागाच्या विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेवून क्रमांक पटकावला. राष्ट्रीय विज्ञान दिनाच्या निमित्त्याने पदव्युत्तर विभागाच्या विद्यार्थ्यांनी स्वयंस्फूर्तीने विविध वैज्ञानिक विषयावर आपले मत मांडले. रसायनशास्त्र विभागाद्वारे 'माती व पाणी पृथक्करण विषयावर गोंडवाना विद्यापीठाद्वारे मान्यताप्राप्त प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम राबविण्यात आला. विविध स्पर्धा परीक्षा NET, SET, JAM, GATE इत्यादीबाबत दहा दिवसीय मार्गदर्शन शिबिराचे आयोजन करण्यात आले. विभागातील प्राध्यापक व विद्यार्थी यांनी गेट परीक्षा उत्तीर्ण केली तर तीन विद्यार्थ्यांची निवड आय. आय. टी., मुंबई येथे होण्याच्या समरस्कूलसाठी झाली.

संगणक विभाग व संशोधन केंद्राद्वारे शिक्षक दिनाचे आयोजन करण्यात आले. कसंचर या कंपनीसाठी प्लेसमेंट झईव्ह आयोजित करण्यात आला. आय. आय. टी स्पोकन टुटोरीअल अंतर्गत विविध अभ्यासक्रमासाठी विद्यार्थ्यांची नोंदणी करून त्यांची परीक्षा घेण्यात आली. 'New Trends in Teaching Methodology' या विषयावर एक दिवसीय कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले. बिग डाटा अॅनालिटीक्स या विषयावर सेमीनारचे आयोजन करण्यात आले. प्रोजेक्ट सिनॉपसीस तयार करण्याबाबत मार्गदर्शन करण्यात आले. NEP अंतर्गत पदव्युत्तर वर्गासाठी आवश्यक 'ऑन जॉब ट्रेनिंग' या विषयावर विद्यापीठस्तरीय सिम्पोजिअमचे आयोजन करण्यात आले. परख' नावाची परीक्षा विद्यार्थ्यांसाठी घेण्यात आली. स्टुडंटस् क्लब, Beyond the Vision ची स्थापना करण्यात आली. याप्रसंगी ब्लाइंड कोडींग स्पर्धा, पॉवर पॉईंट स्पर्धा, भाषण स्पर्धा तथा प्रश्नमंजुषा स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. व्यक्तिमत्त्व विकास या विषयावर कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले. IPR या विषयावर प्राध्यापक वृंदांसाठी कार्यशाळा घेण्यात आली. यामध्ये चौरसिया मॅडम यांनी मार्गदर्शन केले. सायबर गुन्हे जागृती या विषयावर मार्गदर्शन आयोजित करण्यात आले.

आय.बी.एम. स्किल यांचे सोबत सामंजस्य करार करण्यात आला. विद्यार्थ्यांसाठी संशोधन पद्धत या विषयावर अतिथी व्याख्यान संपन्न झाले. आर्थिक उद्योगात माहिती तंत्रज्ञानाचे महत्त्व या विषयावर व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले. विविध मुलाखतींना सामोरे जातांना तुमची वैयक्तिक माहिती कशी तयार करायची या विषयावर डॉ. एस. बी. किशोर यांनी पदवीव्युत्तर व पदवी विद्यार्थ्यांसाठी कार्यशाळा घेतली.

"Millets the Key to, a happier and healthier life"

सांस्कृतिक विभागाद्वारे तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सवाचे आयोजन करण्यात आले. या अंतर्गत धान्याची रांगोळी, फ्लॉवर डेकोरेशन, पाककृती, समूहनृत्य, एकलनृत्य, एकल गीत, समूह गीत इत्यादी स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. सोबतच विविध क्रीडा स्पर्धा घेण्यात आल्या यामध्ये कला शाखेने सर्वाधीक गुण प्राप्त करत यावर्षीची 'उत्कृष्ट शाखा' असा बहुमान मिळवला. गोंडवाना विद्यापीठाच्या इंद्रधनुष्य या सांस्कृतिक कार्यक्रमात विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेवून पारितोषिक प्राप्त केले. महाकाली महोत्सवात विद्यार्थ्यांनी सांस्कृतिक कार्यक्रम सादर केले. विविध संस्था तथा महाविद्यालयाद्वारे आयोजित विद्यापीठ व राज्यस्तरीय वाद-विवाद व वक्तृत्व स्पर्धेत प्रलय मशाखेत्री व कु. चांदनी धनकर यांनी अनेक पदके प्राप्त करून दिलीत. गोंडवाना विद्यापीठाद्वारे प्राध्यापकांसाठी आयोजित कलादर्पण या स्पर्धेत महिला प्राध्यापक वृंदानी समूह नृत्य व समूहगीत स्पर्धेत पारितोषिक प्राप्त केले.

स्पर्धा परीक्षा मार्गदर्शन केंद्राद्वारे आय.ए.एस. अधिकारी श्री. रणजीत यादव यांनी विद्यार्थ्यांना स्पर्धा परीक्षेची तयारी व स्वतःचा अनुभव याबाबत मार्गदर्शन केले. करीअर कट्टाच्या माध्यमातून आर्थिक साक्षरता या विषयावर कार्यशाळा घेण्यात आली. श्री. किशोर बांते यांनी 'एल. आय. सी. मध्ये रोजगाराच्या संधी' या विषयावर विद्यार्थ्यांना माहिती दिली. बारामती येथे आयोजित करीअर कट्टा उपक्रमात महाविद्यालयाचे विद्यार्थी सहभागी झालेत व राज्य प्रमुख श्री. यशवंत शितोळे यांचेशी संवाद साधला. करीअर कट्ट्याच्या राज्यस्तरीय स्पर्धेत जिल्हास्तरीय प्रथम क्रमांकाचे पारितोषिक महाविद्यालयाने प्राप्त केले. डॉ. प्रकाश बोरकर यांची कॉलेज स्तरावरील उत्कृष्ट करीअर कट्टा समन्वयक म्हणून निवड करण्यात आली.

महाविद्यालयातील क्रीडा विभागाद्वारे विविध क्रीडा स्पर्धांचे आयोजन तसेच विविध क्रीडा स्पर्धेमध्ये विद्यार्थ्यांचा सहभाग नोंदवला. आंतरराष्ट्रीय योगदिना निमित्त आयोजित उपक्रमात योग शिक्षक श्री. कैशाल घूमडे यांनी सर्व उपस्थितांकडून योगासने करून घेतलीत व योगाचे महत्त्व विषद केले. राष्ट्रीय क्रीडा दिना निमित्त श्री. ध्यानचंद यांच्या फोटोला माल्यार्पण करून निरोगी शरीराबाबत शपथ घेण्यात आली.

क्रिडा महोत्सवात कबड्डी, व्हॉलीबॉल, रस्सीखेच, बॅडमिंटन इत्यादी स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. महाविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांची विद्यापीठ संघात निवड झाली व राष्ट्रीय स्पर्धेत सहभाग नोंदवला. ऑल इंडिया आंतर विद्यापीठ स्पर्धेत ७३ विद्यार्थी तर राज्यस्तरीय स्पर्धेत १४ विद्यार्थी व राष्ट्रीय स्तरावर ५ विद्यार्थ्यांची निवड झाली. महाविद्यालयीन एकूण १६ क्रीडाप्रकारात सहभाग घेतला. त्यात ५ स्पर्धेमध्ये सुवर्ण, ६ स्पर्धेमध्ये रजत, तर ३ स्पर्धेमध्ये कांस्य पदक प्राप्त केले. अॅथलेटिक क्रीडा प्रकारात द्वितीय क्रमांक प्राप्त केला.

महाविद्यालयातील राष्ट्रीय छात्र सेना योजना पथकाने मिळविलेल्या नावलौकीकामुळे सत्राच्या सुरुवातीला जिल्ह्यातील सर्वदूर गावातून राष्ट्रीय छात्र सेनामध्ये प्रवेश मिळविण्यासाठी विद्यार्थ्यांचा प्रयत्न सुरू होता. उपलब्ध जागांवर कठीण प्रशिक्षण त्यामधील गुणवत्तेच्या निकषावर प्रवेश दिले गेले. रोजची परेड विद्यार्थ्यांकडून करवून घेतली गेली. २६ जानेवारी रोजी अत्यंत सुरेख व शिस्तबद्ध असे पथसंचालन करण्यात आले. प्राचार्यांना मानवंदना देवून उत्कृष्ट राष्ट्रीय छात्र सेना कॅडेट्सचा मेडल देवून गौरव करण्यात आला. हर घर तिरंगा उपक्रम, पंचप्राण शपथग्रहण, योगदिवस, गांधीजयंती निमित्त परिसर स्वच्छता, B-Certificate, C- Certificate, RDC Parade ची तयारी आपत्ती व्यवस्थापनात जिल्हा प्रशासनाला सहकार्य, जनजागृतीनिमित्त होणाऱ्या रॅलीमध्ये सहभाग, लैंगिक अत्याचार विरोधात रॅलीमध्ये सहभाग इत्यादी उपक्रमात विद्यार्थ्यांनी कॅम्पन सतीश कन्नाके व श्रीमती रामटेके यांच्या मार्गदर्शनात काम केले

"Eat Smart, stay happy With Millet"

महाविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजना पथकाद्वारे विविध सामाजिक उपक्रम राबवून शासकीय आदेशाप्रमाणे विविध उपक्रमात सहभाग घेतला. या वर्षीचे शिबीर राजूरा तालुक्यातील वरूर (रोड) येथे घेण्यात आले. ग्रामस्वच्छता, सर्वेक्षण, शासकीय योजनांची माहिती गावकऱ्यांना देण्यात आली. विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, पथनाटय इत्यादी प्रकारातून वाईट चालीरीती, अंधश्रद्धा इत्यादी विषयांवर जनजागृती करण्यात आली. राष्ट्रीय सेवा योजनेचा स्थापना दिवस उत्साहात साजरा करण्यात आला. हर घर तिरंगा, मेरी माटी मेरा देश अंतर्गत उपक्रम राबविण्यात आले. गोंडवाना विद्यापीठातर्फे प्राचार्य व राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी यांची कार्यशाळा घेण्यात आली. यामध्ये कुलगुरू डॉ. प्रशांत बोकारे यांनी मार्गदर्शन केले. प्रेम दिनाच्या निमित्तने राणी हिराई व बिरशाह राजाच्या समाधीस्थळावर ऐतीहासिक माहिती विद्यार्थ्यांनी जाणून घेतली. जागतिक जल दिनाच्या निमित्ताने स्थानिक झरपट नदी पात्रात इको प्रो या संस्थेसोबत संयुक्तपणे स्वच्छता मोहीम राबविली. यामध्ये राष्ट्रीय सेवा योजना पथकासोबत, भूगोल व पर्यावरण शास्त्र विभागाचे विद्यार्थी सहभागी झाले होते.

महाविद्यालयातील माजी विद्यार्थी संघातर्फे श्री. मूजावर अली यांचे सायबर सुरक्षा या विषयावर दीक्षारंभ कार्यक्रमात मार्गदर्शन आयोजित करण्यात आले. गणेश उत्सवाच्या पार्श्वभूमीवर पर्यावरण पूरक गणेशमूर्ती तयार करण्याची स्पर्धा घेण्यात आली. माजी विद्यार्थ्यांतर्फे प्रायोजित पुरस्कार विजेत्यांना देण्यात आले.

महाविद्यालयातील अंतर्गत गुणवत्ता हमी कक्षातर्फे ऑल इंडिया सर्वे (AISHE) चा सत्र २०२२-२३ चा अहवाल ऑनलाईन पद्धतीने सादर करण्यात आला. कॅटार या कंपनीतर्फे आय. आय. एम. कोलकत्ता या संस्थेद्वारे नियुक्त समितीद्वारे अगोदर पाठविण्यात आलेले AISHE अहवालाची पडताळणी करण्यात आली. महाविद्यालयाने NIRF Ranking २०२४ मध्ये सहभाग नोंदविला तर गोंडवाना विद्यापीठासाठी शैक्षणिक अहवाल या कक्षाच्या माध्यमातून सादर करण्यात आला. गोंडवाना विद्यापीठाला शैक्षणिक अंकेक्षण (Academic Audit Report) अहवाल तयार करून पाठविण्यात आला. इंडिया टुडे मॅगझिन द्वारा राष्ट्रीय स्तरावर महाविद्यालयाची रॅकींग ठरविण्यात येते यामध्येसुद्धा कला, वाणिज्य, विज्ञान, संगणकशास्त्र, फॅशन डिझायनिंग, जनसंवाद इत्यादी विभागाचे अहवाल पाठवून सहभाग घेतला. हमी कक्षाच्या माध्यमातून विभागाचे वार्षिक अहवाल मागवणे, विद्यार्थी समाधान सर्वेक्षण, पुढील सत्राचे शैक्षणिक वेळापत्रक तयार करणे इत्यादी कार्ये करण्यात आली. महाराष्ट्र शासनाच्या MSFDA या संस्थेला तीन दिवसीय कार्यशाळा घेण्याबाबत प्रस्ताव पाठविण्यात आला. सत्र २०२२ - २३ चा वार्षिक गुणवत्ता हमी अहवाल (AQAR) NAAC या संस्थेला पाठविण्यात आला. तसेच विविध प्राध्यापकांचे CAS अंतर्गत प्रस्ताव तपासण्यात आले. IQAC च्या माध्यमातून ठराविक कालावधीमध्ये सभा घेण्यात आल्या.

लोकसंख्या अभ्यासमंडळातर्फे 'लोकसंख्या विस्फोट' या विषयावर डॉ. डांगे यांच्या Online व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले. हिंदुस्थान पेट्रोलियमच्या अधिकारी श्रीमती विनंती केसरकर यांचा 'स्वच्छता' विषयावर वेबीनार संपन्न झाला. महाविद्यालयाच्या वतीने लॉ कॉलेज परीसरात वृक्षारोपण करण्यात आले. महाविद्यालयातील प्लेसमेंट सेलद्वारे पंडीत दिनदयाल उपाध्याय महिला रोजगार मेळावा घेण्यात आला. यात ५५ विद्यार्थीनींची निवड विविध कंपनीमध्ये करण्यात आली. कर्सेचर या कंपनीतर्फे प्लेसमेंट ड्राईव्ह घेण्यात आला. कोलमाईन्स तथा बल्लारपूर पेपरमील येथे नियुक्तीसाठी विद्यार्थ्यांचे रेज्यूम पाठविण्यात आले. गोंडवाना विद्यापीठाच्या माध्यमातून तीन तालुक्यातील महाविद्यालयातील विद्यार्थ्यांसाठी करिअर समुपदेशन संदर्भात सभा संपन्न झाली. महाविद्यालयात नव्याने तीन स्मार्ट बोर्ड वर्गात बसविण्यात आले. करीअर कट्टा अंतर्गत Center of Excellence साठी एक लाखचा धनादेश महाविद्यालयाला प्राप्त झाला. स्व. पंजाबराव देशमुख यांची जन्मशताब्दी निमित्त डॉ. कोमल ठाकरे यांचे व्याख्यान घेण्यात आले. गोंडवाना विद्यापीठ सिनेट सदस्यांच्या समितीने महाविद्यालयातील अभ्यासक्रम पूर्ततेचा आढावा

Millets are a type of cereal crops which produce Small grains.

घेण्यासाठी भेट दिली. व प्राध्यापक वृंदांसोबत संवाद साधला. एमआयडीसी मधील सीपेट संस्थेच्या वार्षिक उपक्रमासाठी महाविद्यालयातील प्राध्यापकवृंदांना निमंत्रित करण्यात आले. सावित्रीबाई फुले यांचे जयंती निमित्त डॉ. प्रकाश बोरकर व डॉ. वैशाली थूल यांच्या मार्गदर्शनात विद्यार्थ्यांनी नाटिका सादर केली. एम.आय.डी.सी. येथील एन. ए. बी. एल कडून मान्यताप्राप्त प्रयोगशाळा जे. पी. असोसिएट सोबत विद्यार्थी प्रशिक्षणासाठी सामंजस्य करार करण्यात आला. CSR SCheme अंतर्गत हिंदुस्थान पेट्रोलियम कंपनीतर्फे देण्यात येणाऱ्या शिष्यवृत्तीसाठी ९० विद्यार्थ्यांनी अर्ज केले त्यातील ५७ विद्यार्थ्यांची शिष्यवृत्ती मंजूर झाली.

गृहअर्थशास्त्र विभागातर्फे घरगुती गॅसची सुरक्षा या विषयावर कार्यशाळा घेण्यात आली. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या जयंती निमित्त डॉ. विद्याधर बन्सोड यांच्या व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले. सर्वोदय शिक्षण मंडळाचे कोषाध्यक्ष स्व. मनोहरराव तारकुंडे यांच्या निधनाबद्दल शोकसभा घेण्यात आली. महाविद्यालयात गणतंत्र दिन, स्वातंत्र्य दिन, महाराष्ट्र दिन मोठ्या उत्साहाने साजरा करण्यात आले. मास्टर सॉफ्टवेअर कंपनीतर्फे त्यांच्या सॉफ्टवेअर प्रणाली मध्ये करण्यात आलेले बदल सांगण्यासाठी ऑनलाईन पद्धतीने शिक्षकेतर कर्मचारी वृंदाची कार्यशाळा घेण्यात आली. राज्यशास्त्र विभागातर्फे अॅडव्होकेट दीपक चटप यांचे व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले. मराठी विभागातर्फे मराठी राजभाषा दिन साजरा करण्यात आला.

वाणिज्य शाखेतर्फे कॅलिफोर्निया येथील इंजिनियर मा. सुयश भोगावार यांचे संशोधनातील नवीन संधी या विषयावर विद्यार्थ्यांसाठी मार्गदर्शन आयोजित करण्यात आले त्यांनी अत्यंत सोप्या शब्दांमध्ये विद्यार्थ्यांना कठीण विषय समजावून सांगितला.

सौदी अरेबिया येथील व्यवसाय व आर्थिक नियोजन कंपनीचे प्रमुख श्री सचिन बिरेवार यांनी वाणिज्य शाखेतील विद्यार्थ्यांना व्यवसायाच्या संधी या विषयावर दृकश्राव्य माध्यमातून मार्गदर्शन केले व रोजगाराबाबत त्यांनी विद्यार्थ्यांशी संवाद साधला.

प्राध्यापकवृंदातर्फे त्यांच्या शैक्षणिक ज्ञानात उन्नती होण्यासाठी त्यांनी विविध संस्थाद्वारे आयोजित कार्यशाळा, परीसंवाद, परिषदा यामध्ये सक्रीय सहभाग नोंदवला. विविध सत्राचे अध्यक्षपद भुषविले तर काही प्राध्यापकवृंदांनी सत्रात विशेष मार्गदर्शन केले. आपल्या ज्ञानात भर पडावी म्हणून डॉ. एस. बी. किशोर यांनी ओरिएंटेशन कोर्स, डॉ. सिसोदिया यांनी FDP आणि ओरिएंटेशन कोर्स, डॉ. बिरादार यांनी ओरिएंटेशन कोर्स तर डॉ. कुलदीप गोंड यांनी शॉर्ट टर्म कोर्स, पुणे येथे केला. प्राध्यापक वृंदांनी विविध आंतरराष्ट्रीय जर्नल्समध्ये शोध प्रबंध प्रकाशित केले व विविध विषयांवरील पाठ्यपुस्तकांचे लिखान केले.

शब्दांकन :

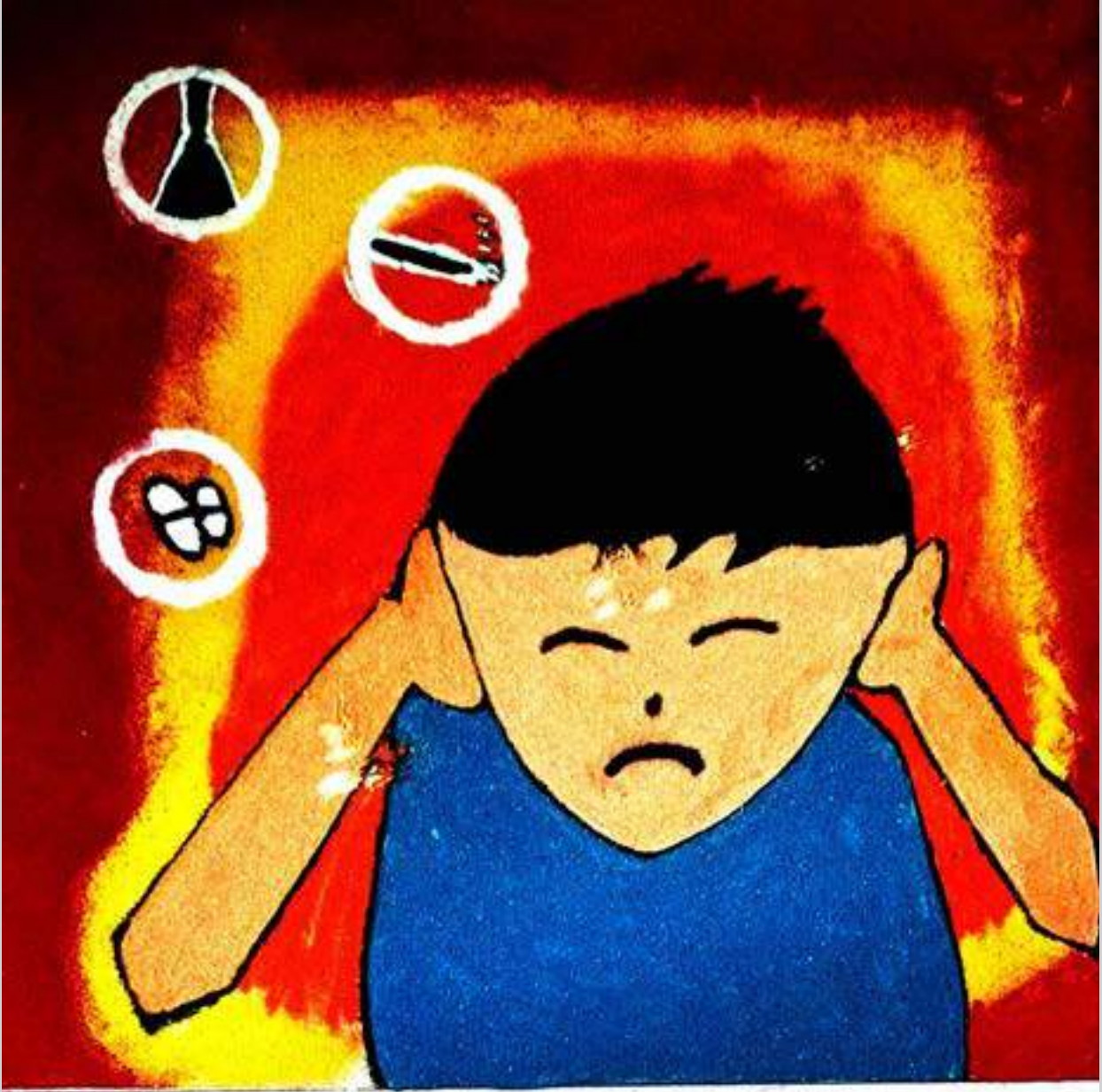
डॉ. स्वप्नील माधमशेटीवार

उपप्राचार्य,

सरदार पटेल महाविद्यालय,

चंद्रपूर

It is Small Seed grasses.



you have only one
life Don't waste it
With DRUGS

मराठी विभागा



प्रा. डॉ. पद्मरेखा धनकर

मराठी विभागप्रमुख

लाभले आम्हास भाग्य बोलतो मराठी
जाहलो खरेच धन्य ऐकतो मराठी
धर्म, पंथ, जात एक जाणतो मराठी
एवढ्या जगात माय मानतो मराठी

आमुच्या मनामनात दंगते मराठी
आमुच्या रगारगात रंगते मराठी
आमुच्या उराराउरात स्पंदते मराठी
आमुच्या नसानसात नाचते मराठी

आमुच्या पिलापिलात जन्मते मराठी
आमुच्या लहानग्यात रांगते मराठी
आमुच्या मुलामुलीत खेळते मराठी
आमुच्या घराघरात वाढते मराठी

आमुच्या कुलाकुलात नांदते मराठी
येथल्या फुलाफुलात हासते मराठी
येथल्या दिशादिशात दाटते मराठी
येथल्या नगानगात गर्जते मराठी

येथल्या दरीदरीत हिंडते मराठी
येथल्या वनावनात गुंजते मराठी
येथल्या तरुलतात साजते मराठी
येथल्या कळीकळीत लाजते मराठी

येथल्या नभामधून वर्षते मराठी
येथल्या पिकांमधून डोलते मराठी
येथल्या नद्यांमधून वाहते मराठी
येथल्या चराचरात राहते मराठी

पाहुणे जरी असंख्य पोसते मराठी
आपुल्या घरात हाल सोसते मराठी
हे असे कितीक खेळ पाहते मराठी
शेवटी मदांध तख्त फोडते मराठी

– सुरेश भट

निरोगी जीवनासाठी बाजरी

■ मीनाक्षी घ. आस्वले, बी.कॉम. प्रथम वर्ष

भारतात प्राचीन काळापासून अनेक अशा वनस्पती व कडधान्य आहे जी अनेक रोगांवर मात करीत आहे. सध्याच्या काळात मानवाच्या आरोग्यात अनेक अडचणी येताना दिसतात. मानवाच्या मूलभूत गरजा अन्न-वस्त्र-निवारा शिक्षण आणि आरोग्य आहेत.

“आरोग्यम् धन संपदा” ही एक म्हण आहे. मानवाकडे पैसा, संपत्ती सगळं आहे पण स्वतःच्या आरोग्यासाठी वेळ नाही. मानव आपल्या कामात इतका व्यस्त आहे की त्याला स्वतःच्या आरोग्याची काळजी सुद्धा घेता येत नाही.

मानवाचे आरोग्याबाबतच्या तक्रारी वाढत आहेत. स्थूलता, लठ्ठपणा, उच्च रक्तदाब, हृदयविकार, मधुमेह प्रतिकार शक्ती कमी असल्यामुळे होणारे आजार अनुवंशिक नसलेले कर्करोग पचनसंस्थेचे आजार अशा आजाराचे प्रमाण वाढत आहे. अशा आजारांवर कडधान्य मात करू शकते. यात बाजरीचा पण समावेश होतो.

मानवाचे स्वास्थ्य हे त्याची संपत्ती असते परंतु मानव आपल्या स्वास्थ्याकडे दुर्लक्ष करीत आहे. म्हणूनच आपल्या आरोग्यासाठी तृणधान्य खूप महत्त्वाचे आहे. बाजरी मानवासाठी खरोखरच आरोग्यदायी आहे. दमा प्रतिबंधित करते, खराब कोलेस्ट्रॉल कमी करते, शरीरातील विषारी पदार्थ काढून टाकते, साखर कमी करते आणि कर्करोगाचा धोका कमी करते.

कोलेस्ट्रॉल आपल्या हृदय व रक्तीवाहिन्यासंबंधी आरोग्यासाठी हानिकारक आहे. बाजरीत मोठ्या प्रमाणात फायबर असते हे आपल्या शरीरातील कोलेस्ट्रॉल कमी होण्यास महत्त्वपूर्ण योगदान देते. बाजरीत फायबर असते जे शरीर स्वच्छ करते आणि हानिकारक कोलेस्ट्रॉल काढून टाकण्यात मदत करते. कोलेस्ट्रॉल काढून टाकण्यास मदत करते कोलेस्ट्रॉलची पातळी कमी करण्यासाठी बाजरीचे सेवन

विशेषतः उपयुक्त आहे.

बाजरीत मोठ्या प्रमाणात फायबर असते जे मानवाच्या आहाराच्या यादीत ते खाण्यासारख्या गोष्टी आहेत बाजरी ऊर्जा प्रदान करते आणि थोड्या प्रमाणात सेवन केल्यावर मानवाला दीर्घकाळ भूक लागत नाही परिणामी जास्त खाणे टाळणे वजन कमी करू इच्छिणाऱ्यांनी बाजरीला मानवाचा आहाराचा स्थान द्यावे.

बाजरीत मोठ्या प्रमाणात अँटिऑक्सीडेंट आणि फिनोलिक असतात. हे वृद्धत्वाची प्रक्रिया कमी करते असे दिसून आले आहे. हे त्वचेच्या वृद्धत्वाच्या लक्षणांपासून बचाव करण्यास मदत करते. हे निरोगी त्वचा राखण्यासाठी आणि चेहऱ्यावरील सुरकुत्या कमी करण्यास मदत करते. बाजरी मानवाची क्रिया चांगली ठेवण्यास मदत करते आणि मानवाच्या झोपेची गुणवत्ता वाढवते.

बाजरीमध्ये पोटॅशियम मॅग्नेशियम फॉस्फरस यासारखे घटक आढळतात बाजरीच्या नियमित सेवनाचे शरीराला खूप फायदे होतात. शरीराची हाडे मजबूत होतात. सर्दीचाही त्रास होत नाही. इतकाच नव्हे तर अगदी कोरोनावरही बाजरी उपयुक्त ठरते.

आज आपण बाजारामध्ये बाजरीची विक्री करायला गेलो तर बाजरी ही इतर धान्यापेक्षा महाग आहे. कारण मानवांच्या मनात आरोग्यविषयी भावना जागृत झाल्या आहे व आता बरेचसे लोक बाजरी खाण्यास सुरुवात करीत आहे.

पूर्वीच्या काळातील मानव फक्त बाजरीच खात होते म्हणून ते दीर्घकाळ जगत होते. मात्र आताचे मानव खूप कमी काळ जगतात आरोग्य ही मानवाची संपत्ती आहे व मानवाने ती जपली पाहिजे.



Millets are Widely grown around the world.



बाजरी आणि निरोगी जीवन

■ तनुश्री एम. झाडे, बी.कॉम. प्रथम वर्ष

प्रस्तावना

आजकाल लोक खूप स्वतःच्या तब्येतीला जपायला लागले आहेत. सुदृढ राहण्यासाठी ते व्यायाम, राहणीमान, खाणे यावर लक्ष केंद्रित करत आहे. त्यासाठी ते वेगवेगळे ऑर्गॅनिक पदार्थाकडे वळले आहेत. यामध्ये सर्वात जास्त ऐकलेले कुठले खाद्य पदार्थ असेल तर ते मिलेट्स. आज आपण मिलेट्स बद्दल संपूर्ण माहिती घेणार आहोत.

मिलेट्स हा लहान बिया असलेला गवताचा समूह आहे. ज्याची लागवड हजार वर्षांपासून जगातील अनेक भागांमध्ये मुख्य अन्न म्हणून केली जात आहे. ते अवर्जन प्रतिरोधक आहे. त्यांना थोडेसे पाणी आवश्यक आहे. आणि खराब मातीच्या परिस्थितीत ते वाढू शकतात. ज्यामुळे ते कमी पाऊस आणि मर्यादित संसाधने असलेल्या प्रदेशासाठी एक आदर्श पीक बनले आहे.

अलीकडच्या वर्षात मिलेट्सच्या आरोग्यदायी अन्न म्हणून लोकप्रियता मिळाली आहे. कारण त्यात भरपूर पोषण घटक असतात, आणि ते अनेक आरोग्य फायदे देतात.

मिलेट्स म्हणजे काय

मिलेट्स हा तांदूळ आणि गव्हा सारखाच एक तृणधान्य आहे. ज्याला मोठा अनाज पण म्हणतात. आपले सर्वच पूर्वज हेच अन्न खायचे म्हणूनच ते खूप हेल्दी होते. राईस आणि गहू खूप खराब नाही पण मिलेट्स त्यापेक्षा खूप चांगले आणि आरोग्याचे फायदेशीर आहेत.

हे खूप कमी प्रमाणात ग्लुकोज ची निर्मिती करते त्यामुळे शुगर, वजन कमी करण्यासाठी खूप उपयोगाचे आहे. माझ्या मते दिवसातून एक वेळा प्रत्येकाने मिलेट्स घ्यायला पाहिजे. खूप दिवसांपासून तांदूळ आणि गव्हाला रिप्लेस करत मिलेट्स

झाला आहे. त्यामुळे खूप हलकं पीक होत आहे. यापासून अनेक पदार्थ तयार करता येतात.

१. जार्नयार्क मिलिट – राईस
२. मिलिट इडली फॉक्सटेल मिलेट्स
३. क्विकरागी दोसा
४. उपमा
५. टिकी कटलेट
६. ज्वारी रोटी

थोडक्यात मिलेट्स चा इतिहास

आफ्रिका, आशिया आणि युरोपच्या जगातील अनेक भागांमध्ये हजारो वर्षांपासून मिलेट्सची लागवड केली जात आहे इंडा मायान आणि अइटेकसह अनेक प्राचीन संस्कृतीमध्ये ते मुख्य अन्न होते भारतात मिलेट्सची लागवड ५० हजार वर्षांहून अधिक काळ केली जात आहे आणि अजूनही अनेक ग्रामीण भागात ते आहाराचा एक महत्त्वाचा भाग आहेत.

‘मिलेट्स’ हा शब्द Poaceae कुटुंबातील लहान बिया असलेल्या गवताच्या गटाला सुचित करतो. फिगर मिलेट्स, मोती मिलेट्स, फॉक्सटेल मिलेट्स, प्रोसो मिलेट्स आणि बार्नयार्ड मीलिट्स यासह मिलेट्सचे अनेक प्रकार आहेत. प्रत्येक प्रकारच्या मिलेट्सची स्वतःची वैशिष्ट्ये आहेत. परंतु सर्व पोषक तत्वांमध्ये उच्च आहेत. आणि अनेक आरोग्यदायी फायदे देतात.

मिलेट्स चे प्रकार

१. फॉक्सटेल मिलेट्स
२. लिटिल मिलेट्स
३. बार्नयार्ड मिलेट्स
४. कोडे मिलेट्स
५. ब्राउनटॉप मिलेट्स

मिलेट्स चे आरोग्यदायी फायदे

मिलेट्स हे प्रथिने, फायबर, जीवनसत्वे आणि खजिनासह पोषण तत्त्वाचा समृद्ध स्रोत आहे. ते ग्लुटेन मुक्त देखील आहे. ते रासायनिक रोग किंवा ग्लुटेन सहिष्णुता असलेल्या लोकांसाठी एक आदर्श अन्न आहे.

आरोग्यदायी फायदे खालील प्रमाणे आहेत

१. **हृदयविकाराचा धोका कमी होतो :-** मिलेट्स मध्ये फायबरचे प्रमाण जास्त असल्यामुळे कोलेस्ट्रॉलची पातळी कमी होते आणि हृदय विकार धोका कमी होतो.

२. **सुधारित पचन :-** मिलेट्स फायबरचा एक चांगला स्रोत आहे जे पचन सुधारण्यास आणि बद्धकोष्ठता टाळण्यास

Bajra, ragi, Jawar are examples.

मदत करते मिलेट्स मधील उच्च फायबर सामग्री निरोगी पचन वाढवते आणि बद्धकोष्ठता प्रतिबंधित करते. मिलेट्समध्ये प्रीसायोटीक्स देखील असतात. जे खाण्यात फायदेशीर बॅक्टेरिया वाढीस प्रोत्साहन देतात. आणि निरोगी आतडे मायक्रोबायाम राखण्यास मदत करतात.

मिलेट्स उपयोग करण्याचे मार्ग

मिलेट्स हे अष्टपैलू अन्न आहे जे विविध प्रकारे वापरले जाऊ शकते. ते धान्य म्हणून शिजवले जाऊ शकतात, पीठ म्हणून वापरले जाऊ शकतात किंवा पॉपकॉर्नसारखे पॉप केले जाऊ शकतात.

१. धान्य म्हणून शिजवलेले : मिलेट्स तांदूळ किंवा क्विनोआसारखे शिजवले जाऊ शकते आणि साईड डिश किंवा सॅलडमध्ये वापरले जाऊ शकते.

२. पीठ म्हणून वापरता जातो : मिलेट्स पीठात पिठ करून ब्रेड, पास्ता आणि इतर भाजलेले पदार्थ बनवण्यासाठी वापरले जाऊ शकते.

३. पॉपकॉर्न : मिलेट्स पॉपकॉर्न प्रमाणे पॉप केली जाऊ शकते आणि निरोगी स्नॅक म्हणून वापरली जाऊ शकते.

४. दलियामध्ये वापरतात : मिलेट्स लापशी म्हणून शिजवून नाश्यात खाता येते.

५. सूप आणि स्ट्यूमध्ये वापरला जातो : पोत आणि चव जोडण्यासाठी सूप आणि स्ट्यूमध्ये मिलेट्स जोडली जाऊ शकते.

मिलेट्स गव्हा इतका लोकप्रिय का नाही

आशिया आणि आफ्रिकेसह जगाच्या अनेक भागांमध्ये मिलेट्सची मोठ्या प्रमाणावर लागवड आणि मुख्य अन्न म्हणून सेवन केले जात असे. तथापि १९६० च्या दशकात हरितक्रांतीच्या आगमनाने तांदूळ आणि गव्हाचा उच्च उत्पादनाच्या जातीकडे वळले जे शेतकऱ्यांसाठी अधिक फायदेशीर आणि मोठ्या प्रमाणावर लागवड करणे सोपे होते.

यामुळे भारतासह जगातील अनेक भागांमध्ये मिलेट्सची लागवड आणि वापर कमी झाला.

मिलेट्स गव्हाइतका लोकप्रिय नसण्याची कारणे :

१. जागरूकतेचा अभाव : अनेकांना मिलेट्सच्या पौष्टिक फायद्याविषयी माहिती नसते आणि त्यांना त्यांच्या आहारात ते कसे शिजवावे किंवा कसे वापरावे हे माहित नसते.

२. उपलब्धता : जगातील अनेक भागांमध्ये मिलेट्स तांदूळ आणि गव्हाइतकी मोठ्या प्रमाणावर उपलब्ध नाही.

त्यांना सहसा गरीब माणसाचे अन्न, मानले जाते आणि ते बाजार किंवा किराणा दुकानात सहज उपलब्ध नसतात.

३. चव : मिलेट्स एक अद्वितीय चव आणि पोत आहे जे काही लोकांना आकर्षण वाटणार नाही गव्हापेक्षा ते शिजवणे अधिक कठीण असू शकते. जे काहीसाठी प्रतिबंधक ठरू शकते.

४. सरकारी धोरणे : काही देशातील सरकारी धोरणांनी गव्हाचा लागवडीला मिलेट्ससह इतर पिकांवर अनुकूलता दर्शवली आहे. यामुळे यामुळे मिलेट्सच्या लागवडीत घट झाली आहे आणि त्यावर प्रक्रिया आणि विपणनासाठी पायाभूत सुविधांचा अभाव आहे.

निष्कर्ष

मिलेट्स हे एक अत्यंत पौष्टिक अन्न आहे जे अनेक आरोग्यदायी फायदे देते.

त्यामध्ये फायबर, प्रथिने, जीवनसत्वे आणि खनिज जास्त असतात आणि ते ग्लुटेन-मुक्त असतात, ज्यामुळे सेलीआक रोग किंवा ग्लुटेन असहिष्णुता असलेल्या लोकांसाठी ते एक आदर्श अन्न बनवतात. मिलेट्स विविध प्रकारे वापरली जाऊ शकते, ज्यात धान्य, पीठ, किंवा पॉपकॉर्न सारखे पॉप केले जाऊ शकते. त्यांच्या अनेक आरोग्य फायद्यांसह आणि अष्टपैलूत्वामुळे, मिलेट्स कोणत्याही आहारात एक उत्कृष्ट जोड आहे.



They are grown in the monsoon season.

चारित्र्य व चिंतन

■ उबा केवट, बी.ए., द्वितीय वर्ष

जसे चिंतन असेल तसेच चारित्र्य घडेल. श्रेष्ठ चिंतन हे श्रेष्ठ विचारांना जन्माला घालते व श्रेष्ठ विचार श्रेष्ठ कर्माला. कुणाचेही श्रेष्ठ कर्म हे त्याच्या कुटुंबाच्या संस्कृतीला व संस्काराला दर्शवित असते. आजपर्यंत जितके काही महापुरुष झाले आहेत, त्यांना घडविण्यात त्यांचे चिंतन व चारित्र्य हेच मूळ कारण राहिले आहे.

चिंतन व चारित्र्य हे दोन्ही शब्द एकमेकांना पूरक आहेत. परस्परांवर पूर्णपणे अवलंबित असलेल्या ह्या दोन शब्दांवरच मनुष्याचे व्यक्तिमत्त्व निर्भर असते. आम्ही जसा विचार करतो ते म्हणजे आमचे चिंतन आहे आणि आपल्या चिंतनानुरूप जे काही कार्य व व्यवहार आम्ही करतो, तेच आमचे चारित्र्य आहे. म्हणतात ना की जो जसा विचार व कर्म करतो तो तसाच बनून जातो. या सुविचाराला आम्ही आणखी जास्त स्पष्ट अशाप्रकारे करू शकतो – मनुष्य मनात जो काही विचार अथवा चिंतन करतो त्यानुरूप त्याचे बोलणे असते आणि तो जसे बोल बोलतो तशीच वागणूक तो करू लागतो. हळूहळू त्याची ही वागणूक सवयीमध्ये बदलते आणि त्याच्या सवयी ह्याच त्याच्या चारित्र्याची निर्मिती करतात. मनुष्याचे चारित्र्य हेच त्याचे व्यक्तिमत्त्व असते आणि याच चारित्र्याचे रक्षण आम्ही पूर्ण प्रयत्नाने करावे असे शास्त्र म्हणते. म्हणून आम्ही आपल्या चारित्र्याचे रक्षण पूर्ण प्रयत्नाने करायला हवे. पैसा हा तर येत-जात असतो. एकदा हातातून गेलेला पैसा पुन्हा कमविता येतो परंतु जर चारित्र्यच नष्ट झाले तर त्याला पुन्हा मिळविता येत नाही. याविषयक एक म्हण आहे पैसा गेला तर काहीच गेले नाही असे समजावे, आरोग्य नष्ट झाले तर काही तरी आमच्या हातून गेले आहे असे समजावे पण जर चारित्र्यच नष्ट झाले तर सर्वस्व गेले असे समजावे.

चिंतनाचे महत्त्व – शुद्ध चिंतनाचा सतत अभ्यास करून चारित्रिक श्रेष्ठता आम्हाला मिळविता येते. म्हणून मन व मस्तिष्काच्या सहाय्याने सद्विचार व सदचिंतनाचा अभ्यास सतत करीत राहायला हवा. अशुभ चिंतन केल्याने फक्त आमचे स्वतःचेच नव्हे तर आमच्या कुटुंबाचे व पूर्ण समाजाचे नुकसान होत असते. मन म्हणजे काही कचराघर नव्हे की त्यात कसल्याही घाणेरड्या विचारांना आम्ही टाकत राहावे. मनोरंजनाच्या नावाखाली क्षुद्र व नुकसानकारक विचारांना आम्ही आपल्या मनात कधीही आणू नये. श्रेष्ठ साहित्याचा सतत अभ्यास करीत राहिल्याने तसेच चांगले मित्र व कुटुंबीयांसोबत राहिल्याने आमचे विचार पवित्र बनतात. परमपूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी ह्यांनी चार संयमात येत असलेल्या विचार संयमाला फार जास्त महत्त्व दिले आहे. इंद्रिय संयम, वेळेचा संयम आणि अर्थसंयमा सोबत आम्ही विचारसंयमा प्रती सुद्धा नेहमी जागरूक असायला हवे. विषयाचे (इंद्रियांची भोगसाधने) चिंतन केल्याने त्या विषयांना भोगण्याची इच्छा मनात उत्पन्न होते. नंतर ते भोगल्याने त्याविषयीच्या इच्छेत वाढ होते. इच्छा पूर्ण न झाल्याने मनात क्रोध उत्पन्न होतो, क्रोधाने बुद्धीचा नाश होतो आणि बुद्धीचा नाश झाला की मनुष्याचा सर्वनाश झालाच समजा. यावरून हेच स्पष्ट होते की चिंतन अथवा विचार हा किती जास्त महत्त्वाचा आहे.

चारित्र्याची निर्मिती कशी करावी? चिंतन हे चारित्र्याला कसे प्रभावित करते याला समजल्यानंतर आम्ही हे सुद्धा समजून घ्यायला हवे की चारित्र्य म्हणजे काय आणि याच्या निर्मितीसाठी आम्ही काय करायला हवे? यासंबंधात काही महत्त्वाच्या मुद्यांवर विचार करू या.

मनाचे पावित्र्य – शरीराची बाह्य शुद्धी व पावित्र्य, यासोबतच मन व अंतःकरणाची शुद्धी व पावित्र्य सुद्धा फार महत्त्वाचे आहे. मनाला उत्तमोत्तम विचारांनी आणि अंतःकरणाला सद्भावनांनी ओतप्रोत ठेवण्याचा प्रयत्न आम्ही नेहमी करायला हवा. कपट, द्वेष, ढोंगीपणा. खोटारडेपणा, इत्यादी मानसिक विकारांपासून नेहमी मुक्त राहण्याचा प्रयत्न करायला हवा. सभ्यपणा, सौम्य व मृदू स्वभाव, दया,

They are known as coarse grains and can be grown on less fertile and Sandy Soils.

मैत्रीभाव, करुणा अशा श्रेष्ठ विचारांनी मन ओतप्रोत ठेवून नेहमी श्रेष्ठ मार्गावर आम्ही मार्गक्रमण करायला हवे. वाईट मार्गावर आम्ही चुकीनेही पाऊल टाकू नये.

सदाचरणाचा अभ्यास – विचारशुद्धी नंतर त्यानुरूप वागणूक करण्यावर सुद्धा आम्ही नेहमी लक्ष द्यावे. विचार व आचारामध्ये सारखेपणा आणण्यासाठी नेहमी प्रयत्नशील राहावे. आपल्या कर्मावर नेहमी सूक्ष्म नजर ठेवून एखाद्या जागरूक प्रहरीप्रमाणे स्वतः ला चुकीच्या मार्गापासून व वाईट आचारापासून वाचवावे. दररोज सायंकाळी अस्ताला जाणाऱ्या सूर्याकडे बघून भावना करावी की आज माझ्याकडून कोणते चांगले कर्म केल्या गेले. असे न घडल्यास या अस्ताला जाणाऱ्या सूर्यासोबतच माझ्या आयुष्याचा एक भाग सुद्धा अस्ताला जात आहे. असे प्रेरक चिंतन आम्हाला सत्कर्माकडे प्रेरित करेल आणि आम्ही आदर्श चारित्र्यसंपन्न बनू शकू.

स्व-मुल्यांकन – आपण केलेल्या कार्याचे मुल्यांकन आम्ही स्वतःच करायला हवे आणि ते सुद्धा पूर्णपणे निष्पक्ष व वस्तुनिष्ठ भावनेने करायला हवे. रोज घडणाऱ्या कार्यातील न्यूनतेचा लेखाजोखा सुद्धा ठेवायला हवा. मागे केलेल्या चुका व त्याच्या निवारणार्थ पूर्ण जागरूकतेने प्रयत्न करीत राहायला हवा. याकरिता एक दैनंदिनी (डायरी) ठेवल्यास तिला एक उत्तम व उपयोगी सवय म्हणता येईल. आई, वडील व गुरुजींच्या मार्गदर्शनारखाली नेहमी उन्नती करण्याचा संकल्प आम्ही करावा. त्यांच्याकडून प्रेरणा घेवून स्वतःचा उद्धार स्वतःच करण्याचा प्रयत्न आम्ही करीत राहायला हवा.



आरोग्य

शेतकरी शेतात गेला
तुर, मूंग, मटकी, हरभरा, उडीद
इत्यादी कडधान्य घेऊन आला

योग्य आहार असेल तर आरोग्य उत्तम राहत
असेल रक्ताची कमी तर खावं मोड आलेल्या
कडधान्याची पुडी

कडधान्य मोड आलेले खाऊन
केसांना मिळतो विटामिन आणि
होतो त्याचा मान
डोळ्याची दृष्टी सुधारते छान छान

शेतकरी म्हणतो कडधान्य
भरपूर भिजवून खाऊया
शरीराला चांगल्या सुरक्षित बनवुया

इकडे तिकडे फिरताना विसरून
जातात सगळेजण
गरज काय आहे त्या शरीराला
आरोग्य चांगलं असायला.

मयुरी सुधीर झगडकर

बी.ए., प्रथम वर्ष

It is a hardy crop that needs low rainfall

पर्यावरण

■ दर्शन मेश्राम, बी.ए. अंत्य

पर्यावरण म्हणजे फक्त स्थूल निसर्गापर्यंत मर्यादित नसून निसर्गाच्या अंतरंगात धडधडणारे ते एक हृदय सुद्धा आहे. पर्यावरणानेच आमचा निसर्ग श्वास घेत असतो. भारतीय संस्कृतीचे सर्वात मोठे वैशिष्ट्य म्हणजे तिच्यात प्रकृतीविषयी अफाट प्रेम भरलेले आहे आणि तिच्या संरक्षणाचा चिंतन प्रवाह सुद्धा त्यात अनवरत राहिला आहे. यामुळेच भारतीय संस्कृतीत प्रकृतिला महान पदाने अलंकृत करण्यात येते आणि तिच्या घटकांना जसे पंचतत्त्व व वृक्ष-वनस्पतींना देवासारखे मानून तिची पूजा केल्या जाते. पर्यावरणा प्रती असलेल्या या भावभावना जेव्हा अंतःकरणातून नाहीशा होतात तेव्हा तिचे शोषण सुरु होते. शोषणरूपी ही आत्मघाती प्रवृत्ती आज ज्याप्रमाणे वाढत चालली आहे तिचे परिणाम सुद्धा एखाद्या अभिशापा प्रमाणे मानवास मिळत आहेत. या वाईट परिणामांपासून आज सर्वचजण चांगले परिचित आहेत.

आरण्यक संस्कृती – आमच्या संस्कृतीला आरण्यक संस्कृती सुद्धा म्हटल्या जाते. असे म्हणण्यामागे अरण्य व तेथील हिरवागार निसर्ग तसेच वृक्ष-वनस्पती यांच्याविषयी अपार श्रद्धाभाव व सन्मान व्यक्त करणे आहे. आयुर्वेदाचार्यांच्या दृष्टीने बघितल्यास या जगात एकही अशी वनस्पती नाही जी औषधी गुणांनी युक्त नसेल. म्हणूनच श्वेताश्वतरोपनिषद मध्ये वृक्षांना ब्रह्म समान म्हटले आहे. 'वृक्ष इवस्तब्धो दिवि तिष्ठत्येक'.

तुळशीचे फायदे – तुळशीला प्राणवायु देणारी वनस्पती म्हटल्या गेले आहे. याचा पर्यावरणाशी घनिष्ट संबंध आहे. याच्या जवळ कोणतेही हानिकारक कीटक, जीवाणू-विषाणू येत नाहीत. वृक्षांच्या महात्म्या विषयी वराह पुराणात म्हटले आहे की जो कोणी पिंपळ, कडूनिंब किंवा वडाचे एक झाड, डाळिंब किंवा संत्र्याचे दोन, आंब्याचे पाच व वेलींची दहा झाडे

लावतो तो कधीही नरक यातनेला भोगत नाही व नरकयात्रा सुद्धा करित नाही, याला कारण हेच की त्यामुळे पर्यावरण शुद्ध, स्वच्छ राहते आणि मनुष्य आजारी पडत नाही.

भारतीय संस्कृतीत वृक्षांप्रमाणेच पशू-पक्ष्यांप्रती सुद्धा सुरक्षेचा व त्यांच्या संरक्षणाचा आदरणीय भाव भरलेला आहे. सरस्वती मातेचे वाहन हंस, कार्तिकेयचे मोर, लक्ष्मीचे घुबड, विष्णूचे गरुड हे वाहन मानल्या जाते व त्यांची पूजा केली जाते. याच प्रमाणे पशूंचा विचार केल्यास दुर्गामातेचे सिंह, भगवान शंकराचा नंदी, इंद्राचा ऐरावत (हत्ती) गणपतीचे मूषक हे वाहन मानल्या जाते. त्यांची देवाप्रमाणेच पूजा केली जाते. अनेक प्राण्यांच्या रूपात तर स्वतः भगवंतच अवतार रूपात आलेले आहेत. जसे मस्त्य, वराह, कच्छप. वन्य प्राण्यांना सुद्धा हा मान मिळालेला आहे. बुद्धिवान असलेले जांबवंत हे अस्वल कुळातील होते तर महाज्ञानी व परमभक्त हनुमान व सुग्रीव हे वानर कुळातील होते.

निर्जीव जड वस्तूंचा सन्मान – पशू-पक्ष्यांसारख्या जिवंत प्राण्यांशिवाय भारतीय संस्कृतीत निर्जीव अशा जड वस्तूंना सुद्धा श्रद्धास्पद मानल्या गेले आहे. शाळीग्राम दगडाला भगवान विष्णूचे प्रतीक मानल्या जाते. हिमालयातील पर्वत शृंखला ह्या आमच्यासाठी जिवंत तीर्थ व आध्यात्मिक प्रतीके आहेत. याचप्रमाणे विंध्याचल, गिरनार, सातपुडा, अरुणाचलम इत्यादी पर्वत म्हणजे आमच्या दृढ आस्थेचे प्रतीक प्रतिनिध आहेत. मनुष्याला निसर्गाचा अभिन्न अंग मानणाऱ्या आमच्या सुक्ष्मद्रष्टा ऋषी-मुनींना हे चांगल्या प्रकारे माहित होते की जड निसर्गाचा अर्थात पृथ्वी, नद्या, पर्वत आणि चैतन्यमयी असलेले जग जसे जंगलातील वृक्ष-वनस्पती, पशु-पक्षी आणि मनुष्य यांचा परस्परांशी दाट संबंध आहे. या समन्वयानेच पर्यावरणात समता व संतुलन टिकून राहते. प्राकृतिक संतुलन हे मानवीय अस्तित्वाला गहनपणे चांगल्या अथवा वाईट प्रकार प्रभावित करित असते.

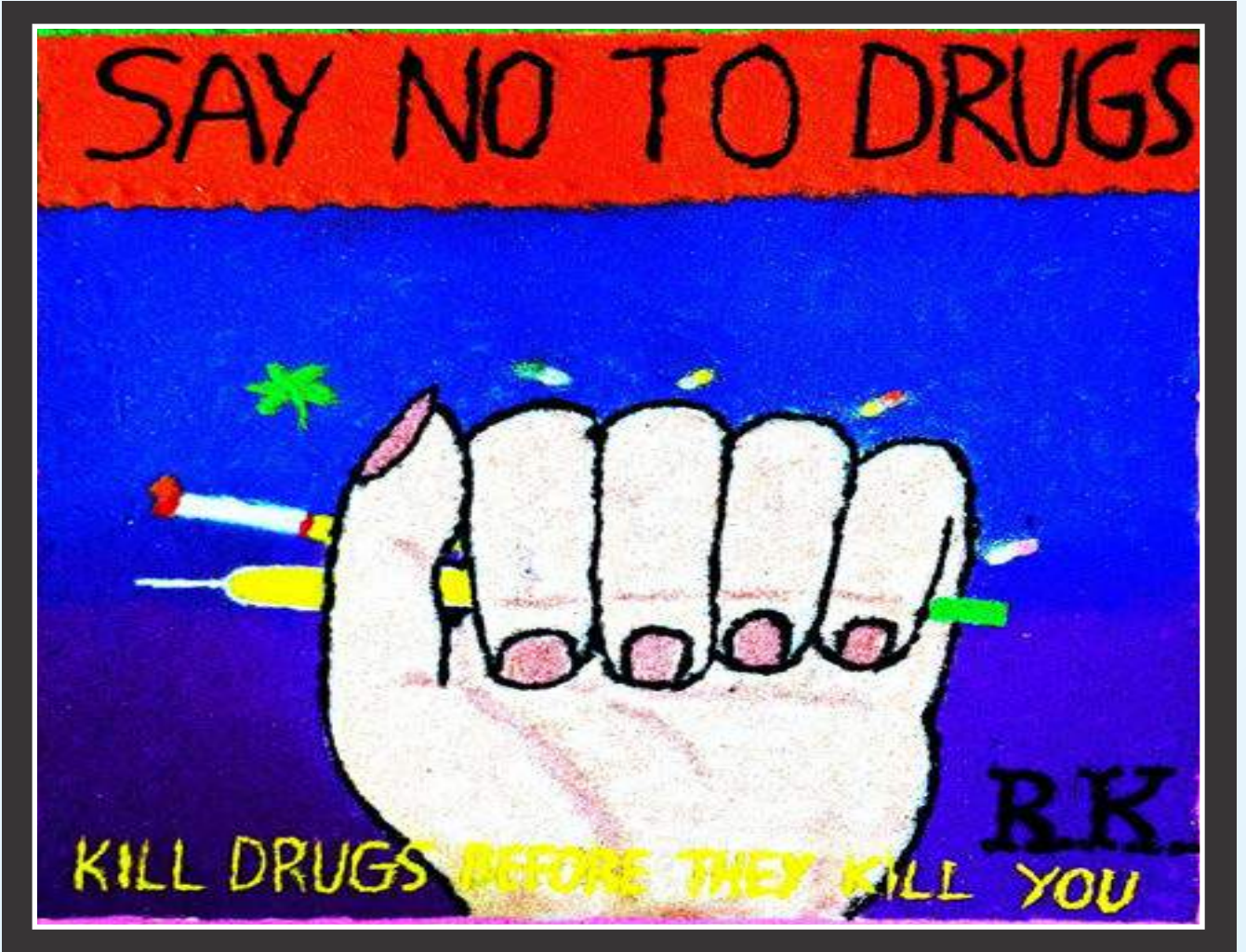
पर्यावरण प्रदूषणाचे धोके आज वातावरणात फार जास्त वाढलेल्या कार्बन डाय ऑक्साईड, सल्फर डाय ऑक्साईड, अमोनिया, कार्बन मोनो ऑक्साईड, क्लोरीन इत्यादी विषारी वायूंमुळे माणसाला शुद्ध हवा मिळणे अशक्य झाले आहे. तसेच

Milletts are high in nutrients.

नाईट्रोजनचे काही योगिक व सल्फर डाई ऑक्साईड मुळे जगातील अनेक भागात अम्लीय पाऊस पडण्याचे प्रमाण वाढले आहे.

आज जगात जवळपास साठ कोटी वाहने उपयोगात येत आहेत. यातून निघणारी अरबों टन कार्बन मोनाऑक्साईड वातावरणाला नुकसान पोहोचवीत आहे. जमिनीपासून १६ ते ४० किलोमीटर उंच असलेल्या आकाशातील ओझोनमंडलाला यामुळे नुकसान पोहोचत आहे. यात सर्वात जास्त नुकसान क्लोरीन वायूमुळे पोहोचत आहे. मागील दहा हजार वर्षात पृथ्वीचे तापमान ०.४ ते ०.५ डिग्री सेंटीग्रेड पर्यंत वाढले आहे. त्यामुळे ध्रुव प्रदेशातील बर्फ वितळून समुद्राची पातळी वाढण्याचा धोका वाढला आहे. यामुळे जलप्रलय सारखी स्थिती येण्याची शक्यता बनत चालली आहे.

गाय व पर्यावरण अनुकूलता भारतीय जनजीवनात गाईचे विशेष महत्त्व आहे. गाईचे दूध अमृतासमान मानले जाते. गाईच्या तूपाला जाळल्याने वातावरणातील रेडीओ विकिरणाचा प्रभाव कमी होतो. गाईच्या शेणात रेडीओ विकिरण थांबविण्याची क्षमता आहे. अनादिकालापासून गाईच्या शेणाने जमिनीला सारविण्याची व गाईच्या तूपाने हवन, यज्ञ करण्याची परंपरा यामुळेच चालत आलेली आहे. शेतीत शेणखत वापरल्याने अन्न, शाक, भाजी, फळे इत्यादी विकिरण प्रभावाने मुक्त होऊन रसमय बनतात. गाईच्या उत्पादापासून बनलेले पंचगव्य रोगनाशक असते. अशा प्रकारे पर्यावरणाचे सुरक्षा कवच टिकवून ठेवण्यात गाईचे अनुदान फार सहायक ठरते.



Millets are tradition grains.

भारतीय संविधान

■ धीरज खेखडे, बी.कॉम. प्रथम वर्ष

कायद्यापुढे समानता :- राज्य, कोणत्याही व्यक्तीस भारताच्या राज्यक्षेत्रात कायद्यापुढे समानता अथवा कायद्याचे संरक्षण नाकारणार नाही

धर्म, वंश, जात, लिंग, किंवा जन्मस्थान या कारणावरून भेदभाव करण्यास मनाई :-

- १) राज्य, कोणत्याही नागरिकाला प्रतिकूल होईल अशा प्रकारे केवळ धर्म, वंश, जात, लिंग, जन्मस्थान या अथवा यापैकी कोणत्याही कारणावरून भेदभाव करणार नाही.
- २) केवळ धर्म, वंश, जात, लिंग, जन्मस्थान या अथवा यापैकी कोणत्याही कारणावरून कोणताही नागरिक:
- क) दुकाने, सार्वजनिक उपहारगृहे, हॉटेल आणि सार्वजनिक करमणुकीची स्थाने यांत प्रवेश किंवा
- ख) पूर्णतः किंवा अंशतः राज्याच्या पैशाने राखलेल्या अथवा सर्वसाधारण जनतेच्या उपयोगाकरताच खास नेमून दिलेल्या अशा विहिरी, तलाव, स्थानघाट, रस्ते आणि सार्वजनिक राबत्याच्या जागा यांचा वापर,
- ग) यांविषयी कोणतीही निःसमर्थता, दायित्व, निर्बंध किंवा शर्त यांच्या अधीन असणार नाही.
- ३) या अनुच्छेदातील कोणत्याही गोष्टीमुळे, स्त्रिया व बालके यांच्याकरता कोणतीही विशेष तरतूद करण्यास राज्याला प्रतिबंध होणार नाही.

सार्वजनिक सेवायोजनाच्या बाबींमध्ये समान संधी: -

- १) राज्याच्या नियंत्रणाखालील कोणत्याही पदावरील सेवायोजन किंवा नियुक्ती यासंबंधीच्या बाबींमध्ये सर्व नागरिकांस समान संधी असेल.
- २) कोणताही नागरिक केवळ धर्म, वंश, जात, लिंग, कूळ, जन्मस्थान, निवास या किंवा यापैकी कोणत्याही कारणांवरून राज्याच्या नियंत्रणाखालील कोणतेही



सेवायोजन किंवा पद यांच्याकरिता अपात्र असणार नाही, अथवा त्यांच्याबाबतीत त्याला प्रतिकूल असा भेदभाव केला जाणार नाही.

- ३) या अनुच्छेदातील कोणत्याही गोष्टीमुळे, एखादे राज्य किंवा संघ राज्यक्षेत्र यांच्या शासनाच्या अथवा त्यातील कोणत्याही स्थानिक किंवा अन्य प्राधिकरणाच्या नियंत्रणाखालील एखाद्या वर्गाच्या किंवा वर्गाच्या पदावरील सेवायोजन किंवा नियुक्ती यांच्यासंबंधात, अशा सेवायोजनाच्या किंवा नियुक्तीच्यापूर्वी त्या राज्यातील किंवा संघ राज्यक्षेत्रातील निवासाविषयी एखादी आवश्यकता विहित करणारा कोणताही कायदा करण्यास संसदेला प्रतिबंध होणार नाही.

(४) या अनुच्छेदातील कोणत्याही गोष्टीमुळे, राज्याच्या नियंत्रणाखालील सेवांमध्ये नागरिकांच्या ज्या कोणत्याही मागासवर्गाला, राज्याच्या मते, पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिळालेले नाही अशा मागासवर्गाकरिता नियुक्त्या किंवा पदे राखून ठेवण्यासाठी कोणतीही तरतूद करण्यास राज्याला प्रतिबंध होणार नाही.

क) या अनुच्छेदातील कोणत्याही गोष्टीमुळे, राज्याच्या

It is rich Source of iron, Calcium and magnesium.

नियंत्रणाखालील सेवांमध्ये ज्या अनुसूचित जातींना किंवा अनुसूचित जनजातींना त्या राज्याच्या मते पर्याप्त प्रतिनिधित्व देण्यात आलेले नसेल त्यांना राज्याच्या नियंत्रणाखालील सेवांमधील पदांच्या कोणत्याही वर्गामध्ये किंवा वर्गामध्ये परिणामस्वरूप ज्येष्ठतेसह पदोन्नती देण्यासंबंधात आरक्षण करण्यासाठी कोणतीही तरतूद करण्यास राज्याला प्रतिबंध होणार नाही.

ख) या अनुच्छेदातील कोणत्याही गोष्टीमुळे राज्याला, खंड (४) किंवा खंड (क) अन्वये आरक्षणासाठी केलेल्या कोणत्याही तरतूदीनुसार. एखाद्या वर्षात भरण्यासाठी म्हणून राखून ठेवलेल्या परंतु त्या वर्षात रिक्त राहिलेल्या जागांच्या बाबतीत पुढील कोणत्याही वर्षात किंवा वर्षामध्ये भरावयाच्या रिक्त जागांचा एक स्वतंत्र वर्ग म्हणून विचारात घेण्यास राज्याला प्रतिबंध होणार नाही आणि अशा वर्गातील रिक्त जागा, ज्या वर्षामध्ये त्या भरण्यात येतील त्या वर्षातील रिक्त जागांच्या पन्नास टक्के -

अस्पृश्यता नष्ट करणे - "अस्पृश्यता" नष्ट करण्यात आली आहे व तिचे कोणत्याही स्वरूपातील आचरण निषिद्ध करण्यात आले आहे. अस्पृश्यतेतून उद्धवणारी कोणतीही निःसमर्थता लादणे हा कायदानुसार शिक्षापात्र अपराध असेल.

किताब नष्ट करणे - (१) सेनाविषयक किंवा विद्याविषयक मानविशेष नसलेला असा कोणताही किताब राज्याकडून प्रदान केला जाणार नाही. (२) भारताचा कोणताही नागरिक कोणत्याही परकीय देशाकडून कोणताही किताब स्वीकारणार नाही. (३) भारताची नागरिक नसलेली कोणतीही व्यक्ती, ती राज्याच्या नियंत्रणाखालील कोणतेही लाभाचे किंवा विश्वासाचे पद धारण करत असताना, राष्ट्रपतीच्या संमतीशिवाय कोणत्याही परकीय देशाकडून कोणताही किताब स्वीकारणार नाही. (४) राज्याच्या नियंत्रणाखालील कोणतेही लाभाचे किंवा विश्वासाचे पद धारण करणारी कोणतीही व्यक्ती, राष्ट्रपतीच्या संमतीशिवाय परकीय देशाकडून किंवा त्याच्या नियंत्रणाखालील कोणत्याही प्रकारची कोणतीही भेट. वित्तलब्धी किंवा पद स्वीकारणार नाही.



अनाथांची आई

भिक मागत असत जे रस्त्यावर
त्यांच्या हातात पाटी पुस्तक आले
झोपत असत जे बस स्थानकाच्या बाकावर
त्यांच्या अंगावर छत आले

मायेची सावली ही नव्हती यांच्या अंगावर
त्यांच्या वाट्याला प्रेमाची पाखरा आली
जगण्यासाठी दिशा मिळाली
एक प्रेमळ आई मिळाली
कित्येक अनाथांची माय मिळाली

अनाथांवर प्रेम केले तिने अपार
त्यांच्यासाठी कष्ट केले तिने जीवापाड
तिच्यासारखे जगात कोणीच नाही
ती आहे माझी सिंधूआई

सोडून जरी गेली असली ती आम्हाला
पण आठवण येते तिची प्रत्येक क्षणाला
जीवनाच्या प्रत्येक प्रवासाला
वंदन करू तिच्याच प्रतिमेलाला

कु. छकुली बालाजी कोटरंगे

बी.ए., प्रथम वर्ष

These minerals are essential for maintaining healthy bones, teeth and muscles's.

इंद्रिय संयम

■ शालीनी निर्मलकर, बी.ए. अंत्य

माझे वडील नेहमी म्हणत असत, विद्यार्थ्यांचे तप म्हणजे त्यांचा अभ्यास आहे. त्यांची ही गोष्ट मला आजही चांगल्या प्रकारे लक्षात आहे. हे तप इंद्रिय संयमानेच शक्य आहे. बाह्य वस्तूंचे ज्ञान आम्हाला इंद्रियांद्वारे मिळते. यामुळेच तर इंद्रिये आत्म्यासाठी फायद्याच्या ठरतात. संसारी मनुष्य हा इंद्रियाशिवाय वेगवेगळ्या पदार्थांना समजूच शकत नाही. इंद्रिये मनुष्याला फायद्याच्याच ठरतील हे आवश्यक नाही. कारण ही इंद्रिये विद्यार्थ्यांना आपापल्या विषयाकडे आकर्षित करून त्यांना पथभ्रष्ट करतात. जिभेला चटकमटक, तिखट, आंबट खाणे आवडते, जे खाण्यासाठी आमचे वडील नाही म्हणत. कारण यामुळे अभ्यासात मन लागत नाही, झोप येते, आळस येतो. तरीपण आम्ही त्यांना लपूनछपून खातच होतो.

आमच्या आजूबाजूला बऱ्याच गोष्टी होत असतात परंतु विद्यार्थ्यांने नेहमी ज्या गोष्टी योग्य आहेत, कल्याणकारी व सर्वांचे भले करणाऱ्या आहेत त्याच ऐकायला हव्यात. डोळ्यांनी सुद्धा शुभ व चांगल्या गोष्टींनाच बघावे. अनुचित गोष्टींकडे लक्ष देवू नये. यामुळेच आम्हाला सिनेमा बघायला मनाई होती. तो काळ काही टी व्ही चा नव्हता. आज तर घरोघरी टी. व्ही च्या दुर्व्यसनाने आपले पाय खोलवर रुजविले आहेत. यामुळेच विद्यार्थी इंद्रिय संयमाला गमावून वाईट प्रवृत्तीकडे आकर्षित होत आहेत.

आम्ही लहान असतांना मोठ्यांसमोर बोलायला सुद्धा घाबरत होतो. परंतु आजचा तरुण वर्ग तर खुशालपणे सर्वासमोर नशेच्या पदार्थांचे सेवन करीत आहेत. तंबाखू, बीडी, सिगरेट तर सामान्य गोष्ट झाली आहे. जेव्हाकी हे सर्वांनाच माहित आहे की फक्त भारतात तंबाखूने दहा लाख लोक दर वर्षाला मरण पावतात. तंबाखूच्या सेवनाने हृदय रोग,



धमनीचे आजार, फुफ्फुसाचा कर्करोग, तोंड, ओठ, जीभ, गाल व गळ्याचा कर्करोग होत असतो. हे सर्व माहीत असूनही फक्त क्षणिक इंद्रिय सुखामुळे तो स्वतःचा विनाश स्वतःच करवून घेतो.

लहानपणी बाबा दादाला सांगत की अशा मुलांशी मैत्री ठेवायची नाही जे बीडी, सिगरेट व दारू पीत असतील. ते म्हणत असत की धुम्रपान करणारा फक्त स्वतःचेच नुकसान करीत नाही तर आजूबाजूच्या लोकांना सुद्धा नुकसान पोहोचवितात. ज्यांच्या नाकात हा धूर जातो त्यांना सुद्धा वरील आजार होऊ शकतात. आजतर भारत सरकारने याला दंडनीय गुन्हा घोषित केले आहे. त्यानुसार सार्वजनिक स्थळी धुम्रपानाला मनाई आहे. शाळेच्या आजूबाजूला शंभर मीटरपर्यंत तंबाखू विकणे सुद्धा दंडनीय आहे. यामुळे धुम्रपानामध्ये थोडी कमी जरी आली असली तरी हे तर स्पष्टच आहे की जोपर्यंत मनुष्य स्वतःवर नियंत्रण ठेवणार नाही तोपर्यंत या वाईट प्रवृत्तीला थांबविता येणार नाही.

याचप्रकारे जेव्हा कधी एखाद्या दारू पिणाऱ्याला बघतो तेव्हा असे वाटते की वडिलांनी आम्हाला किती चांगले संस्कार दिले आहेत की ज्यामुळे हे व्यसन कुटुंबात कोणालाही जडले नाही. म्हणतात ना की दारू पिल्याने मनुष्याचे शरीर, मन व बुद्धी सुद्धा आजारी होत असते. दारू पिल्याने माणसाचे मस्तिष्क व्यवस्थितपणे काम करीत नाही. त्याचे लिवर सुद्धा यामुळे खराब होते. तसेच अन्न नलिकेचा कर्करोग पोटासंबंधी

It regulating blood pressure and fluid balance in the body.

अनेक आजार यामुळे माणसास जडतात. दारू पिवून गाडी चालविल्याने असंख्य दुर्घटना घडतात दारूच्या व्यसनाने असंख्य कुटुंबे नष्ट झाल्याची आम्ही बघितली आहेत. समाजात सुद्धा त्याकडे वाईट नजरेने बघितल्या जाते.

आमच्या प्राचीन धर्मग्रंथाकडे बघितल्यास त्यात सुद्धा या वाईट प्रवृत्तींची निंदा करण्यात आली आहे. वेदात मद्यपानाला महापाप म्हटले आहे. धर्मशास्त्रांमध्ये अशा लोकांसाठी एक वर्ष कठोर प्रायश्चित्त करून या पापकर्मापासून दूर राहण्याचा सल्ला देण्यात आला आहे.

बौद्ध धर्मात सांगितलेल्या चार पापांपैकी मद्यपानाला सुद्धा एक पाप सांगितले आहे. कुराण मध्ये पारा ७ सुरत मायदा रुक १ मध्ये म्हटले आहे की हे ईमान राखणाऱ्यांनो, दारू व इतर नशेचे पदार्थ म्हणजे हराम आहेत. या शैतानी पदार्थापासून नेहमी दूर रहा. बायबल म्हणते की नशेबाज लोकांची दुर्गती शेवटी शैतानासारखी होईल. जे नशा करतील ते कधीही सुखी राहू शकत नाही.

असा एकही धर्म नाही जो इंद्रिय संयमावर जोर देत नसेल. ईश्वराने आम्हाला डोळे, नाक, कान, जीभ, हाथ ही इंद्रिये सुनियोजित जीवन जगण्यासाठी दिली आहेत, यांचा दुरुपयोग करण्यासाठी नव्हे. जर कधी अशी परिस्थिती उत्पन्न होत असेल तर आम्ही आपल्या मनरूपी घोड्यावर लगाम लावून इंद्रियांना ताब्यात ठेवावे. ही साधनाच आम्हाला प्रगतीकडे घेवून जाईल.



आरोग्यसाठी कडधान्य आवश्यक

- ◆ मोड आलेल्या धान्यामध्ये विटामिन ई भरपूर असते नियमित सेवनाने शरीर ऊर्जा पण राहते. किडनी ग्रंथी आणि तांत्रिक तंत्राची मजबूत करते. पोशिकांची निर्माण करण्यात या धान्याची मदत होते.
- ◆ मोड आलेल्या धान्यामध्ये अँटीऑक्सीडेट, व्हिटमिन, ए, बी, सी आढळून येतो. शरीरातील मेटाबॉलिझम स्तर वाढतो. फॉस्फरस, मॅग्नेशियम झिंक व आयरन मिळते.
- ◆ कडधान्य मोड आणून हलके होतात पचायलाही ही सुलभ होतात कडधान्य सुकवून ठेवता येतात कर्बोदकाचे व क जीवनसत्त्वे मोठ्या प्रमाणात मिळतात.
- ◆ प्रथिने, खनिजे, जीवनसत्त्वे व कर्बोदके एक समृद्ध खजिना, मोड आलेले कडधान्ये या पदार्थांमध्ये व्हिटॅमिन आणि प्रोटीन प्रमाणात शरीराला फिट ठेवतात व हाडेही मजबूत होतात.
- ◆ मोड काढण्यापूर्वी १०० ग्राम कडधान्यांमध्ये क जीवनसत्व २ ते ६ मिलीग्राम असते. मोड काढल्यानंतर २७ ते ५२ मिलिग्रॅम वाढते. धावपळीच्या व धकाधकीच्या जीवनशैलीमुळे सकस आहार घेणे शक्य होत नाही. यामुळे आजारांना निमंत्रण अशक्य नाही..

सुषमा जोगेश्वर बावणे

बी.ए. प्रथम वर्ष

ग्लोबल वार्मिंगचा वाढत चाललेला धोका

■ विशाल निकोडे, बी.ए. द्वितीय वर्ष

ग्लोबल वार्मिंग काय आहे? तसे तर नावातच स्पष्टता आहे, ग्लोबल वार्मिंग भूमीच्या वातावरणाच्या तापमानात सतत होणारी वाढ आहे. आमची भूमी नैसर्गिक रित्या सूर्य किरणांपासून उष्णता प्राप्त करते. ही किरणे वायू मंडळातून जात असतांना भूमीच्या पृष्ठ भागाला स्पर्श करतात आणि तेथून परावर्तन होऊन पुन्हा परत फिरतात. भूमीचे वायुमंडल कित्येक गॅसच्या मिश्रणापासून बनले आहे, त्यात काही ग्रीम हाऊस गॅस देखील सामील आहे. त्यातील अधिकाश भूमीवर एक प्रकारे नैसर्गिक आवरण तयार करते. हे आवरण परतणाऱ्या किरणांच्या एका भागाला थांबवते. आणि अशा प्रकारे भूमीचे वातावरण गरम ठेवते. वस्तुतः मनुष्य, प्राणी आणि रोपे हे जीवंत राहण्यासाठी १६ डिग्री सेल्सियस तापमानाची आवश्यकता आहे. वैज्ञानिकांची अशी मान्यता आहे की, ग्रीन हाऊस गॅसची वाढ झाल्याने हे वातावरण आणखी घट्ट व फुगत जाते. असे असतांना हे आवरण सूर्याच्या अधिक किरणांना थांबवायला लागतात आणि येथूनच सुरु होतात ग्लोबल वार्मिंगचे दुष्प्रभाव.

काय आहे ग्लोबल वार्मिंगचे कारण ?

ग्लोबल वार्मिंगसाठी सर्वात जास्त जबाबदार मनुष्य आणि त्याचे दैनंदिन कामकाज आहे. स्वतःला भूमीवरील सर्वात बुद्धीमान प्राणी समजणारा मनुष्य अजाणपणे अथवा जाणीवपूर्वकच रहिवास नष्ट करण्यासाठी प्रयत्नशील आहे. मनुष्याचे असे चुकीचे कार्यामुळेच कार्बनडाय ऑक्साइड, मिथेन, नॅट्रोजन ऑक्साइड इत्यादी ग्रीन हाऊस गॅसच्या प्रमाणात सतत वाढ होत आहे. यामुळे या गॅसेचे आवरण अधिक घट्ट होत चालले आहे. हे आवरण सूर्याच्या परावर्तित किरणांना थांबून धरीत आहेत. यामुळे भूमीच्या तापमानात वृद्धी होत आहे. वाहने, विमाने, विद्युत निर्माण करणारी यंत्रोद्योग इत्यादी पासून होणारे गॅसीय उत्सर्जन या कारणांनी कार्बनडाय ऑक्साइड मध्ये वाढ होत आहे. जंगलांचा मोठ्या



प्रमाणात होणारा विनाश हे यांचे दुसरे कारण आहे. जंगल कार्बनडाय ऑक्साइड चे प्रमाण नैसर्गिक रित्या कमी करतात, परंतु यांची जास्त प्रमाणात कटाई केल्याने हे नैसर्गिक नियंत्रण सुद्धा हातातून निघून चालले आहे.

याचे एक अन्यकारण सीएफसी आहे. ते रेफ्रीजरेटर, अग्रीशामक यंत्र इत्यादींमध्ये उपयोगात आणले जातात. हे भूमीवर तयार झालेले नैसर्गिक आवरण ओझोनचा थर नष्ट करण्याचे काम करते. ओझोनचा थर सूर्यापासून निघणारे घातक परावर्तित किरण भूमीवर येण्यापासून रोखण्याचे काम करतात. वैज्ञानिक असे सांगतात की, या ओझोनच्या थरात एक मोठे छिद्र पडलेले आहे. ज्यामुळे परावर्तित किरणे सरळ भूमीवर येत आहेत. अशा प्रकारे भूमीला सतत उष्ण करीत आहे. हा वाढत्या तापमानाचा परिणाम आहे की, धुवावर हिवाळ्यात देखील बर्फ वितळायला लागला आहे. विकसित असो अथवा अविकसित देश, प्रत्येक ठिकाणी विजेची आवश्यकता वाढत चालली आहे. वीज निर्मितीसाठी जीवनावश्यक इंधनाचा वापर मोठ्या प्रमाणात करावा लागतो. दगडी कोळसा इंधन म्हणून जाळल्याने कार्बनडाय ऑक्साइड निर्माण होते, जो ग्रीन हाऊस गॅसचे प्रमाण वाढवतो. याचा

Embrace millet, Embrace health.

परिणाम ग्लोबल वार्मिंगच्या रूपाने समोर येतो व वातावरणाचे तापमान वाढते. ग्लोबल वार्मिंगमुळे भूमीचे तापमान वाढेल व त्यामुळे भूमीवर जमा झालेला बर्फ वितळायला लागेल. काही ठिकाणी तर ही प्रक्रीया सुरुही झालेली आहे. ग्लेशियरांच्या बर्फ वितळल्याने समुद्रात पाण्याचे प्रमाण वाढल्याने प्रती वर्षी पाण्याचे प्रमाण वाढतच जाईल. समुद्राची मर्यादा वाढल्याने नैसर्गिक तट तुटत जातील. यामुळे भूमीचा मोठा भाग बूडून जाईल. याप्रमाणे समुद्राकडील प्रदेशात राहणारे अधिकांश लोक बेघर होतील.

मानव स्वास्थ्यावर त्याचा परिणाम:

जलवायू परिवर्तनाचा सर्वात जास्त परिणाम माणसावरच पडेल आणि काही लोकांना आपले प्राणही गमवावे लागतील. तापमान वाढल्याने मलेरिया, डेंगू व यलोफिवर यांसारखे संक्रमित होणारे रोग वाढतील. ही वेळ लवकरच येवू शकते. जेव्हा आमच्यापैकी अधिकांश लोकांना पिण्यासाठी स्वच्छ जल. खाण्यासाठी ताजे भोजन व श्वास घेण्यासाठी शुद्ध हवा सुद्धा मिळणे नशीबी नसेल. पशु-पक्षी व वनस्पती वर ग्लोबल वार्मिंगचा मोठा परिणाम होईल. असे मानले जाते की,

तापमान वाढल्या बरोबरच पशु-पक्षी हळू-हळू उत्तरेला व पहाडी भागाकडे प्रस्थान करतील परंतु या प्रक्रियेत काही आपले अस्तित्व देखील गमवून बसतील.

शहरांवर होणारा परिणाम:

यात कोणतीच शंका नाही की तापमान वाढल्याने ते घालवण्यासाठी थंड चा वापर करतांना लागणाऱ्या उर्जेच्या वापरात कमी होईल परंतु याची पूर्ती एयर कंडिशनिंगमध्ये होईल. घरांना थंड करण्यासाठी मोठ्या प्रमाणात विजेचा वापर करावा लागेल. विजेच्या वापर वाढेल, त्याने देखील ग्लोबल वार्मिंगमध्ये वाढच होईल. याप्रमाणे ग्लेशियरचे वितरणे, जलवायू परिवर्तन, दुष्काळ, पूर, आजारपण, समुद्री वादळ, समुद्राचे जलस्तर वाढणे, कृषीवर दुष्प्रभाव पडणे, जंगलांना लागलेली आग, ऋतुंचे कमी अधिक होणे. धान्याची कमतरता. आरोग्य संकट, जीवनाची गुणवत्ता. वायु प्रदुषण, पिण्याचे पाणी यांवर प्रभाव पडेल. मनुष्याला भूमीवर संयमाने रहायला शिकले पाहिजे.



सकारात्मक विचार

■ शाहील गायकवाड, बी.ए. द्वितीय वर्ष

श्याम हा बहुतेक करून आपल्या शाळेत शांत शांत राहायचा. त्याचे अभ्यासातसुद्धा लक्ष लागत नसे तसेच मित्रांशीसुद्धा तो फार कमी बोलायचा. एके दिवशी गुरुजीने त्याच्या एका मित्राला बोलवून श्याम विषयी माहिती घेतली तेव्हा त्यांना माहित झाले की काही दिवसाआधी त्याच्या वडिलांचा एका शेजाऱ्याशी झगडा झाला व तेव्हापासून त्याच्या वडिलांची मानसिक स्थिती बिघडलेली आहे. गुरुजीने श्यामला जवळ बोलविले. त्याच्याकडून सर्व माहिती घेतली व त्याला योग्य मार्ग दाखविला.

गुरुजी – श्याम ! आजकाल तू कोणत्या विचारात मग्न राहतो. काही समस्या असेल तर मला सांग. मी त्यावर काहितरी समाधान काढण्याचा प्रयत्न करील.

श्याम – (रडत) गुरुजी, मी माझ्या वडिलांची काळजी बघून दुःखी आहे. विचार करतोय की त्या शेजार्याला पिटून काढावे. त्यांना सुद्धा तितकेच अपमानित करावे जितके त्यांनी माझ्या वडिलांना केले आहे..

गुरुजी– नाही श्याम अशा चुकीच्या विचारांना मनातून काढून टाक कारण की असे विचार माणसाला नेहमीच पतनाकडे घेऊन जातात.

श्याम – पण गुरुजी मी तर फक्त विचारच केलेला आहे. मी असे काम करू शकत नाही.

गुरुजी – श्याम तुला हे माहित असायला हवे की व्यक्ती ही आपल्या विचारांनाच कार्यरूपात बदलवित असते. जी व्यक्ती जसा विचार करते तसेच काम करते आणि ती सुद्धा तशीच



Millet : Ancient grains, modern Super foods.

बनून जाते. विचारांच्या घाणे मुळे मनात उत्तेजना, असहिष्णुता, निष्ठुरता यासारख्या राक्षसी प्रवृत्ती उत्पन्न होतात आणि यामुळेच तो नर पिशाच बनून जातो.

श्याम – पण गुरुजी, या विचारांवर आम्ही नियंत्रण कसे ठेवू शकतो. हे तर प्रत्येक क्षणी आमच्या डोक्यात राहतात.

गुरुजी – श्याम ! एक गोष्ट नेहमी लक्षात ठेव की या जगातील कोणतीही भौतिक वस्तू बनण्याआधी ती वैचारिक रूपाने बनत असते. विचारांना संयमित करून मनुष्य आपल्या लौकिक व आंतरिक जगात आनंदाचा अनुभव घेत असतो. म्हणून नकारात्मक विचारांना कधीही आपल्यावर ताबा मिळवू देवू नकोस.

श्याम– नकारात्मक घटना घडतांना सकारात्मकतेवर लक्ष कसे केंद्रित करावे ?

गुरुजी – फार चांगला प्रश्न विचारलास. नकारात्मक विचारांना सकारात्मकते मध्ये बदलण्यासाठी तुला फक्त एकाच 'पण' या शब्दाचा वापर करावा लागेल. कोणत्याही नकारात्मक विचाराला असेच सोडून देवू नये. त्याला 'पण' हा शब्द लावून सकारात्मक करूनच सोडावे. जसे माझे अभ्यासात मन लागत नाही आहे 'पण काही वेळानंतर मी नक्कीच अभ्यास करेल. आणखी जास्त सांगायचे झाल्यास तुझ्या वडिलांची मानसिक स्थिती चांगली नाही आहे 'पण' उपचार केलास तर ते नक्कीच ठीक होतील. म्हणून जेव्हा कधी नकारात्मक अथवा वाईट विचार मनात येत असतील तेव्हा त्याला असेच वाऱ्यावर न सोडता त्याला सकारात्मकतेमध्ये बदलूनच टाकावे. कारण ईश्वराने प्रत्येक समस्येच्या आधी त्याचे समाधान तयार केले आहे. समस्या ही तर नंतर बनली आहे.

श्याम – गुरुजी, याचा अर्थ हाच की आम्हाला जे हवे आहे ते मिळविण्यासाठी आमचे भाव, विचार, वाणी व कार्यात एकरूपता आणायला हवी.

गुरुजी– श्याम वाईट गोष्टीकडे एकाया बहिरया व्यक्तीप्रमाणे दुर्लक्ष करावे आणि प्रत्येक कठीण प्रश्नाचे समाधान

आहे आणि ते माझ्यातच आहे असा भाव मनात आणावा. कोणाच्या अप्रिय बोलण्याला आपल्या चिंतनात जागा देवू नये तसेच अनुपयुक्त गोष्टींना बघून स्वतःच्या विचारांना सुद्धा डगमगू देवू नये. कारण विचारांचा असंयम हाच इंद्रियाद्वारे जन्मणाऱ्या असंयमाला जन्म देतो.

श्याम - पण विचार करण्यात तर प्रत्येक व्यक्ती स्वतंत्र आहे.

गुरुजी - विचारांच्या स्वातंत्र्याला आम्ही असंयमी होऊ देवू नये. बहुधा असेच घडते की चुकीच्या विचारांनी आमच्या मानसिक शक्ती विखुरल्या जातात आणि मनुष्य आपल्या आकांक्षेला पूर्ण करण्यासाठी जीवनाला सहजपणे नष्ट करून

टाकतो. प्रत्येक माणसात मानसिक शक्तीचा विकास करण्याचे अफाट सामर्थ्य दडलेले असते. परंतु त्या विकसित तेव्हाच होतात जेव्हा त्याचा उपयोग करणे आम्हाला जमते.

श्याम - गुरुजी ! तुम्ही माझे डोळे उघडलेत. आता या विचारांना मी माझ्या वडिलांना सुद्धा सांगेल की जर आम्ही बाह्य परिस्थितीकडे दुर्लक्ष करून आपल्या विचारांना योग्य दिशा दिली तर एका सुखद भविष्याची निर्मिती आम्ही करू शकतो. म्हणतात ना की अपयशाचा अर्थ आहे, यशप्राप्तीसाठी करण्यात आलेला प्रयत्न पूर्ण मनाने झाला नाही. म्हणून आम्ही नकारात्मकतेला सोडावे आणि सकारात्मकतेला स्वीकारावे.



International Millet Day: Rediscovering the magic a Nutritious Grains.

योगासन आणि योग मुद्रा

■ नेहा बोंबले, बी.एस. द्वितीय वर्ष

मुद्रा :

योगासनाचा प्रभाव सरळ सरळ आपल्या मर्म स्थळांवर पडतो. मुख्य नस नाड्या आणि मांस पेशिच्या व्यतिरिक्त सुक्ष्म कोषिकांमध्येही योगासनामुळे आकुंचन-प्रसरण होते, ज्यामुळे तेथे घर करून बसलेल्या विकारांचा नाश होतो आणि अशी सफाई नियमित होत राहिल्याने नविन विकारांना थारा मिळत नाही. शरिरातील मर्म स्थळांची शुद्धी, स्थिरता आणि परिपूर्णता यासाठी योगासन सर्वोत्तम उपचार असल्याचे सांगितले जाते.

उत्कटासन:

(खुर्चीवर बसले असल्यासारखी स्थिती)

सरळ उभे रहावे. दोन्ही पाय, दोन्ही गुडघे पायाचे पंजे आणि टाचा एक दुसऱ्या सोबत जुडलेले असावेत. दोन्ही हात कमरेवर ठेवावे पोट आतल्या बाजूस (पाठीकडे) ओढा. गुडघ्यात हळू-हळू वाकून हात समोरच्या 'बाजूस सरळ ठेवून पाठीत न वाकता कमरेचा वरचा भाग सरळ ठेवावा. जसे खुर्चीवर बसण्यासारखी शरीर स्थिती निर्माण होईल. अशा स्थितीत स्थिर व्हावे.



अशा स्थितीचा सराव झाल्यावर याच स्थितीत पायाच्या टाचा उंचावून पायाच्या पंज्यावर शरीर तोलावे. अशा स्थितीच्या सरावानंतर गुडघे एकमेकांपासून दूर करावे. असे करतांना दोन्ही पायांची बोटे जमिनीला टेकून गुडघ्याच्या सरळ रेषेच्या बाहेर असावीत.

मयुरासन:

गुडघ्यांच्या आधारावर (गुडघे टेकून) आसनावर बसावे.

नंतर दोन्ही हात सोईचं अंतर ठेवून टेकवावे. हाताचे पंजे आतिल म्हणजे गुडघ्यांच्या दिशेने टेकवावे. दोन्ही हात मागे नेत जाऊन हाताचे कोपर नाभीच्या दोन्ही बाजूस टेकवावे. छाती आणि डोके पूढील

बाजूस दाबत दाबत मागे दोन्ही पाय जमिनी पासून वर उचलण्याचा प्रयत्न



करावा. पाय पूर्णपणे वर उचल्यावर छाती, डोके आणि पाय जमिनीशी समांतर करावे.असे करतांना संपूर्ण शरीर दोन्ही हाताच्या कोपरावर तराजू सारखे तोलावे.

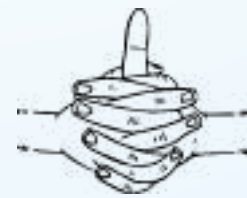
पश्चिमोत्तासन:

बसलेल्या स्थितीत पाय लांबवावे. दोन्ही पाय आणि पायाचे पंजे एकमेकांशी जुळले असावेत. पायांचा जमिनीकडील भाग जमिनीस टेकलेला असावे. तदनंतर कमरेत वाकून दोन्ही पायाचे अंगठे हाताच्या बोटांनी धरावे. जमिनीचा पायांशी सतत स्पर्श ठेवून डोके दोन्ही गुडघ्यांच्या मध्ये टेकवावे असे करतांना हाताचे कोपर जमिनीस टेकल्यास अधिक उत्तम. असे करतांना गुडघे वाकवू नये.



१) ध्यान मुद्रा:-

हाताचे तर्जनी बोट आणि अंगठा याचे बरेच टोक यांचे हलके स्पर्श करून जोडावे. **फायदे:-** हया मुद्रेच्या सरावाने बुद्धी (मेंदू) तल्लख होवून मनाची एकाग्रता आणि स्मरण शक्ती वाढते. निद्रा संतुलित होते तसेच मानसिक तणाव सुध्दा दूर होतो.



२) लिंग मुद्रा:-

दोन्ही हाताची बोटे एकमेकांत फसवून एका हाताचा अंगठा सरळा उभा ठेवावा या अवस्थेला लिंग म्हणतात.

फायदे : ही मुद्रा हिवाळ्यातच करा. या मुद्रेच्या सरावाने जुने सर्दी खोकला तथा दमा यांचावर नियंत्रण ठेवता येते. सर्दीमुळे होणा-या तापावर ही मुद्रा अत्यंत गुणकारी आहे.



Milletts: Small Grains, Big input.

ORGANIC FOOD

PG-7

Organic Farming

Meaning of organic farming.

System of farming which uses organic inputs like Green manure, Compost, etc. For Cultivation.

Need of Organic Farming

- a) Excessive use of chemical fertilizers reduces fertility of soil.
- b) Excessive use of chemicals has led to soil, water & air pollution.
- c) To conserve Ecosystem.
- d) Promote Sustainable development.

Organic Farming

Manure

Green Manures

Vermi Compost

Animal Husbandry

Biofertilizers

Crop Rotation

Principles

Health

Ecology

Care

Fairness

Sources of Organic Foods

Apples

Bananas

Tomatoes

Spinach

Eggs

Green Leaves

Cucumbers

Meat

Grapes

Potatoes

Strawberries

Sweet Bell Peppers

Oranges

Turkeys

ADVANTAGES :->

- No Residue of added chemicals
- Enhance Soil fertility
- Rich in Nutrition
- Leaves Residue of food borne disease
- Improve Agricultural health

Nourish your body with Organic food

Manure: Cow, Hare, Snake, Insect, Guano, etc.

Integration of animals into the farming system

हिन्दी विभाग



प्रा. डॉ. शैलेन्द्रकुमार शुक्ल
हिन्दी विभाग

क्यों न गुरु को करें

आओ गुरु को करें हम नमन ।
क्यों न गुरु को करें हम नमन ॥
मुक्ति का द्वार है जिनकी पावन शरण-
दृष्टि जिनकी करे पातकों का शमन ॥

कौन गुरु से बड़ी शक्ति है विश्व में,
कौन गुरु से बड़ी भक्ति है विश्व में ।
विष्णु, शिव और ब्रह्मादि सबसे बड़ी,
कौन-सी और अभिव्यक्ति है विश्व में ॥
इन सभी से बड़े गुरु चरण ॥

वे ही भवसिन्धु की दिव्य पतवार हैं,
करते भवसिन्धु से वे ही उद्धार हैं।
प्राण का बिन्दु उनको समर्पित किया,
वे ही लहरा उठे प्राण के बिन्दु में ॥
बस वही तो हैं करुणा करन ॥

सूर्य बनकर हृदय का सघन तम हरें,
चन्द्र बनकर हृदय शान्ति से वे भरें ।
टूट जाये मनोबल हमारा जहाँ,
वे वहीं प्यार से हाथ सिर पर धरें ॥
और है कौन विपदा हरन ॥

मु० - गुरु को हम सब नमन करें,
गुरुवर की शक्ति अपार हैं।
गुरु करुणा के सिन्धु कृपा का,
ही अतुलित भण्डार हैं ॥
कुछ भी नहीं असम्भव उसको,
जिसने गुरु की शरण गही ।
गुरु को किया समर्पण,
जिनने उनका बेड़ा पार है ॥

मिलेट्स खाए और रोगों को दूर भगाएं

सरिता रा. कालूला, बी. ए., प्रथम वर्ष

मिलेट्स खाने के फायदे

यह इम्यूनिटी बूस्टर का काम करता है। मिलेट्स में कैल्शियम, आयरन, जिंक, फाइबर, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन बी 6 मौजूद होते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार एसिडिटी की समस्या में मिलेट्स फायदेमंद साबित होता है। इसमें विटामिन बी 3 होता है जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को बैलेंस रखना है। और कैंसर जैसे रोग आने से रोकता है। मिलेट्स शरीर में स्थित अम्लता यानी एसिड दूर करता है। एसिडिटी के कई नुकसान होते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। कोरोना के बाद मोटे अनाज इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। इन्हें सुपर फूड कहा जाने लगा है। अस्थमा रोग में लाभदायक है मिलेट। बाजरा खाने से श्वास से संबंधित सभी रोग दूर होते हैं। अंत में यहां कहना चाहूंगी मिलेट्स खाओ और स्वस्थ हो जाओ।



Millets: Nature's lift for a Balanced Diet.



वैश्विक उष्णता

कुंकुम आर. तिवारी, बी.ए. तृतीय वर्ष

ग्रीन हाउस प्रभाव एक विश्व व्यापी पर्यावरण समस्या है। इसके प्रभाव के कारण अब तक वायुमण्डल में लगभग ३६ लाख टन से, की वृद्धि हो चुकी है और वायु मण्डलीय ज, में २४ लाख टन की कमी आ चुकी है। से, की मात्रा में वृद्धि के कारण पृथ्वी के औसत तापमान में १ओउ की वृद्धि हो चुकी है। वातावरण में से, की अधिक सांद्रता पृथ्वी से परावर्तित ऊष्मा को वायुमण्डल में जाने से रोकती है, इसी कारण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होने लगती है इसे वैश्विक ऊष्णता कहते हैं।

वैश्विक ऊष्णता के कारण –

१. ग्रीन हाउस गैसों के स्तर में वृद्धि होना – जिस कारण पृथ्वी की सतह का तापमान लगातार बढ़ रहा है।
२. जीवाश्म ईंधनों का प्रयोग – वनों का कटना तथा भूमि के प्रयोग में परिवर्तन के कारण ग्रीन हाउस गैसों, जैसे – कार्बन, मेथेन, नाइट्रस आक्साइड स्तर में वृद्धि होना।

वैश्विक ऊष्णता नियंत्रित करने के उपाय –

१. वनों का कटान रोककर तथा अधिक संख्या में वृक्षारोपण करके वैश्विक ऊष्णता के प्रभाव को नियंत्रित किया जा सकता है।
२. जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को कम करके।
३. मानव जनसंख्या को नियंत्रित करके वैश्विक ऊष्णता के प्रभाव को कम किया जा सकता है।



स्वस्थ जीवन के लिए बाजरा

सालगम सो. गुप्ता, बी.ए. प्रथम वर्ष

बाजरा यह बहुत पौष्टिक आहार है। इसकी रोटी खाने से बीमार लोग भी ठीक हो जाते हैं। बाजरा पेट के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। बाजरे में सोडियम, प्रोटीन, फाइबर काब्रोहाइड्रिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। पाचन तंत्र को मजबूत करता है। पेट दर्द जैसी बीमारियों को दूर करता है। गैस जैसी दिक्कतों को भी दूर करता है। बाजरे में मौजूद आयरन खून की कमी को भी दूर करता है। बच्चों के दिमाग के लिए हेल्दी होता है। उसके खराब पोषण को अच्छा करता है। अगर शरीर में खून की कमी होती है तो रोज बाजरे की एक रोटी खाए। मक्का ज्वार और अन्य मोटे अनाज का उत्पादन भारत के कुल खाद्य उत्पादन का एक चौथाई है तथा यह देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देता है।

पहले लोग ज्यादा से ज्यादा ज्वार बाजरे की रोटी खाया करते थे इसीलिए पहले के लोगों को ज्यादा बीमारी भी नहीं होती थी। स्वस्थ जीवन के लिए एक स्वस्थ आहार योजना का पालन करना बेहद महत्वपूर्ण है। बाजरे की खेती बहुत सालों से चली आ रही है। कर्नाटक के हल्लूर में हुई खुदाई के दौरान इसकी खेती के सबूत मिले हैं। इतिहासकारों के अनुसार १५०० इसा पूर्व के आसपास भारत में बाजरे की खेती शुरू की गई होगी। बाजरा की खेती करने में ज्यादा परेशानी नहीं होती, बाजरे की खेती आसानी से होती है।

1. बाजरे की सबसे ज्यादा खेती भारत में होती है।
2. बाजरे की रोटी खाने पर जो ब्लड शुगर वाले पेशेंट होते हैं उनके लिए फायदेमंद है।
3. बाजरे में काफी पोषण होता है जो हृदय को स्वस्थ रखता है।
4. कोरोनारी ब्लॉकज को भी घटाता है।

5. पाचन तंत्र को भी मजबूत करता है।
6. भारत बाजार का सबसे बड़ा उत्पादक है।
7. इसे जानवरों को बाजरे का चारा भी दिया जाता है।
8. बाजरा की रोटी बनाकर खाने वाले के पेट को ठंडा रखता है।
9. कम बारिश वाले जगह पर भी यह उगाया जाता है।
10. बाजरा कई बीमारियों से भी दूर रखता है।
11. बाजरा भारत समेत कई एशियाई और अफ्रीका देश में काफी इस्तेमाल किया जाता है।

भारत में प्रमुख बाजरा उत्पादक राज्य राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड में ज्यादा से ज्यादा बाजरा उगाई जाती है।

बाजरे से कई चीजे बनती है जैसे पापड़, रोटी, दाल चारा और कई चीज सबसे लोकप्रिय भारतीय बाजरापर्ल बाजार है। जिसे हिंदी में बाजार कहा जाता है। और भारत में दूसरा सबसे व्यापक रूप से उगाया जाने वाला बाजार फॉक्सटेल बाजार है। जिसे हिंदी में कांगनी या काकुम कहा जाता है। अन्य लोकप्रिय बाजरा है ज्वार जिसे ज्वार कहा जाता है और किरंग बाजरा जिसे हिंदी में रागी या नाचनी कहा जाता है।

बाजरा के लिए हलकी या दोमट बलुई मिट्टी उपयुक्त होती है। बाजरे की खेती में ज्यादा पानी नहीं लगता क्योंकि यह कम से कम पानी में भी उगता है और लाभदाई होता है।

बाजरा पौष्टिक आहार है जिससे मानव जीवन को आहार मिलता है वह अपनी भूख मिटाता है।

ज्वार भी एक पौष्टिक आहार है, बाजरे की खेती किसान हर परिस्थिति में भी कर सकता है। क्योंकि इसे ज्यादा पानी नहीं लगता और आसानी से उपजाऊ होता है। पहले के लोग ज्यादा से ज्यादा बाजरे की रोटी खाते थे और पालतू गाय, भैंसे, बकरी, भेड़ को भी बाजरे का आहार देते थे। इस पेट में जल्दी गैस भी नहीं होता है। और अपनी स्वास्थ्य की सेवा हमें खुद करनी है। इसीलिए बाजरा खाना चाहिए, इसे खाने से जल्दी कोई बीमारी भी नहीं होती है और स्वस्थ रहते हैं। बाजार बहुत पौष्टिक आहार है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों है?

पुनम एस. यादव, बी. ए. तृतीय वर्ष

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक संरक्षण के मामले में भारत की निरंतर प्रगति और वैश्विक मंच पर नेतृत्व की कुंजी है।

इसी बात को ध्यान में रखकर, भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020), जिसे 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा शुरू किया गया, भारत की नई शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। यह नीति ग्रामीण और शहरी दोनों में प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक के लिए एक व्यापक रूपरेखा है। यह नई नीति पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 का स्थान लेती है जिसका लक्ष्य 2030 तक वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार कर भारत की शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता को बढ़ावा देना है।

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के स्तंभों पर आधारित है। इस नीति का उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करना है जो सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके और भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में विकसित करके देश के परिवर्तन में सीधे योगदान दे।

नई शिक्षा नीति में तय किया गया है कि राज्य नई शिक्षा नीति में जरूरत के हिसाब से बदलाव कर सकते हैं।

नई शिक्षा नीति की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय अब एजुकेशन मिनिस्ट्री के नाम से जाना जाएगा।

- नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5+3+3+4 पैटर्न फॉलो किया जाएगा, इसमें 12 साल की स्कूल शिक्षा होगी और 3 साल की फ्री स्कूल शिक्षा होगी।
- नई शिक्षा नीति के तहत स्कूल में 5 वीं तक शिक्षा मातृभाषा या फिर क्षेत्रीय भाषा में दी जाएगी।
- छठी कक्षा से बिजनेस इंटरनशिप स्टार्ट कर दी जाएगी।
- नई शिक्षा नीति आने के बाद छात्र कोई भी सब्जेक्ट चुन सकते हैं और फिजिक्स के साथ अकाउंट या फिर आर्ट्स का भी सब्जेक्ट पढ़ सकते हैं।
- छात्रों को छठी कक्षा से कोडिंग सिखाना भी शामिल है।
- सभी स्कूल डिजिटल इक्रीटी किए जाएंगे।
- वर्चुअल लैब डेवलप की जाएंगी।
- ग्रेजुएशन में 3 या 4 साल लगता है, जिसमें एग्जिट ऑप्शन होंगे। यदि स्टूडेंट्स ने एक साल ग्रेजुएशन की पढ़ाई की है तो उसे सर्टिफिकेट मिलेगा और 2 साल बाद एडवांस डिप्लोमा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आवश्यकता :-

ज्ञात हो कि 2020 में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने तक, भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई खामियां थीं। इसमें अवधारणाओं को समझने की तुलना में याद रखने को अधिक प्राथमिकता दी गई थी। साथ ही, कई बोर्डों की मौजूदगी भी एक बड़ा मुद्दा था। प्रत्येक बोर्ड में अलग-अलग कौशल के लिए अलग-अलग सीखने की विधियाँ थीं, और फिर प्रत्येक छात्र को एक ही मान्य बोर्ड की परीक्षा देनी होती थी। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में, पारंपरिक विषयों को सीखने पर अधिक जोर दिया गया था और व्यावसायिक कौशल विकसित करने पर कम। नई शिक्षा नीति में भारतीय शिक्षा प्रणाली की सभी कमियों और सीमाओं का ध्यान रखा गया है। इसके अलावा, नीति का उद्देश्य व्यावसायिक और औपचारिक शिक्षा के बीच अंतर को पाटना है।

नई शिक्षा नीति 2020 की प्रगति की निगरानी पांच विषयों के माध्यम से की जाएगी, अर्थात: शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, उद्योग-संस्थान सहयोग, शैक्षणिक अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीयकरण, और भारतीय ज्ञान प्रणाली। बता दें कि कर्नाटक 2021 में नई शिक्षा नीति, 2020 लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। वहीं, महाराष्ट्र में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में 1,400 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने की योजना है।



भारत में सूचना प्रौद्योगिकी

आदित्य एस. उपरे, बी. कॉम. द्वितीय वर्ष

भाषा, अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। भाषा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। संप्रेषण के द्वारा ही मनुष्य सूचनाओं का आदान प्रदान एवं उसे संग्रहित करता है। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक अथवा राजनीतिक कारणों से विभिन्न मानवी समूहों का आपस में संपर्क बन जाता है। गत शताब्दी में सूचना और संपर्क के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति हुई है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के फलस्वरूप विश्व का अधिकांश भाग जुड़ गया है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति ने ज्ञान के द्वार खोल दिये हैं। बुद्धि एवं भाषा के मिलाप से सूचना प्रौद्योगिकी के सहारे आर्थिक संपन्नता की ओर भारत अग्रसर हो रहा है। इंटरनेट द्वारा डाक भेजना, इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य, संभव हुआ है। ऑनलाइन सरकारी कामकाज विषयक ई-प्रशासन, ई-बैंकिंग द्वारा बैंक व्यवहार ऑनलाइन, शिक्षासामग्री के लिए ई-एज्युकेशन आदि माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी का विकास हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के बहुआयामी उपयोग के कारण विकास के नये द्वार खुल रहे हैं।

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तेजी से विकसित

हो रहा है। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगों का अनुसंधान करके विकास की गति को बढ़ाया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी में सूचना, आँकड़े (डेटा) तथा ज्ञान का आदान प्रदान मनुष्य जीवन के हर क्षेत्र में फैल गया है। हमारी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक तथा अन्य बहुत से क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी का विकास दिखाई पड़ता है। इलेक्ट्रॉनिक तथा डिजीटल उपकरणों की सहायता से इस क्षेत्र में निरंतर प्रयोग हो रहे हैं। आर्थिक उदारतावाद के इस दौर के वैश्विक ग्राम (ग्लोबल विलेज) की संकल्पना संचार प्रौद्योगिकी के कारण सफल हुई है। इस नये युग में ई-कॉमर्स, ई-मेडीसिन, ई-एज्युकेशन, ई-गवर्नंस, ई-बैंकिंग, ई-शॉपिंग आदि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का विकास हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी आज शक्ति एवं विकास का प्रतीक बनी है। कंप्यूटर युग के संचार साधनों में सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन से हम सूचना समाज में प्रवेश कर रहे हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के इस अधिकतम देन के ज्ञान एवं इनका सार्थक उपयोग करते हुए, उनसे लाभान्वित होने की सभी को आवश्यकता है।



Celebrate millets: wholesome, Delicious and Good the Earth.

दरोगा ऐसा होना चाहिए

गुंजा एस. मिश्रा, बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

किसी गांव में एक गरीब किसान था उसके खेत में बिना बोये लौकी का पौधा उग आया। बड़ा हुआ तो उसमें तीन लौकियाँ लगीं। उसने सोचा, उन्हें बाजार में बेचकर घर के लिए कुछ सामान ले आएगा। अतः वो तीन लौकियाँ लेकर गाँव के बाजार में गया और बेचने के यत्न से एक किनारे बैठ गया।

गांव के प्रधान आये, पूछा, लौकी कितने की है ?

मालिक, दस रुपये की। उसने दीनता से कहा। लौकी बड़ी थी। प्रधान ने एक लौकी उठायी और ये कहकर चलता बना, बाद में ले लेना।

इसी प्रकार थाने का मुंशी आया और दूसरी लौकी लेकर चलता बना। किसान बेचारा पछता कर रह गया। अब एक लौकी बची थी। वो दुआ कर रहा था कि ये तो बिक जाये, ताकि कुछ और नहीं तो बच्चों के लिए पतासे और लइया ही लेता जायेगा। तभी उधर से दरोगा साहब गुजरे। नज़र इकलौती लौकी पर पड़ी देखकर कडककर पूछा, कितने की दी ?

किसान डर गया। अब यह लौकी भी गई। सहमकर बोला, मालिक, दो तो चली गयीं, इसको आप ले जाओ।

क्या मतलब ? दरोगा ने पूछा, साफ़ –साफ़ बताओ ? किसान पहले घबराया, फिर डरते – डरते सारा वाक्या बयान कर दिया। दरोगा जी हँसे। वो किसान को लेकर प्रधान के घर पहुंचे। प्रधान जी मूछों पर ताव देते हुए बैठे थे और पास में उनकी पत्नी बैठी लौकी छील रही थी। दरोगा ने पूछा, ' लौकी कहाँ से लाये ?

प्रधान जी चारपाई से उठकर खड़े हो गए, बाजार से खरीदकर लाया हूँ। कितने की ?

प्रधान चुप। नज़र किसान की तरफ उठ गयी। दरोगा जी समझ गए। आदेश दिया, चुपचाप किसान को एक हजार रुपये दो, वर्ना चोरी के इलज़ाम में बंद कर दूंगा। काफी हील-हुज़त हुई पर दरोगा जी अपनी बात पर अड़े रहे और किसान को एक हजार रुपये दिलाकर ही माने। फिर किसान को लेकर थाने

पहुंचे। सभी सिपाहियों और हवलदारों को किसान के सामने खड़ा कर दिया। पूछा, इनमे से कौन है ? किसान ने एक हवलदार की तरफ डरते-डरते ऊँगली उठा दी। दरोगा गरजा, शर्म नहीं आती ? वर्दी की इज़्जत नीलाम करते हो। सरकार तुम्हे तनख्वाह देती है, बेचारा किसान कहाँ से लेकर आएगा। चलो, चुपचाप किसान को एक हजार रुपये निकलकर दो। हवलदार को जब ढीली करनी पड़ी।

अब तक किसान बहुत डर गया था। सोच रहा था, दरोगा जी अब ये सारा रुपया उससे छीन लेंगे। वह जाने के लिए खड़ा हुआ। तभी दरोगा ने हुड़का, जाता कहाँ है ? अभी तीसरी लौकी की कीमत कहाँ मिली ? उन्होंने जब से पर्स निकाला और एक हजार रुपये उसमें से पकड़ते हुए बोले, अब जा, और आईन्दा से तेरे साथ कोई नाइंसाफी करे तो मेरे पास चले आना। किसान दरोगा को लाख दुआएं देता हुआ घर लौट आया, लेकिन सोचता रहा, ये किस ज़माने का दरोगा है। अगर ऐसा सच मे होने लगे तो क्या बात है !



मेरा बचपन

श्रुती भोयर, बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

मेरा बचपन मुस्कुराया

उसने दी फिर मधुर आवाज

जब खेला करते थे दिन-रात

कभी आंख मिचौली खेल तो

कभी गेंद आसमान में देते थे उछाल ।

कभी खो-खो कबड्डी में करते थे कमाल

तो कभी चोर सिपाही बन खुद का मन बहलाया

कैरम में खो जाते थे रानी को घर लाते थे,

और न जाने कितने खेलों में रम जाते थे,

माता-पिता के संग बैठ कर तारों से बतियाते थे ।

गणित के सारे अंक तारों में नजर आते थे,

चंदा मामा दूर के मधुर गीत वो गाते थे,

भाई-बहन के संग मिल सपनों में खो जाते थे।

बीत गए वो दिन सारे लिए रूप अतीत का

पर अब भी खड़ा वहां पर मेरा

बचपन आवाज दे रहा ।

लड्डू गोपाल की मर्जी

संतोष व्ही. गुप्ता, .बी.ए. तृतीय वर्ष

कमल किशोर सोने और हीरे के जवाहरात बनाने और बेचने का काम करता था।

उसकी दुकान से बने हुए गहने दूर-दूर तक मशहूर थे। लोग दूसरे शहर से भी कमल किशोर की दुकान से गहने लेने और बनवाने आते थे। चाहे हाथों के कंगन हो, चाहे गले का हार हो, चाहे कानों के कुंडल हो उसमें हीरे और सोने की बहुत सुंदर मीनाकारी होती कि सब देखने वाले देखते ही रह जाते।

इतना बड़ा कारोबार होने के बावजूद भी कमल किशोर बहुत ही शांत और सरल स्वभाव वाला व्यक्ति था। उसको इस माया का इतना रंग नहीं चढ़ा हुआ था। इकट्ठा एक दिन उसका कोई मित्र उसकी दुकान पर आया जो कि अपने पत्नी सहित वृंदावन धाम से होकर वापस आ रहा था तो उस मित्र ने सोचा कि चलो थोड़ा सा प्रसाद अपने मित्र कमल किशोर को भी देता चलूं।

उसकी दुकान पर जब वह पहुंचा तब कमल किशोर का एक कारीगर एक सोने और हीरे जड़ित बहुत सुंदर हार बना कर कमल किशोर को देने के लिए आया था। इकट्ठा कमल किशोर उस हार को देख ही रहा था कि उसका मित्र उसकी दुकान पर पहुंचा। कमल किशोर का मित्र अपने साथ वृंदावन से एक बहुत सुंदर लड्डू गोपाल जिसका स्वरूप अत्यंत मनमोहक था साथ लेकर आया था।

जब उसका मित्र दुकान पर बैठा तो उसकी गोद में लड्डू गोपाल जी विराजमान थे। कमल किशोर लड्डू गोपाल जी के मनमोहक रूप सौंदर्य को देखकर अत्यंत आनंदित हुआ। उसने अपने हाथ में पकड़ा हुआ हार उस लड्डू गोपाल के गले में पहना दिया और अपने मित्र को कहने लगा कि देखो तो सही इस हार की शोभा लड्डू गोपाल के गले में पढ़ने से कितनी बढ़ गई है।

उसका मित्र और कमल किशोर आपस में बातें करने लगे बातों बातों में ही उसका मित्र लड्डू गोपाल को हार सहित लेकर

चला गया। दोनों को ही पता ना चला कि हार लड्डू गोपाल के गले में ही पड़ा रह गया है।

कमल किशोर का मित्र अपनी पत्नी सहित एक टैक्सी में सवार होकर अपने घर को रवाना हो गया। जब वह टैक्सी से उतरे तो भूलवश लड्डू गोपाल जी उसी टैक्सी में रह गए।

टैक्सी वाला एक गरीब आदमी था जिसका नाम बाबू था जो कि दूसरे शहर से यहां अपने परिवार का पालन पोषण करने के लिए टैक्सी चलाता था और वह टैक्सी लेकर काफी आगे निकल चुका था। आज उसको अपने घर वापस जाना था जो कि दूसरे शहर में था। जब टैक्सी लेकर बाबू अपने घर पहुंचा तो उसने जब अपनी टैक्सी की पिछली सीट पर देखा तो उसका ध्यान लड्डू गोपाल जी पर पड़ा जो के बड़े शाही तरीके से पिछली सीट पर गले में हार धारण करके सुंदर सी पोशाक पहनकर हाथ में बांसुरी पकड़े हुए पसर कर बैठे हुए हैं।

बाबू यह देखकर एकदम से घबरा गया कि यह लड्डू गोपाल जी किसके हैं, लेकिन अब वह दूसरे शहर से अपने शहर जा चुका था जो कि काफी दूर था और वह सवारी का घर भी नहीं जानता था तो वह दुविधा में पड़ गया कि वह क्या करें लेकिन फिर उसने बड़ी श्रद्धा से हाथ धो कर लड्डू गोपाल जी को उठाया और अपने घर के अंदर ले गया जैसे ही उसने घर के अंदर प्रवेश किया उसकी पत्नी ने उसके हाथ में पकड़े लड्डू गोपाल जी को जब देखा तो इतनी सुंदर स्वरूप वाले लड्डू गोपाल जी को देखकर उसकी पत्नी ने झट से लड्डू गोपाल जी को अपने पति के हाथों से ले लिया।

उसकी पत्नी जिसकी ८ साल शादी को हो चुके थे उसके अभी तक कोई संतान नहीं थी। लेकिन गोपाल जी को हाथ में लेते ही उसका वात्सल्य भाव जाग उठा उसकी ममतामई और करुणामई आंखें झर झर बहने लगी। ममता वश और वात्सल्य भाव के कारण ठाकुर जी को गोद में उठाते ही उसको ऐसे लगा उसने किसी अपने ही बच्चे को गोद में उठाया है उसके स्तनों से अपने आप दूध निकलने लगा।

अपनी ऐसी दशा देखकर बाबू की पत्नी मालती बहुत हैरान हुए उसने कसकर गोपाल जी को अपने सीने से लगा लिया और आंखों में आंसू बहाती बोलने लगी अरे बाबू तुम नहीं जानते कि आज तुम मेरे लिए कितना अमूल्य रत्न लेकर आए हो। इकट्ठा बाबू कुछ समझ नहीं पा रहा था कि मेरी पत्नी को

अचानक से क्या हो गया है लेकिन उसकी पत्नी तो जैसे बांवरी सी हो गई थी वह गोपाल जी को जल्दी-जल्दी अंदर ले गई और उससे बातें करने लगी।

अरे लाला.... इतनी दूर से आए हो तुम्हें भूख लगी होगी और उसने जल्दी जल्दी मधु और घी से बनी चूरी बनाकर और दूध गर्म करके ठाकुर जी को भोग लगाया।

उधर कमल किशोर ने जब अपनी दुकान पर हार को ना देखा तो उसको याद आया कि हार तो ठाकुर जी के गले में ही रह गया है तो उसने अपने मित्र को संदेशा भेजा तो मित्र ने आगे से जवाब दिया। अरे मित्र! वह माखन चोर और चित् चोर; हार सहित खुद ही चोरी हो गया है। मैं तो खुद इतना परेशान हूं।

कमल किशोर अब थोड़ा सा परेशान हो गया कि ईतना कीमती हार ना जाने कहां चला गया। मुझे तो लाखों का नुकसान हो गया लेकिन फिर भी अपने सरल स्वभाव के कारण उसने अपने मित्र को कुछ नहीं कहा और उसने अपने मन में सोचा कि कोई बात नहीं मेरा हार तो ठाकुर जी के ही अंग लगा है अगर मेरी भावना सच्ची है तो ठाकुर जी उसको पहने रखें। झंझुउधर बाबू और उसकी पत्नी मालती दिन-रात ठाकुर जी की सेवा करते अब तो मालती और बाबू को लड्डू गोपाल जी अपने बेटे जैसे ही लगने लगे।

लड्डू गोपाल जी की कृपा से अब मालती के घर एक बहुत ही सुंदर बेटा ने जन्म लिया। इन सब बातों का श्रेय वह लड्डू गोपाल जी को देते कि यह हमारा बेटा है और अब हमारी बेटा हुई है अब हमारा परिवार पूरा हो गया।

मालती लड्डू गोपाल जी को इतना स्नेह करती थी कि रात को उठ उठ कर देखने जाती थी कि लड्डू गोपाल जी को कोई कष्ट तो नहीं है।

ऐसे ही एक दिन कमल किशोर व्यापार के सिलसिले में दूसरे शहर आना पड़ा, जहां पर बाबू रहता था।

लेकिन दुर्भाग्यवश जब वो उस शहर में पहुंचा तो अचानक से इतनी बारिश शुरू हो गई कि कमल किशोर को जहां पहुंचना था वहां पहुंच ना सका।

और तब वहां बाबू अपनी टैक्सी लेकर आ गया और उसने परेशान कमल किशोर को पूछा बाबूजी आप यहां क्यों खड़े हो बारिश तो रुकने वाली नहीं और सारे शहर में पानी भरा हुआ है। आप अपनी मंजिल तक ना पहुंच पाओगे और ना ही

कहीं और रुक पाओगे मेरा घर पास ही है अगर आप चाहो तो मेरे घर आ सकते हो।

कमल किशोर जिसके पास सोने और हीरे के काफी गहने थे वह अनजान टैक्सी वाले के साथ जाने के लिए थोड़ा सा घबरा रहा था। लेकिन उसके पास और कोई चारा भी नहीं था और वह बाबू के घर उसके साथ टैक्सी में बैठ कर चला गया।

घर पहुंचते ही बाबू ने मालती को आवाज दी कि आज हमारे घर मेहमान आए हैं उनके लिए खाना बनाओ।

कमल किशोर ने देखा कि बाबू का घर एक बहुत छोटा सा लेकिन व्यवस्थित ढंग से सजा हुआ है। घर में अजीब तरह के इत्र की खुशबू आ रही है जो कि उसके हृदय को आनंदित कर रही थी।

जब मालती ने उनको भोजन परोसा तो कमल किशोर को उसमें अमृत जैसा स्वाद आया। झंझु उसका ध्यान बार-बार उस दिशा की तरफ जा रहा था, जहां पर ठाकुर जी विराजमान थे वहां से उसको एक अजीब तरह का प्रकाश नजर आ रहा था तो हार कर कमल किशोर ने बाबू को पूछा कि अगर आपको कोई एतराज ना हो तो क्या आप बता सकते हो कि उस दिशा में क्या रखा है? मेरा ध्यान उसकी तरफ आकर्षित हो रहा है।

तो बाबू और मालती ने एक दूसरे की तरफ मुस्कराते हुए कहा कि वहां पर तो हमारे घर के सबसे अहम सदस्य लड्डू गोपाल जी विराजमान है। तो कमल किशोर ने कहा क्या मैं उनके दर्शन कर सकता हूं। तो मालती उनको उस कोने में ले गई जहां पर लड्डू गोपाल जी विराजमान थे।

कमल किशोर लड्डू गोपाल जी को और उनके गले में पड़े हार को देखकर एकदम से हैरान हो गया यह तो वही लड्डू गोपाल है और यह वही हार है, जो मैंने अपने मित्र के लड्डू गोपाल जी को डाला था।

कमल किशोर ने बड़ी विनम्रता से पूछा कि यह गोपाल जी तुम कहां से लाए? बाबू जिसके मन में कोई छल कपट नहीं था उसने कमल किशोर को सारी बात बता दी कि कैसे उसको सोभाग्य से गोपाल जी मिले और उनके हमारे घर आने से हमारा दुर्भाग्य सौभाग्य में बदल गया।

तो कमल किशोर ने कहा क्या तुम जानते हो कि जो हार ठाकुर जी के गले में पड़ा है उसकी कीमत क्या है? तो बाबू और

मालती ने बड़ी विनम्रता से हाथ जोड़कर कहा कि जो चीज हमारे लड्डू गोपाल जी के अंग लग गई हम उसका मूल्य नहीं जानना चाहते और हमारे लाला के सामने किसी चीज किसी हार का कोई मोल नहीं है तो कमल किशोर एकदम से चुप हो गया और उसने मन में सोचा कि चलो अच्छा है मेरा हार ठाकुर जी ने अपने अंग लगाया हुआ है।

अगले दिन जब वह चलने को तैयार हुआ और बाबू उनको टैक्सी में लेकर उनके मंजिल तक पहुंचाने गया।

जब कमल किशोर टैक्सी से उतरा और जाने लगा तभी बाबू ने उनको आवाज लगाई कि ज़रा रुको यह आपका कोई सामान हमारी टैक्सी में रह गया है। लेकिन कमल किशोर ने कहा मैंने तो वहां कुछ नहीं रखा, लेकिन बाबू ने कहा कि यह बैग तो आपका ही है जब कमल किशोर ने उसको खोलकर देखा तो उसमें बहुत सारे पैसे थे।

कमल किशोर एकदम से हक्का-बक्का रह गया कि यह तो इतने पैसे हैं जितनी कि उस हार की कीमत है। उसकी आंखों में आंसू आ गए कि जब तक मैंने निश्चल भाव से ठाकुर जी को वह हार धारण करवाया हुआ था तब तक उन्होंने पहने रखा। मैंने उनको पैसों का सुनाया तो उन्होंने मेरा अभिमान तोड़ने के लिए पैसे मुझे दे दिए हैं।

वह ठाकुर जी से क्षमा मांगने लगा लेकिन अब हो भी क्या कर सकता था ?

कथासार

इसलिए हमारे अंदर ऐसे भाव होने चाहिए कि: उसमें अहंकार न होकर विनम्रता होनी चाहिए और ठाकुर जी जैसा चाहते हैं वैसा ही होता है हम तो निमित्त मात्र हैं। कौन ठाकुर जी को वृंदावन से लाया और किसके घर आकर वह विराजमान हुए यह सब ठाकुर जी की लीला है जिसके घर रहना है जिसके घर सेवा लेनी है यह सभी जानते हैं हम लोग तो निमित्त मात्र हैं बस हमारे भाव शुद्ध होने चाहिए। ठाकुर जी तो बड़े बड़े पकवान नहीं बल्कि भाव से खिलाई छोटी से छोटी चीज को भी ग्रहण कर लेते हैं।



कविता

पायल मो. देवांगन , बी. कॉम., प्रथम वर्ष

यह रागी हुई अब अभागी क्यों
यह रागी हुई अभागी क्यों
चावल की किस्मत जागी क्यों
जो ज्वार जमी जन मानस में
गेहूं के डर से भागी क्यों
युं होता खेत झंगोरा है
यह धान सरिखा गोरा है
पर यह भी हारा गेहूं से
जिसका हर कहीं ढिंढोरा है

जाने कितने थे अन्य यहां
एक दूजे से प्रसन्न यहां
जब आया दौर सफेदी का
हो गया मगर सब खिन्न यहां ।

अब कहां वह कोंडो कुटकी है
साँवाँ की काया भटकी है
सन्यासी हुआ बाजरा अब
गुम हुई कांगणी छुटकी है

अब जिसका रंग सुनहरा है
सब तरफ उन्हें का पहरा है
अब कौन सुनेंगे मठमैओं की
गेहूं का साया गहरा है

यह देता सबसे कम पोषण
और करता है ज्यादा शोषण
तोहफे में दिए रसायन अन
माटी-पानी का अवशोषण



बुद्ध ने क्यों कहा था की चौथी पत्नी ही साथ देती है?

पूनम आर. निषाद, बी.ए. तृतीय वर्ष

गौतम बुद्ध ने क्यों कहा था कि हर इंसान की चौथी पत्नी ही साथ देती है?

इंसान की चौथी पत्नी ही (Story of four wives) साथ देती है एक शिक्षाप्रद कहानी है। वैशाख पूर्णिमा के दिन बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाती है। क्या आप जानते हैं कि गौतम बुद्ध ने एक बार कहा था कि हर इंसान की चौथी पत्नी ही साथ देती है। इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी है। बुद्ध के प्रारंभिक उपदेश वाले 32 आगम सूत्रों में से एक में इस कहानी का जिक्र है। एक आदमी की 4 पत्नियां थी। प्राचीन भारत की सामाजिक व्यवस्था में एक पुरुष कई पत्नियां रख सकता था।

आदमी और 4 उसकी पत्नियां

एक बार वह आदमी बीमार पड़ गया, समय बीतता गया और उसे अपनी मृत्यु करीब दिखने लगी। उसने चारों को बुलाया और बारी-बारी उन्हें अपने साथ चलने को कहा। व्यक्ति ने पत्नियों से कहा मैंने तुम्हें दिन-रात प्यार किया उम्र भर तुम्हारा ख्याल रखा। अब मैं मरने वाला हूँ क्या तुम मेरे साथ चलोगी?

पहली पत्नी ने जवाब दिया, मुझे पता है कि आप मुझसे प्यार करते हो लेकिन मैं आपके साथ नहीं जा सकती अलविदा प्रिया। दूसरी पत्नी ने जवाब दिया, आप की पहली पत्नी ने आपके साथ आने से इंकार कर दिया तो फिर मैं भला आपके साथ कैसे जा सकती हूँ। तीसरी पत्नी ने कहा, मुझे आप पर दया आ रही है और अपने लिए दुख भी हैं इसलिए मैं अंतिम संस्कार तक साथ रहूंगी पर इसे आगे नहीं।

व्यक्ति ने चौथी पत्नी के साथ हमेशा एक दासी की तरह व्यवहार किया था। इसलिए उसे लगा की मृत्यु के बाद वह कभी उसके साथ नहीं जाएगी। फिर भी उसने अपनी चौथी पत्नी से भी दूसरी दुनिया में साथ चलने के लिए कहा। चौथी पत्नी ने तुरंत पति का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। चौथी पत्नी ने जवाब दिया, मैं आपके साथ जाऊंगी कुछ भी हो मैं हमेशा साथ रहने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ मैं आपसे अलग नहीं रह सकती।

कहानी का सार

बुद्ध ने कहानी समाप्त (Story of four wives) करते हुए कहा हर पुरुष और महिला की 4 पत्नियां या पति होते हैं और हर एक की का खास मतलब होता है। पहली पत्नी या साथी हमारा शरीर होता है, जिसे हम दिन रात प्यार करते हैं। लेकिन जीवन के अंत में शरीर कभी साथ नहीं जाता। दूसरी पत्नी हमारा भाग्य, भौतिक चीजें, धन-संपत्ति हैं जिनके लिए हम सारा जीवन मेहनत करते हैं, मृत्यु के बाद यह भी साथ नहीं जाता है। तीसरी पत्नी का अर्थ रिश्ते नातों से हैं मृत्यु के बाद माता-पिता, भाई-बहन, रिश्तेदार या दोस्त कभी साथ नहीं जाते हैं सब यहीं छूट जाता है। चौथी पत्नी हमारा मन या चेतना है, क्रोध लोभ और असंतोष कर्म के नियम हैं। हम अपने कर्म से कभी पीछा नहीं छोड़ सकते हैं, जैसा की पत्नी ने अपने पति से कहा था तुम जहां भी जाओगे मैं तुम्हारे पीछे चलूंगी।

इसलिए बुद्ध ने कहा था हमेशा चौथी पत्नी ही साथ देती है।



Millets : Ancient Grains, Modern Super Foods.

विविधता में एकता

पूजा जे. देवांगन, बी.ए. तृतीय वर्ष

विविधता में एकता का अर्थ है विभिन्न असमानताओं के बावजूद भी अखंडता का अस्तित्व। विविधता में एकता की इस अवधारणा के लिये भारत एक बेहतर उदाहरण है। हम लोग यहाँ बेहद साफतौर पर देख सकते हैं कि भारत की एक धरती पर अर्थात् एक छत के नीचे समरसता के साथ अलग-अलग धर्म, समुदाय, जाति, भाषा, संस्कृति, जीवन-शैली, परिधान पहनने का तरीका, भगवान में भरोसा, पूजा-पाठ के तौर-तरीके आदि के लोग एक-साथ रहते हैं। भारत में रहने वाले लोग एक माँ के बच्चे हैं जिन्हें हम भारत माँ कह कर बुलाते हैं।

भारत एक ऐसा देश है जिसने विविधता में एकता की सच्चाई को सही साबित किया है। बिना किसी परेशानी के कई वर्षों से विभिन्न धर्म और जाति के लोगों ने एक साथ रह कर दिखाया है। भारत ऊँचे पहाड़ों, घाटियों, महासागरों, प्रसिद्ध नदियों, धारा, जंगल, रेगिस्तान, प्राचीन संस्कृति और परंपराएँ और सबसे खास विविधता में एकता से सजा हुआ देश है। लोग यहाँ अपने नस्ल, धर्म और भाषा से संबंध रखते हैं फिर भी उन सभी के मानवता का समान चरित्र होता है जो उन्हें एक साथ रहने के काबिल बनाता है।

विविधता में एकता का महत्व : विविधता में एकता लोगों की कार्यस्थल, संगठन और समुदाय में मनोबल को बढ़ाता है। ज़िये लोगों के बीच में दल भावना, रिश्ते, समूह कार्य को बढ़ाने में मदद करता है इसकी वजह से प्रदर्शन, कार्यकुशलता, उत्पादकता और जीवन शैली में सुधार आता है।

बुरी परिस्थिति में भी ये प्रभावशाली संवाद बनाता है।

सामाजिक परेशानियों से लोगों को दूर रखता है और मुश्किलों से लड़ने में आसानी से मदद करता है।

मानव रिश्तों में अच्छा सुधार लाता है तथा सभी के मानव अधिकारों की रक्षा करता है।

भारत में विविधता में एकता पर्यटन के स्रोत उपलब्ध

करता है। पूरी दुनिया से अधिक यात्रियों और पर्यटकों को विभिन्न संस्कृति, परंपरा, भोजन, धर्म और परिधान के लोग आकर्षित करते हैं।

कई तरीकों में असमान होने के बावजूद भी देश के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण की आदत को ये बढ़ावा देता है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत और समृद्ध बनाने के साथ ही ये देश के संपन्न विरासत को महत्व देता है।

विभिन्न फसलों के द्वारा कृषि के क्षेत्र में संपन्न बनाने में ये मदद करता है जिससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि होती है। ज़देश के लिये विभिन्न क्षेत्रों में कौशल और उन्नत पेशेवरों के साधन है।

भारत विश्व का एक प्रसिद्ध और बड़ा देश है जहाँ विभिन्न धर्म जैसे हिन्दू, मुस्लिम, बौद्ध, सिक्ख, जैन, ईसाई और पारसी आदि के एक साथ रहते हैं लेकिन सभी धर्म और क्रम के एक सिद्धांत पर भरोसा करते हैं। यहाँ के लोग स्वभाव से भगवान से डरने वाले होते हैं और आत्मा की शुद्धि, पुनर्जन्म, मोक्ष, स्वर्ग और नरक में भरोसा रखते हैं। बिना किसी धर्म के लोगों को हानि पहुँचाये बेहद शांतिपूर्ण तरीके से लोग अपने त्योहारों होली, दिवाली, ईद, क्रिसमस, गुड फ्राइडे, महावीर जयंती, बुद्ध जयंती आदि को मनाते हैं। ज़यहाँ पर इसकी कुछ कमियाँ भी है जो दी गयी है:

ये अलग राज्यों और बहु-भाषायी संबंधी लोगों के बीच में कई सामाजिक चिंताओं के बढ़ावा दे सकता है। ज़ये देश के कई क्षेत्रों में भ्रष्टाचार और अशिक्षा को बढ़ावा दे सकता है। अविकसित संरचना, बिजली की कमी, सड़के आदि के कारण विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में खराब जीवनशैली का कारण बन सकता है।

निष्कर्ष : मनोवैज्ञानिक, वैचारिक, राजनीतिक, धार्मिक, बहु-भाषी, शारीरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि के ढेर सारे भिन्नताओं के बावजूद भी एकता के अस्तित्व पर विविधता में एकता ध्यान केन्द्रित करता है। ज्यादा विविधता से एकता में ज्यादा जटिलता होती है। नस्ल, धर्म, जाति, उप-जाति, समुदाय, भाषा और बोली की अधिक विविधता के बावजूद भी भारत में लोग एक हो के रहते हैं। भारत में लोग बहुत ही आध्यात्मिक और स्वाभाव में भगवान से डरने वाले होते हैं इसलिये वो सभी के धर्म को आदर देते हैं।

Celebrate Millets : Wholesome, Delicious and Good for the Earth.

भारतीय संस्कृति और परंपरा

दिव्या आर. बारसागडे, .बी.ए. तृतीय वर्ष

भारतीय संस्कृति और परंपरा, एक मनोरम पच्चीकारी के समान, असंख्य जीवंत घटकों से युक्त है जो देश की बहुमुखी विरासत का निर्माण करती है। गहरी ऐतिहासिक जड़ों के साथ, उन्हें त्योहारों, कला रूपों और दैनिक रीति-रिवाजों जैसे विभिन्न तरीकों से स्मरण किया जाता है। जैसे ही हम इस निबंध को शुरू करेंगे, हम भारतीय संस्कृति और परंपरा के गहन सार और महत्व को समझेंगे। इस अन्वेषण में उनकी विशिष्ट विशेषताओं, उनके सामाजिक महत्व और उनकी स्थायी प्रासंगिकता को शामिल किया जाएगा। एकता में अनेकता—भारतीय संस्कृति और परंपरा अपनी विविधता के लिए प्रसिद्ध है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, व्यंजनों और रीति-रिवाजों का घर है। इस विविधता के बावजूद, एकता की एक मजबूत भावना है जो देश को एक साथ बांधती है।

ऐतिहासिक महत्व : भारत की संस्कृति और परंपराएँ हजारों वर्षों में विकसित हुई हैं। सिंधु घाटी सभ्यता, वेद और प्राचीन ऋषियों की शिक्षाओं ने आज हम जो संस्कृति देखते हैं उसे आकार देने में भूमिका निभाई है।

त्यौहार एवं उत्सव : भारत अपने जीवंत त्योहारों, जैसे दिवाली, होली, ईद, क्रिसमस और अन्य के लिए जाना जाता है। ये उत्सव लोगों को एक साथ लाते हैं, एकता और खुशी की भावना को बढ़ावा देते हैं।

सांस्कृतिक कला रूप : भारतीय संस्कृति विभिन्न कला रूपों में अभिव्यक्ति पाती है जैसे शास्त्रीय नृत्य, जिसमें भरतनाट्यम और कथक शामिल हैं, साथ ही संगीत, जिसमें कर्नाटक और हिंदुस्तानी परंपराएं और थिएटर शामिल हैं। इसके अलावा, ये कला रूप एक समृद्ध ऐतिहासिक विरासत

का दावा करते हैं और समकालीन समय में लगातार फलते-फूलते हैं।

परंपरागत वेषभूषा : भारतीय परिधान संस्कृति और परंपरा का प्रतिबिंब है। साड़ी, धोती और कुर्ता जैसी पोशाकें सिर्फ परिधान नहीं बल्कि पहचान का प्रतीक हैं।

विशेषज्ञ की राय : डॉ. कपिला वात्स्यायन जैसे सांस्कृतिक विद्वान समाज को आकार देने और पहचान की भावना प्रदान करने में संस्कृति की भूमिका पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि संस्कृति एक गतिशील शक्ति है जो समय के साथ विकसित होती है।

आध्यात्मिक अभ्यास : भारतीय संस्कृति में धर्म और अध्यात्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ध्यान, योग और मंदिरों या मस्जिदों में जाना जैसी प्रथाएं व्यक्तियों के लिए उनकी आध्यात्मिकता से जुड़ने के सामान्य तरीके हैं।

पारंपरिक औषधि : आयुर्वेद, भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली, सदियों से प्रचलित है। यह समग्र कल्याण और प्राकृतिक उपचार विधियों पर जोर देता है।

पारिवारिक मूल्यों : भारतीय संस्कृति पारिवारिक मूल्यों पर अत्यधिक बल देती है। बड़ों का सम्मान, मजबूत पारिवारिक बंधन और संयुक्त परिवारों की अवधारणा भारतीय समाज का अभिन्न अंग हैं।

निष्कर्ष : भारतीय संस्कृति और परंपरा, देश के समृद्ध इतिहास, विविधता और एकता के प्रमाण के रूप में, लाखों लोगों को पहचान और अपनेपन की भावना प्रदान करती है। इसके अलावा, जैसे-जैसे भारत आधुनिक दुनिया में विकसित हो रहा है, इन सांस्कृतिक खजानों को संरक्षित करना और उनका जश्न मनाना महत्वपूर्ण है। विविधता को महत्व देकर, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर और परंपराओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारतीय संस्कृति और परंपराएं फलती-फूलती रहें और उन्हें अपनाने वाले सभी लोगों का जीवन समृद्ध हो। नतीजतन, भारत की सांस्कृतिक विरासत गौरव और प्रेरणा का स्रोत है, जो परंपराओं की एक श्रृंखला बनाती है जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए संजोना और संरक्षित करना चाहिए।



भारतीय संस्कार एवं उनका महत्व

विवेक जी. शुक्ला, बी.कॉम., द्वितीय वर्ष

भारतीय जीवन में संस्कारों का बड़ा महत्व है। संस्कार शब्द की द्युत्पत्ति 'कृ' धातु में सम उपसर्ग लगाकर की गयी है। इसका अर्थ है-शुद्धि, परिष्कार, सुधार। मन, रुचि, आचार-विचार को परिष्कृत तथा उन्नत करने का कार्य। वास्तव में संस्कृति शब्द संस्कार से बना है। इसका अर्थ है-परिमार्जित, परिकृत, सुधारा हुआ, ठीक किया हुआ। इन अर्थों में मानव में जो दोष हैं, उनका शोधन करने के लिए, उन्हें सुसंस्कृत करने के लिए ही संस्कारों का प्रावधान किया हुआ है ! संस्कारों के द्वारा मानवीय मन को एक विशिष्ट वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर निर्मल, सन्तुलित एवं सुसंस्कृत बनाया जाता है। जीवन में काम आने वाले सत्यवृत्तियों का बीजारोपण भी इन संस्कारों के समय होता है। यदि किसी बालक के सभी संस्कार ठीक रीति से समुचित वातावरण में किये जायें, तो उसका व्यक्तित्व सुविकसित होता है। संस्कार पद्धति के द्वारा उसके मनोविकारों का निराकरण कर उसकी सृजनात्मक शक्ति को बढ़ावा देता है। अतः जीवन की बहुमूल्य विशिष्टता, सम्पदा और चरित्र निर्माण का आधार संस्कार है।

संस्कारों का महत्व:

मानव जीवन में संस्कारों का अत्यधिक महत्व है। संस्कारों का सर्वाधिक महत्व मानवीय चित्त की शुद्धि के लिए है। संस्कारों के द्वारा ही मनुष्य का चरित्र निर्माण होता है और विचारों के अनुरूप संस्कार; क्योंकि चरित्र ही वह धुरी है, जिस पर मनुष्य का जीवन सुख, शान्ति और मान-सम्मान को प्राप्त करता है। संस्कार के द्वारा मानव चरित्र में सद्गुणों का संचार होता है, दोष, दुर्गुण दूर होते हैं। मानव जीवन को जन्म से लेकर मृत्यु तक सार्थक बनाने तथा सत्य-शोधन की अभिनव

व्यवस्था का नाम सरकार है। संस्कारों का मूल प्रयोजन आध्यात्मिक भी है तथा नैतिक विकास का भी है; क्योंकि मानव जीवन को अपवित्र एवं उत्कृष्ट बनाने वाले आध्यात्मिक उपचार का नाम संस्कार है।

श्रेष्ठ संस्कारवान मानव का निर्माण ही संस्कारों का मुख्य उद्देश्य है। संस्कारों के द्वारा ही मनुष्य में शिष्टाचरण एवं सभ्य आचरण की प्रवृत्ति का विकास होता है। इस अर्थ में सर्वसाधारण के मानसिक, चारित्रिक एवं भावनात्मक विकास के लिए सर्वांग सुन्दर विधान संस्कारों का है।

प्रत्येक मनुष्य जन्म के साथ कुछ गुण और कुछ अवगुण लेकर पैदा होता है। उस पर पूर्व जन्मों के संस्कार भी पड़ते हैं। ऐसी मान्यता हिन्दू धर्म की है। अतः आयु वृद्धि के साथ-साथ उस पर नये संस्कार भी पड़ते रहते हैं। अतः पुराने संस्कारों को प्रभावित करके उनमें परिवर्तन, परिवर्द्धन कर अनुकूल संस्कारों का निर्माण करने की प्रक्रिया सरकार कहलाती है ३. विभिन्न धार्मिक संस्कार एवं उनका स्वरूप:हमारे भारतीय धर्म के अनुसार सोलह (१६) संस्कारों द्वारा व्यक्ति के व्यक्तित्व का परिष्कार किया जाता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक व्यक्ति के सोलह (१६) संस्कारों में शामिल हैं: गर्भाधान संस्कार, पुंसवन, सीमांतोयंत्रण, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूडाकर्म, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन विवाह सरकार, अंत्येष्टि।

1. गर्भाधान संस्कार: यह बालक के जन्म के पूर्व का संस्कार है। गर्भाधान संस्कार गृहस्थाश्रम में प्रवेश करने वाले नवदम्पतियों के लिए पारिवारिक दायित्व को संभालने हेतु पूर्व शिक्षण है। इस सरकार में यह बताया जाता है कि आने वाली जीवात्मा परमात्मा का स्वरूप एवं प्रतिनिधि है। उसे आमन्त्रित करने के लिए अपनी योग्यता, साधन और परिस्थितियों का आकलन नवदम्पति कर ले। आर्यपुराण अपनी स्त्री के समीप सुसन्तान उत्पन्न करने के हेतु निश्चित उद्देश्य लेकर पवित्र भाव से जाये, जो भावी सन्तान को निर्मल बनाये।

2. पुंसवन संस्कार: गर्भस्थ शिशु के समुचित विकास के लिए गर्भिणी द्वारा सम्पन्न किया जाता है। यह तब किया जाता है, जब बालक के भौतिक स्वरूप का निर्माण प्रारम्भ हो जाता है। कुछ ऋषियों द्वारा यह संस्कार प्रत्येक गर्भधारण के पश्चात बजार करना चाहिए। पुंसवन संस्कार से गर्भ पवित्र हो

जाता है। इस संस्कार में गर्भिणी स्त्री के दाहिने नासिका छिद्र में वटवृक्ष की छाल का रस श्रेष्ठ सन्तान की उत्पत्ति के लिए छोड़ा जाता है। इसके पश्चात् गर्भपूजन करने के बाद परिवारजन श्रेष्ठ मन्त्रों का उच्चारण करते हैं। गर्भिणी नियमित रूप से पांच आहुतियां खीर अर्पित कर यज्ञ कुण्ड को देती है तथा विशेष मन्त्रों का उच्चारण करती है।

3. सीमांतोन्नयन संस्कार: यह तीसरा संस्कार है। यह छठे तथा आठवें मास में किया जाता है।

4. जातकर्म संस्कार: जन्म के तुरन्त बाद सम्पन्न होता है। नाभि बन्धन पूर्व वेद मन्त्रों के उच्चारण के साथ यह सम्पन्न होता है।

5. नामकरण संस्कार: शिशु कन्या है या कि पुत्र, इसका भेद न करते हुए यह संस्कार किया जाता है। इसके द्वारा शिशु की मौलिक तथा कल्याणकारी प्रवृत्तियों को जगाने हेतु यह प्रक्रिया सम्पन्न की जाती है। सामान्यतः यह जन्म के दसवें दिन यज्ञ कर्म के द्वारा सम्पन्न होता था। जन्म के बाद प्रसूता का शुद्धिकरण भी हो जाता था। सभी उपस्थित व्यक्ति कलश में जल लेकर अभिषेक के द्वारा शिशु पर श्रेष्ठ संस्कारों के प्रभाव की कामना करते हैं। शिशु की कमर पर मेखला इस आशा से बांधी जाती है कि नवजात शिशु निष्ठा की दृष्टि से सदैव सजग रहे। अभिभावक शिशु की कमर पर मेखला बांधकर उसके संरक्षण के प्रति तथा उसे जीवन-भर दोष, दुर्गुणों से बचाये रखते हैं। शहद चटाकर मधुर भाषण का सैक्सर इसी में समाहित है। इसके पश्चात् शिशु को सूर्य का दर्शन कराकर उसको प्रखर एवं तेजस्वी बनाने की कामना के साथ राष्ट्र के प्राप्ति भी निष्ठावान बनाये रखने का शिक्षण दिया जाता है। इसके पश्चात् सज्जित थाली में लिखा नाम सभी को दिखाते हुए आचार्य मन्त्रोच्चारण के साथ उसके नामन की घोषणा कहते हैं। उसे चिरंजीवी, धर्मशील एवं प्रगतिशील होने का आशीर्वाद देते हैं।

6. निष्क्रमण संस्कार: निष्क्रमण का तात्पर्य है: घर से बाहर निकालना। इस संस्कार में कोई वयोवृद्ध कोका बच्चे को गोदी में लेकर उसे बाहर का खुला वातावरण दिखाता है, ताकि बालक विराट ब्रह्मरूपी संसार को समझे। उसे सूर्य का दर्शन भी करवाया जाता है।

9. अन्नप्राशन संस्कार: यह शिशु के छठे मास में किया जाता है। उसे प्रथम अन्नाहार ग्रहण करमे के बाद यह भावना की

जाती है कि बालक सदैव सुसंस्कारी अन्न ग्रहण करे। सुपाच्य खीर, मधुरता का प्रतीक मधु, रनेह का प्रतीक घी, विकार नाशक पवित्र तुलसी तथा पवित्रता का प्रतीक गंगाजल का सम्मिश्रण प्रत्येक विशिष्ट मन्त्रोच्चार के द्वारा भगवान् तथा यज्ञ के प्रसाद के रूप में बच्चे को खिलाया जाता है। सात्विक आहार ग्रहण करने से उसका समररा चिन्तन सतोगुणी बनेगा।

8. चूड़ाकर्म: चूड़ाकर्म सरकार के साथ शिखा की तथा यज्ञोपवीत (उपनयन) के साथ सूत्र की स्थापना को भारतीय संस्कृति का आधार माना जाता है। जहां शिखा संस्कृति की गौरव पताका का प्रतीक है, वहीं सूत्र विशिष्ट संकल्पों एवं व्रतों का प्रतीक है। जन्म के पश्चात् प्रथम वर्ष के अन्त अथवा तृतीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व यह सम्पन्न होता है। हिन्दू धर्म में यह मान्यता है कि मनुष्य कई योनियों में भटककर मानव योनि प्राप्त करता है। अतः उसके अनुपयुक्त एवं अवांछनीय संस्कारों का निष्कासन बालक के समुचित मानसिक विकास हेतु आवश्यक है। मुण्डन सदा किसी तीर्थस्थान या देवस्थान पर किया जाता है, ताकि सिर से उतारे गये बालों के साथ कुसंस्कारों का शमन हो सके। आयुर्वेद के आचार्य चरक के अनुसार-शमश्रु तथा दाढ़ी, मूँछ व नखों को काटने के पीछे यही संस्कार है। शिखा स्थान पर बालों का गुच्छा व्यक्ति की कुप्रवृत्तियों पर अंकुश रखता है। मुण्डन विधान में बालक के बालों को गौदुग्ध, दही में भिगोकर ब्रह्म, विष्णु महेश के प्रतीक के रूप में तीन गुच्छों में कुश तथा कलावे से बांधते हैं। इसका आशय यह है कि शुभ देव शक्तियां सदैव मस्तिष्क तन्त्र का इस्तेमाल करें। गायत्री मन्त्रोच्चार के साथ पांच आहुतियां यज्ञ में मिष्ठान्न के साथ दी जाती हैं। यज्ञशाला से बाहर मुण्डन कर बालों को गोबर में रख जमीन में गाड़ दिया जाता है। फिर मस्तिष्क पर स्वस्तिक या ओम शब्द चन्दन या रोली से लिखते हैं।

9. कर्णवेध संस्कार: इस संस्कार का वर्तमान में कोई विशेष महत्त्व नहीं है। विद्यार्थी गुरु को प्रणाम करता है। बालक श्रेष्ठ मानव बने। बालक पट्टी या कॉपी पर लिखता है, तो उस पर अक्षत छुड़वाकर बालक को तिलक लगाकर आशीर्वाद देते हैं। बालक श्रेष्ठ लोकसेवी व नागरिक बने, यही कामना की जाती है।

10. विद्यारम्भ संस्कार: यह आयु के पांचवें वर्ष में तब सम्पन्न कराया जाता है, जब बालक शिक्षा ग्रहण करने के योग्य

हो जाता है। शिक्षा मात्र शिक्षा न रहकर विद्या बने, इसीलिए गणेश व लक्ष्मी के पूजन के बाद विद्या तथा ज्ञानवर्द्धन करने वाले इस संस्कार को सरस्वती का नमन कर पूर्ण किया जाता है। शिक्षा के उपकरण दवात, कलम, कॉपी, पट्टिका को वेद मन्त्रों से अभिमन्त्रित कर पूजन किया जाता है। विद्यार्थी गुरु को प्रणाम करता है। बालक श्रेष्ठ मानव बने। बालक पट्टी या कॉपी पर लिखता है, तो उस पर अक्षत छुड़वाकर बालक को तिलक लगाकर आशीर्वाद देते हैं। बालक श्रेष्ठ लोकसेवी व नागरिक बने, यही कामना की जाती है।

11. उपनयन संस्कार: यज्ञोपवीत, अर्थात् उपनयन संस्कार दूसरा जन्म है। इस संस्कार में बालक को वैदिक मन्त्रोच्चारण के बीच विधि-विधान द्वारा तीन बंटे हुए धागों की पतली डोरी धारण करवाई जाती है। इसमें नौ धागे, नौ गुणों (विवेक, पवित्रता, बलिष्ठता, शान्ति, साहस, स्थिरता, धैर्य, कर्तव्य, समृद्धि) प्रतीक माने जाते हैं। यज्ञोपवीतधारी इसे मन्त्रोच्चारण के साथ कन्धों पर धारण करते हैं और श्रेष्ठ कार्यों का संकल्प लेते हैं। भारतीय संस्कृति में लिंग, जाति, वर्ण आदि किसी भी प्रकार का भेदभाव किये बिना यज्ञोपवीत कराने की बात कही गयी है। यज्ञोपवीत व शिखा के बिना किसी भी प्रकार का धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता है।

12. वेदारम्भ: यज्ञोपवीत संस्कार के साथ प्राचीनकाल में वेदारम्भ की शिक्षा प्रारम्भ होती थी। वेद जीवन विकास, जीवन एवं परिष्कार के महत्त्व को दर्शाते हैं। वेदों की शिक्षा प्रारम्भ करने से पूर्व बालक श्रद्धापूर्वक गुरा का पूजन करता है। इसके बाद उससे भिक्षा मांगने की क्रिया पूर्ण करवायी जाती है।

13. केशान्त संस्कार: सिर के बाल जब उतारे जाते हैं, तब यह संस्कार होता है। बालक के केश किसी देवस्थान में उतारे जाते हैं। दूसरे या तीसरे वर्ष में बाल उतारने के बाद शिखाबन्धन होता है।

14. समावर्तन संस्कार: शिक्षा की समाप्ति पर किया जाने वाला यह संस्कार है। यह संस्कार पचीस वर्ष तक ब्रह्मचर्य का पालन करने वाला शिक्षार्थी गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर पूर्ण

करता है और अपने परिवार, समाज तथा -देश के प्रति सभी कर्तव्यों को पूर्ण करता है।

15. विवाह संस्कार: हिन्दुओं की सामाजिक व्यवस्था का एक प्रमुख संस्कार है: विवाह संस्कार। विवाह को हमारी संस्कृति में शरीर का ही नहीं, मन तथा आत्मा का पवित्र बन्धन माना जाता है। इस संस्कार के पूर्ण होने पर पति-पत्नी एकसूत्र में बंध जाते हैं तथा एक-दूसरे के सुख-दुःख में समान रूप से सहभागी होकर जीवनपर्यन्त सभी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक कर्तव्यों को पूर्ण करने की शपथ लेते हैं।

वर-वधू अग्नि के चारों तरफ सप्त परिक्रमा लेते हैं। सप्तपदी के बाद अभिभावकगण कन्यादान करते हैं। पाणिग्रहण, ग्रन्थिबन्धन, सप्तपदी, शिलारोहण, लाजाहोम, शपथ, आश्वासन मांग भरना, (सुमंगली) यज्ञ आहुति जैसे धार्मिक विधि-विधान सम्पन्न होते हैं। वधू पक्ष वाले कन्या की विदाई करते हैं।

16 अंत्येष्टि संस्कार: मानव शरीर इस संसार की सबसे बड़ी विभूति है। मृत्यु इसकी चिरन्तन गति है। व्यक्ति जब मृत्यु को प्राप्त होता है, तो उसकी आत्मा की शान्ति व वातावरण की शुद्धि के लिए हमारी भारतीय संस्कृति में कुछ विशेष संस्कार किये जाते हैं। उसे अंत्येष्टि संस्कार कहते हैं। मृतक को इन संस्कारों द्वारा सम्मानपूर्वक विदाई दी जाती है। सर्वप्रथम मृत व्यक्ति को स्नान कराया जाता है। उसके मस्तक तथा शरीर पर चन्दन का लेप लगाया जाता है। श्मशान भूमि को गोबर मिट्टी से पवित्र किया जाता है। यज्ञ कुण्ड बनाया जाता है। मृतक शरीर की अंत्येष्टि हेतु वट, पीपल, आम, गूलर, ढाक, शमी, चन्दन, अगर इत्यादि पवित्र काष्ठों की लकड़िया एकत्रित की जाती हैं। मन्त्रोच्चारण के साथ घी आदि से पांच पूर्णाहृतियां दी जाती हैं। शव का दाह संस्कार करके अंत्येष्टि के साथ पिण्डदान किया जाता है, जो जीवात्मा की शान्ति के लिए होता है। कपालक्रिया के बाद अस्थि, अवशेष एकत्र कर उसे कलश के लाल वस्त्र में लपेटकर किसी पवित्र स्थान में धार्मिक विधि-विधान से विसर्जित कर दिया जाता है। शरीर समाप्त होने के तेरहवें दिन मरणोत्तर संस्कार किया जाता है।



बेटियों का नसीब

सानियाँ नाज काज़ी, .बी.ए., तृतीय वर्ष

आज देश में लड़कियाँ खुश नहीं हैं क्योंकि उन्हें कई प्रकार के सामाजिक जुल्म सहने पड़ रहे हैं, उदाहरण के लिए जैसे किसी परिवार में यदि इकलौती लड़की पैदा होती है तो कुछ दिनों तक घर में मिठाईयाँ बटती हैं, हर्षोल्लास का माहौल बना रहता है। लेकिन कुछ दिनों पश्चात चिन्ता होने लगती है कि बेटि है, कुल का वंश कैसे बढ़ायेगी, यह तो पराई है और दूसरों का घर ही सजायेगी यदि इसके स्थान पर बेटा होता तो कुल का वंश बढ़ता और घर में खुशियों का अवसर लाता, इस प्रकार की कई बातें बेटियों के बारे में की जाती हैं। बेटा यदि घर की शान है तो बेटियाँ घर की रौनक जिस घर में दोनों होते हैं दोनों को समानता मिलती है वह घर स्वर्ग बन जाता है। सुख-दुःख में काम केवल बेटि आती है बेटा तो संबल बन जाता है। यदि बेटि घर में सारा काम करे बेटा केवल हुकुम चलाता है। वर्तमान समय में जिस घर में बेटि हो जाये वहां सन्नाटा छा जाता है। और बेटा होने पर खुशी होती है। शहनाई बजती है कोई मेहमान नहीं छूटता सबको दावत पर बुलाते हैं आखिर लोग ये नहीं समझते कि हर जुल्म सहन करने के बावजूद भी बेटियाँ कुल की शान बढ़ाती हैं। बेटि से ही तो परिवार चलता है और रिस्ते जुड़ते हैं। हीन भावना रखने वाले जो लोग बेटि को मरवाते हैं वही लोग पत्नी पर अत्याचार करके माँ बाप को धमकाते हैं स्वर्ग नहीं व घर श्मशान बन जाता है जहाँ जन्म से पहले ही कन्या भ्रूण हत्या कर दी जाती है बेटियों को संरक्षण देकर सरकार हमें समझाती है कि आरक्षण ज्यादा से ज्यादा मात्रा में देकर उन्हें अपने पैरों पर खड़े होना चाहिए। लड़की दुनियाँ की जहान होती है। अनगिनत रिश्तों की माला होती है और हर घर की शान होती है

जब लड़की की शादी होती है तो वह खुश जरूर होती है लेकिन वह यह नहीं जानती कि उसकी शादी नहीं बरबादी हो रही है।

शादी के नाम पर सौदा हो रहा है क्योंकि शादी में लोग लड़की से ज्यादा दहेज की मांग करते हैं तथा लड़की के परिवार वालों का शोषण करते हैं लड़कियों को इन सब अत्याचारों से बचाना होगा, लड़की को पढ़ाना होगा। वर्तमान में लड़कियों को कालेज कराने हेतु नजदीकी विश्वविद्यालयों में भेज दिया जाता है जबकि लड़कों को बड़े शहरों के उच्चतम प्रशिक्षण संस्थानों या विश्वविद्यालयों में भेजा जाता है। अगर यही प्राथमिकता लड़कियों को दी जाए तो शायद वे प्रशिक्षित हो जाती तथा अपने साथ-साथ अपने माँ-बाप पर अपना कोई हक नहीं है जबकि लड़कियों लड़कों से ज्यादा अच्छा साबित होकर दिखाई है लोग बेटियों की शक्ति को नहीं जानते आखि वह भी दो परिवारों को साथ संभालती है। सामाजिक स्तर में भी लोग बातें बनाते हैं परन्तु वे ये नहीं जानते कि आखिर लड़कियाँ भी लड़कों की तरह मुट्टी बांधकर पैदा होती है, दोनों एक जैसी शैतानियों कते हैं फिर भी क्यों नहीं उन्हें लड़की का दर्जा दिया जाता है। समाज के प्रति बेटियों का बलिदान अमर है और रहेगा उनकी बराबरी समाज में कोई नहीं कर सकता आखिर इतने जुल्म सहन करने के बाद भी लड़कियों विनम्रशाली, प्रतिभाशाली और संघर्षशाली होती हैं।

बेटि बनकर आई हूँ माँ-बाप के जीवन में
बसेरा होगा मेरा किसी और के आँगन में
क्यों ये रीति ईश्वर ने बनाई होगी
आज नहीं तो कल पराई होगी
देकर जन्म पा पोसकर जिन हाथों से बड़ा किया
और वक्त आये तो उन्हीं हाथों ने हमें विदा किया
टूटकर बिखर जाती है हमारी जिन्दगी वहीं
पर फिर भी उस बंधन से प्यार मिले ये जरूरी नहीं
रिश्ता हमारा इतना अजीब होता है
क्या बस यही बेटियों का नसीब होता है।



जनतंत्र से अपेक्षाएँ और जनतंत्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका

गोकुल चन्द्र फुलारा, भूतपूर्व छात्र, राजनीति विज्ञान

प्रस्तावना- मनुष्य में न्याय की क्षमता पायी जाती है इसलिए जनतंत्र संभव है परन्तु मनुष्य में अन्याय की प्रवृत्ति पायी जाती है इसलिए जनतंत्र आवश्यक है। इस प्रकार जनतंत्र से एक सतत् स्थाई, सर्व समावेशी, सहभागी और उत्तरदायी शासन की मांग की जाती है। वर्तमान विश्व में लगभग सभी राष्ट्रों ने इस तंत्र को अपना लिया है अर्थात् जनतंत्र के विचार को सर्वत्र मान्यता दी जा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि इस व्यवस्था ने हमें अतीत की तुलना में एक बेहतर शासन व्यवस्था प्रदान की है।

जनतंत्र से अपेक्षाएँ अपार हैं किन्तु किसी राष्ट्र में यह किस तरीके से कार्य करता है यह काफी हद तक वहाँ की युवा शक्ति पर निर्भर करता है अर्थात् राष्ट्र की युवा शक्ति वहाँ के जनतंत्र की दशा और दिशा दोनों निर्धारित करते हैं।

जनतंत्र से अपेक्षाएँ- सत्ता के दुरुपयोग की रोकथाम - विचारशील व्यक्ति केवल कुशल प्रशासन ही नहीं चाहता, वह संवेदनशील प्रशासन की भी कामना करता है। अतः जनतंत्र की स्थापना इसी ध्येय को ध्यान में रखकर की जाती है कि सत्ताधारी पर सर्वसाधारण का अंकुश व सार्थक नियंत्रण रहे ताकि जनमत की अवहेलना न हो। राज्य की गतिविधियों में जनसाधारण की भागीदारी - जनतंत्र का अर्थ ही है जनता का शासन परन्तु आज के युग में प्रशासन का कार्य इतना जटिल होता जा रहा है कि जनसाधारण व उनके प्रतिनिधियों के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।

सार्वजनिक विषयों पर स्वतंत्र चर्चा से राजनैतिक चेतना को प्रोत्साहन - जनतंत्र नागरिकों को सार्वजनिक विषयों पर स्वतंत्र चर्चा करने की अनुमति प्रदान करता है।

इससे लोगों को राष्ट्र की समस्याओं के बारे में अपनी राय बनाने का मौका मिलता है व उनके सोचने का ढंग भी सुधरता है। इस प्रकार सारी शासन व्यवस्था एक शिक्षा प्रणाली होती है और शासन पद्धति स्वशासन है जो जनतंत्र का पर्याय है।

असहमति व आलोचना जीवंत जनतंत्र की पहचान है - वह सर्वप्रमुख गुण जो जनतंत्र की अन्य शासन प्रणालियों से प्रथम व श्रेष्ठ सिद्ध करता है यह है कि यह व्यवस्था नागरिकों को राज्य के विधि विरोधी व जन विरोधी कदमों का विरोध करने का अधिकार देता

जनतंत्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका - किसी राष्ट्र का सबसे कीमती मानव संसाधन वहाँ के युवा होते हैं। इस वर्ग पर राष्ट्र निर्माण का दायित्व होता है। इसलिए इसका सक्रिय होना आवश्यक है। अतः इस प्रकार सक्रिय युवा राष्ट्र के जनतंत्र को चिरंजीवी करते हैं। इसके विपरीत निष्क्रिय युवा जनतंत्र की काया को कमजोर करते हैं। सामान्यतः युवा उत्तेजक होते हैं व सवाल उठाते हैं तथा मानसिक उत्तेजना पैदा करते हैं जिससे शासकों की जवाबदेही बढ़ती है और जनतंत्र मजबूत होता है।

युवा वर्ग किसी भी काल या देश का आइना होता है जिससे हमें उस युग का भूत, वर्तमान और भविष्य साफ-साफ दिखाई पड़ता है। इसमें इतना जोश होता है कि ये किसी भी चुनौती को स्वीकारने के लिए तैयार रहते हैं हर क्षेत्र की भांति राजनीति में भी युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है जहां तक दुनिया के सबसे बड़े जनतंत्र भारत का सवाल है तो यहां के युवाओं की जनतंत्र में भागीदारी काफी कम रही है किन्तु जैसा कि हमारा देश अभी 'जनतंत्र का पर्व' मना रहा है और इस पर्व के प्रति प्रत्येक नागरिक खासकर युवाओं में उमंग स्पष्ट रूप से झलक रही है इससे स्पष्टतः वर्तमान परिस्थितियों पूर्व से पृथक नजर आ रही है।

उपसंहार - वर्तमान समय में जनतंत्र एक सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली है, जिसमें नागरिकों की गरिमा का सम्मान करते हुए व्यक्ति के व्यक्तित्व का चहुंमुखी विकास सम्भव है। विभिन्न राष्ट्रों में जनतंत्र का इतिहास देखने पर इसमें हमें युवा एक नायक की भूमिका निभाते नजर जाते हैं। वर्तमान विश्व व्यवस्था में यदि किसी राष्ट्र का जनतंत्र अपनी दिशा भटक रहा है तो इसके पीछे एक महत्वपूर्ण कारण वहाँ के युवाओं की उदासीनता है। अतः एक सक्रिय एवं राजनैतिक परिपक्व युवा जनतांत्रिक मूल्यों की सार्थकता को बरकरार रखने में एक अहम भूमिका अदा करते हैं।

गांधी और स्वच्छ भारत

विशाल कुमार, बी.ए. प्रथम वर्ष

'सत्य अहिंसा का था वो पुजारी,

कभी ना जिसने हिम्मत हारी।

सास दी हमें आजादी ली,

जन-जन जिसका है आभारी ॥

मोहनदास करमचन्द्र गाँधी (महात्मा गाँधी) जिसे पूरा देश राष्ट्रपिता और बापू के नाम से पुकारता है। महात्मा गाँधी अहिंसा के पुजारी थे। अहिंसा एक उनका मुख्य अस्ता था। गाँधी के (३) तीन हथियार थे - सत्य, प्रेम और अहिंसा गाँधी जीवन से देश और विदेश के लोगों को शिक्षा मिलती है। भारत को आजादी की जंजीरों से बाहर निकालने में गाँधी जी का योगदान सारा विश्व जानता है। गाँधी जी ने अंग्रेजों के खिलाफ हिंसा न करते हुए अहिंसा का मार्ग अपनाया था। इन्होंने पुरे देश को एकजुट करके भारत की आजादी में हिस्सा लेने की एक प्रेरणा दी थी।

आज पुरा देश गाँधी जी के जन्म दिवस पर स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम को मना रहा है। वर्तमान में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी गाँधी जी के मार्ग पर चहले हुए देश स्वच्छ बनाने का अच्छा कार्य कर रहे हैं। देश की गुलामी की गन्दगी को साफ करना उनका एक कर्तव्य था। जिसमें देश के सभी लोगों का योगदान महत्वपूर्ण था। हमारा भी एक कर्तव्य बनता है कि हम अपने आस पड़ोस की गन्दगी और अपने समाज की गन्दगी को साफ करें और एक स्वच्छ भारत बनायें, इसलिये मोदी जी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत ०२ अक्टूबर गाँधी जी के जन्म दिवस के दिन रखी है।

इसलिए हम सब मिलकर गाँधी जयन्ती के साथ साथ स्वच्छता ही सेवा है यह कार्यक्रम को भी बड़े धूम-धाम से मनाएँ। गाँधी जयंती हमारे देश का एक राष्ट्रीय त्योहार है और इसके साथ-साथ स्वच्छ भारत के अभियान को भी बड़े आदर और स्वच्छ मन से अपनायें। अगर साफ-सफाई होगी तो हम स्वस्थ रहेंगे और देश की गंदगी साफ होगी इससे हमारा देश स्वच्छ होगा और विकासशील देश बनने में हमें ज्यादा समय नहीं लगेगा और हम भी अमेरिका, रूस, चीन और जापान आदि इन देशों के क्रम में आ सकते हैं।

करें हम ऐसा काम, बनी रहेगी देश की शान



शिक्षा का महत्व

तनुजा मेहरा, बी. ए., तृतीय वर्ष

दोस्तो जीवन की तुम्हें एक बात समझाती हूँ
जीवन में शिक्षा का महत्व तुम सबको समझाती हूँ।

शिक्षा है सबका अधिकार,
शिक्षा देती सबको ज्ञान,
शिक्षा से पाते हम मान, शान और ज्ञान
शिक्षा के बिना छूटे अब कोई न अधूरा
क्योंकि शिक्षा है सबका अधिकार,

दोस्तो जीवन की तुम्हें एक बात समझाती हूँ।
जीवन में शिक्षा का महत्व तुम सबको समझाती हूँ।

शिक्षा का सम्मान करेंगे

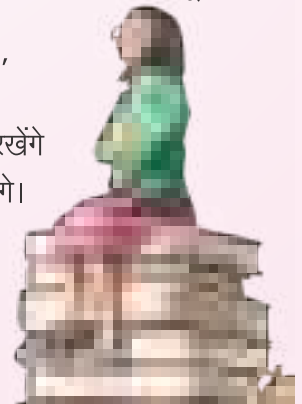
खुद को भी सम्मान मिलेगा।

शिक्षा जब बन जाती दोस्त हमारी,

फिर लगती है ये सबसे प्यारी।

दोस्तो जीवन की तुम्हें एक बात समझाती हूँ,
जीवन मे शिक्षा का महत्व तुम सबको समझाती हूँ।

शिक्षा का जो अधिकार मिला है,
हम सबको वरदान मिला है,
इस बात का हम हमेशा ध्यान रखेंगे
शिक्षा का हम सभी सम्मान करेंगे।



माँ सब जानती है

पुजा जोशी, .बी.कॉम. तृतीय वर्ष

माँ सब जानती है
तुझे खुद से भी ज्यादा पहचानती है
लाख कोशिश कर तू छिपाने की
तेरे हर सुख-दुःख को वो जानती है।

खुद जागकर तुझे सुलाती है
खुद रोकर तुझे हँसाती है
तन्हा रहती है खुद मगर
तेरा साथ हमेशा निभाती है
माँ सब जानती है।

जब तुझे चोट लगे तो सिसकती है माँ
जब तू गलती करे तो समझाती है माँ
तू ही तो है माँ का लाडला
जब तेरी आँखें भीगे आँसुओं
से तो अपना आँचल देती है
माँ सब जानती है।

उसकी हर दुआ कुबूल है
वो तो ममता का एक फूल है
शायद तभी भगवान से भी ऊपर आती है
माँ एक सच्चा दोस्त कहलाती है माँ
तुझे ना हो फुर्सत एक पल भी इसके लिए
उसका हर पल हर लम्हा है तेरे लिए
माँ सब जानती है।

पर आज मैं दूर हूँ
खुद से मजबूर हूँ
उलझा हूँ जिन्दगी के सफर में
चल रहा हूँ माँ तेरे सपनों की डगर में
चाहत है तुझे खुश रखने की
मुझे पता है माँ सब जानती है।



पढ़ाई का बोझ

उमाशंकर मिश्रा, .बी.सी.ए., द्वितीय वर्ष

पढ़ाई का है बोझ सिर पर,
कभी ना हो आराम।
पर मेहनत करने वालों का,
सदा ऊँचा रहता नाम।

सुबह-सवेरे उठना जल्दी,
किताबों में डूबे रहना।
हर दिन नया कुछ सीखना, ह
र रात नई सपने देखना॥

टीचर की डांट कभी मिले,
तो सह लेना मुस्कान।
विद्यार्थी जीवन का है ये,
सिर्फ एक छोटा सा इम्तिहान॥

सपने बड़े हैं आँखों में,
लेकिन राहें भी कठिन।
पर न थकेंगे, न रुकेंगे,
हम हैं मंज़िल की ओर बढ़ने वाले।

विद्यार्थी जीवन अनमोल है,
इसे व्यर्थ न गंवाना।
कल जो बीत जाएगा,
वो फिर लौटकर नहीं आना।

Millets : Nature's Gift for a Balanced Diet.

मेरे पापा

विवेक पाण्डेय, बी.कॉम. तृतीय वर्ष

दादी कहा करती थी पूजा-पाठ करो उपवास रखो
ससुराल अच्छा मिलेगा।
दादाजी कहा करते थे
शांत रहो समझदारी से काम लो
ससुराल में निभाना पड़ेगा।
कहा करती थी
घर के चार काम सीखो
ससुराल में आसानी होगी
चाची कहा करती थी
ऊँची आवाज में मत बोलो
ससुराल में सब नाम रखेंगे
चाचाजी कहा करते थे
जीन्स मत पहनो, टिकली
लगाओ, चूड़ियाँ पहन
ससुराल में ये सब नहीं चलने वाला
बुआ कहा करती थी
डांस कराटे क्यों, कढ़ाई बुनाई सीखो
ससुराल में काम आएंगी
मौसी कहा करती थी
किताबी कीड़ा मत बनो
चार लोगों में उठना बैठना सीखो
ससुराल में ये ही करना पड़ेगा।
लेकिन सिर्फ पापा ही कहा करते थे
बेटा तुझे जैसे जीना है जी, मनोरंजन से जी
तुझे ठीक लगे पहन, जितना पढ़ना हो पढ़
चिल्ला, खेल, नाच बिना किसी हिचकिचाहट के
क्योंकि
तू अपने हक के घर में है तू अपने मायके में है.....



वो दिन नहीं आएंगे..

रोहित बी. तिवारी, .बी.कॉम. तृतीय वर्ष

छूटा स्कूल
चले गए वो दिन
रह जाएंगे अब हम
उत्साह के बिन अब अपने प्रिय मित्रों से
हम बिछड़ जाएंगे
वो दिन नहीं आएंगे
वो दिन नहीं आएंगे.....।

यारों का वो हँसना – हँसाना
और फिर रूठना मनाना
वो लम्हे वो यादें
याद बहुत आएंगे
वो दिन नहीं आएंगे
वो दिन नहीं आयें.....।

अध्यापको की वे जोड़ी
शाबाशी और डॉट थोड़ी-थोड़ी
जीवन में अनुशासन
अब और कहाँ सीख पाएंगे
वो दिन नहीं आएंगे
वो दिन नहीं आयेंगे....।

अब पता लगेगा
जीवन का संघर्ष
कहाँ मिल पाएगी वो
खुशी और हर्ष
ये दिन भूल के भी
नहीं भूल पाएंगे
वो दिन नहीं आएंगे
वो दिन नहीं आयें.....



Millets : Fueling our Bodies, Preserving our planet.

English Section



Dr. Prafulkumar P. Vaidhya
English Section

If I can stop one heart from breaking
I shall not live in vain;
If I can ease one life the aching,
Or cool one pain,
Or help one fainting robin
Unto his nest,
I shall not live in vain

- Emily Dickson -

Millets for Healthy Living

Smruti Lokhande, BFD- Ist Year

The age old popular saying. "You are what you eat" is a one line treasure indeed. Health does not mean the absence of physical troubles only but refers to a state of complete physical, mental and Social well-being.

In the past decade there has been an unprecedented rise in the growing problem of heart strokes, Diabetes, High blood pressure, obesity especially in the cities. Fortunately, the solution of this problem is simple - Use a better option of nutritious cooked food, made and hygienic home is the interesting through innovations. Millets best replacement option with fast food items and junk food. Millet is a low maintenance and drought resistant grain. This grain provides various health benefits and has multiple uses in cooking.

Millet is now the sixth most important cereal grain in the world. In the Contemporary United States, millet is often used to feed pets, livestock, birds, but it is growing in consumer Popularity. This is because it is gluten free & a good source of protein, fiber, micronutrients. It also provides multiple benefits, to Physical and mental health, requires few inputs to grow, & is resistant to drought.

This article reviews everything you need to know about millets. Millets are a group of small, round whole grains grown in India, Nigeria, & other Asian & African countries. Considered an ancient grain, they are used both for human consumption and livestock & bird feed. This crop is divided into two Categories Large & Small millets.

Large millets include :

- | | |
|------------|------------------|
| 1) Pearl | 2) Foxtail |
| 3) Proso | 4) Finger (ragi) |
| 5) Sorghum | |

Small millets include :

- | | |
|--------------|-------------|
| 1) Kodo | 2) barnyard |
| 3) little | 4) Guinea |
| 5) Brown top | 6) Fonio |

Pearl millet is the most widely produced variety intended for human consumption. Millets provides more essential amino acids than most other cereals. These compounds are the building blocks of protein, calcium is necessary to ensure bone health, blood vessel and muscular contractions and proper nerve function.

Government Initiatives :

- 1] 'India's Wealth, Millets for Health'.
- 2] Agriculture ministry declared millets as "Nutri Cereals" in 2018.

Possible Health Benefits :

- 1) Helping the digestive system
- 2) Supporting the Cardiovascular system
- 3) Improving mood
- 4) Reducing the risk of diabetes
- 5) Managing obesity
- 6) Reducing oxidative stress.

Rich in Antioxidants

Millets are rich in phenolic compounds especially ferulic acid and catechins. These molecules act as antioxidants to protect your body from harmful oxidative stress. While all millet varieties contain antioxidants, those with a darker color such as finger, proso, foxtail millet have more than their white or yellow counter parts.

Other Potential Health Benefits of Millets

- * Suppressing cancer cell growth
- * Promoting wound healing
- * Maintaining bone health
- * Supporting antifungal & antimicrobial activity.

Conclusion :-

Millets have got a lot of advantages both from a health as well as from a climate change perspective. It is due to this reason the Government of India is emphasizing increasing millets production.



International Millets Day : Promoting Diversity on our Plates.

Health Benefits of Millet

Vanshita S. Padmagiriwar, .B.Com Ist Year

Millet is one of the oldest cultivated grains in the world and has been grown throughout Africa and southeast Asia for thousands of years. Millet can be used to make bread, beer, cereal and other dishes. Even today, Millet is a staple food around the world.

In fact, Millet is gaining renewed popularity because of how versatile and easy to grow it is you can find Millet in pearl, finger, Proso and sorghum varieties throughout the U.S. While these types of millet may look slightly different they all provide

similar health benefits.

Improve Digestive Health

Millet is rich in dietary fiber, both soluble and insoluble, the insoluble fiber in millet is known as a "Prebiotic" which means it supports good bacteria in your digestive system. This type of fiber is also important for adding bulk to stools, which helps keep you regular and reduces your risk of colon cancer.

Protect your Heart

The soluble fiber in millet can help reduce the amount of "bad" cholesterol in your blood a risk factor for atherosclerosis soluble fiber turns into a gel in your stomach and absorbs cholesterol, allowing it to be safely carried out of your system. Some studies show that millet can also raise your "good" cholesterol levels and lower triglycerides Because cholesterol is such a big risk factor for heart disease, eating millet regularly may help keep your heart healthier.



Millet for Healthy life

Khushi G. Nishad, B.Com, Ist Year

Millet to protect
Against heart diseases
Control Lower Bad Cholesterol Level
Beneficial in Detoxifying Body
Prevents type 2 Diabetes
Effective IN reducing
Blood pressure
Helps To optimize
Kidney, Liver and
IMMUNE SYSTEM HEALTH



Millet for Healthy living

Payal P. Chakraborty, B.Sc. Ist Year

Millet Millet Millet
Do you Know what they are?
from Bajra to Jawar to Ragi
This are what we want.

Millet Millet Millet
Do you Know what They are?
They are the little grains
Health is what they give

Millet Millet Millet
Do you Know what they are?
This are what farmer love to grow
In their feild of lovely glow.



Millet : Empowering Farmers, Nourishing communities.

Millets for healthy living

Varsha R. Madavi, B.Com. 1st year

Millet is a low maintenance and drought-resistant grain. people often use it to feed livestock, but consumer interest is growing. This grain provides various health benefits and has multiple uses in cooking.

People have benefitted from the nutritional properties of millet for thousands of years. The old testament of the bible mentions it, as do texts from ancient Greece and Rome.

Millet grows extremely quickly and matures in almost half the time required for rice and wheat this makes it the ideal crop, contributing to its rapid spread across Asia and into Europe.

In the contemporary United States, millet is often used to feed pets, livestock, and birds, but it is growing in consumer Popularity, this is because it is gluten free and a good Source of protein, fiber, micro nutrients. It also provides multiple benefits to physical and mental health, requires few inputs to grow, and is resistant to drought.

There are a Verity at millet accessible as India is the largest producer of millet after Africa and China. Sorghum (jawar), fox tail millet, finger millet, pearl millet (bajar) bamyard millet, kodo millet, little millet, and proso millet are some of the Varieties that are available,

Millet for healthy living, it is essential to include millet in our daily diet. Some of the benefits gained from millet are as follows .

- Millet prevents constipation by keeping the colon hydrated.
- It is easy to digested because it is alkaline.
- Because of the high protein content in millet, it makes a good substitute for a Vegetarian diet.
- It helps in detxoication. Quercetin, curcumin, ellagic acid, and various other beneficial catechins present in millet can. help clean up

toxins from your body.

- It helps prevent gallstones because of the high fiber content.

Despite the health benefits of millets, consuming large portions of millets is not advisable as it contains a small quantity of goitrogenic Substances that lead to goiter. It is better to consult a healthcare physician before adding millets to the diet to determine the correct portions required and not go overboard with the consumption of millets.

- Millet also provides other health benefits, including :.
- control Blood Sugar, Millet is low in simple carbohydrates and higher in complex Carbohydrates, making it a low-glycemic index (GI) food...
- Improve Digestive Health. millet is rich in dietary fiber, both soluble and insoluble....
- Protect Your Heart.

Millet is a good source of protein, fiber, Key vitamins, and minerals the potential health benefits of millet include protecting cardiovascular health, preventing the onset of diabetes, helping people achieve and maintain a healthy weight, and managing inflammation in the gut. Millet is an adaptable grain.

Millet' slogans also embody the benefits of spending time in nature, from physical health to mental well-being. In short, Millets' slogans encapsulate the spirit of adventure and the joy of being in the great outdoors, making them a powerful and memorable part at the brand's massaging.

- Millet : Powering a healthy life.
- Start your day with a bowl of millet.
- Millet, the grain that loves you back.
- Goodness in every grain with millet.
- Make millet a part at your daily routine.
- Go with the grain: choose millet.
- say hello to wellness with millet.
- Millet for a fitter, leaner and happier you.
- Millet, the solution to a healthier diet.
- Millet - the true super food.



Millets : Empowering Farmers, Nourishing communities.

The Journey

Falak Chugh, B.Com. IIIrd year

Tom Smith was a nice young man. He wanted a job, but he couldn't find one. Many people wanted to work, and there weren't many jobs. Tom felt sad because he never had money for clothes or the cinema. When he was younger Tom wanted to be a footballer. He was good at football, and at tennis, too. He was good at every sport. But there were other, better players. Now Tom had a new idea. He thought 'perhaps I can find job in a sports shop. I'll be happy then and I'll have money.' But it was only an idea. It never happened. He tried hard to find a job. He looked in the newspaper everyday and he wrote letters for jobs- a lot of letters. But he never found a job. One day he saw something in the newspaper about a fair in the park near his house. That will be interesting he thought. It's next Saturday. I think I'll go. Yes, I'll go.

I'm not doing anything this weekend, and it won't cost much. On Saturday Tom walked to the park and bought a ticket for the fair. It was a warm summer day. The sky was blue, and the park was very pretty. There were lots of flowers – blue, yellow, and red. Tom felt happy when he saw them. The fair was good too. There were lot of people there, and many different games. Tom played some games. He won a box of fruit and a book about sport then he bought an ice cream because he was hot and thirsty. I'm having a good day he thought. He sat down and ate his ice-cream. Now what shall I do next ? Suddenly he saw in large letters: MADAM ZELDA KNOWS THE FUTURE. Do you want to know about your future? Come in and talk to Madame Zelda .

Tom Smith thought very hard. Shall I go in? he thought. Why not? I'm not afraid of the future. Perhaps it will be interesting. Yes, I'll go in and have a conversation with Madame Zelda. So, he went in. It was very dark inside. An old woman with grey hair and a kind face smiled at Tom. Hello young man! She

spoke. 'Sit down and I will tell you about your future.' Tom sat down. The old woman looked at some cards on the table. 'Take three cards, she said. Tom took the cards and gave them to her. The woman looked at the cards for a long time. Then she spoke. She didn't smile now. Listen! She spoke. I 'have to tell you something very Important. Do not go anywhere next Friday. Make a journey next Friday and you will never arrive! Something will happen on the way. Don't forget now. I can tell you nothing more. Be careful young man. The sun was very hot on his face. He had no more money, and he wanted to go home.

I'm not afraid he thought. I don't go on journeys. I won't go anywhere next Friday. Every day is the same to me. I haven't got a job, so I don't go anywhere. But on Thursday Tom had a letter. It was an answer to one of his letters! There was a job in a town thirty Kilometers away. It was in a sports shop. The boss wanted to meet Tom the next day. Tom felt very happy. I'll have to take a train there, he thought. I can't walk thirty kilometers. Suddenly he remembered the old woman at the fair, and he felt afraid. Do not go anywhere next Friday, she told him. But what can I do? Tom thought sadly. I can't lose this job. It's too important to me. I'll have to take the train tomorrow. And what can an old woman know about the future? Nothing! But he wasn't very happy about it. And he didn't sleep well that night. The next day was Friday and Tom went to the railway station. He bought a ticket at the ticket office. The train arrived and he climbed on it. An old man sat down next to Tom.

He had a bad leg and Tom felt sorry for him. The train left the station and went through the county. A waiter came round with some food and old man bought a sandwich. Then he smiled at Tom and said Are you thirsty? I've got some tea with me. Would you like some? He's a kind man! Tom thought. I really like him. He smiled at the old man and said Thank YOU. I'm Tom Smith. Are you going a long way? But the old man couldn't answer. Suddenly there was a very loud noise and the train stopped. The people on the train were afraid. They all looked out of the window, but they couldn't see anything. Don't be afraid Tom told his new friend. Perhaps it's an accident. The guard

Remaining on Page 68

Millets : Small Grains, Big Impact.

Millets for Healthy Living

Dipanshu R. Dakhare, B.Sc. 1st Year

Millet is one of the oldest Cultivated grains in the world. Millet can be used to make bread, beer, cereal & other dishes. Millet is a staple food around the world.

Millet is rich in niacin, which helps your body manage more than 400 enzyme reactions & also important for healthy skin & organ function. Millet is also rich in potassium that supports healthy kidney & heart function. Potassium also plays a role in nerve signal transmission, which is how your brain & muscles communicate.

Millet is not a low calorie food. Some studies show that Millet can also raise your "good" cholesterol levels & lower triglycerides. Because cholesterol is such a big risk factor for heart disease. Eating Millet regularly may help keep your heart healthier

A quarter cup of dry Millet contain 18 g calories, 6 g protein, 2 g fat, 36 g carbohydrates & 4 g fiber.

Millets for Healthy Life

Sakshi B. Yelamule , B.A. 1st Year

Drought Resistant and Heat Resistant,
Millet is poor man bonanza.

High in protein, Iron and calcium
millet can substitute Rice and what well

Man soon Erratic, Rivets depleting,
Switch over to millet cultivation
And switch over to millet consumption
Are The Need Of The Hour in day Area.



Millets for Healthy Living

Sarika Ramtao Ingole, B.Com. 1st Year

Millets are a group of small seeds grasses that have been cultivated For thousands of years across many parts of the world including Africa, Asia, and parts of Europe these, grains are know for their exceptional nutritional value and hardiness, making theme on important crop for small farmers in regions where water is scarce and climate is impure. datable. millets are also know to have a low glycerin index, which makes them an ideal food for those with diabetes of those lop king to manage there blood sugar, levels the most common types of millets include me pearl mallets. Finger- millets, Foxtail millets, and proso millets among others.

So I relay request to all of us millets is most important in our life

From Page 67

looked at tom unhappily. There's a large tree Infront of the train, he said. So, this is the end journey for you. You'll have to get off train and walk-to thought, the money isn't important. I really wanted that job. And he felt very sad. Tom didn't listen to the old woman, but she was right. I won't get a job now. The old man smiled and then he laughed! Why did he laugh? Om didn't know and he felt a little angry. The old man was his friend but this was a bad day for tomtit wasn't funny! Tom couldn't speak or smile. Then he said listen to me. Tom and don't be sad. I'm a rich man. I've got a lot of shops in different towns and they're all sports shops. I want an intelligent young man to work in my new shop, It's all my biggest shop!

Will you work for me? I think I know you now. You were very kind to me on train. You're the right person for the job. What's your answer? This is wonderful. Tom said with a happy smile. This is the best day of my life, not the worst.

Moral : How astrology tells your future will not good, your good spirit can pass and win.

We never know the worth of water till the well is dry.

Let Go Off Your Stress

Pooja Kushwaha, B.Sc.Ist year

A psychology professor entered the classroom with half a glass of water in his hand. The students expected the old common question "Is it half empty or half full?" but to the surprise, he asked them 'How heavy is this glass of water I am feeling now and after few hours how heavier it will be? The answers given by the students ranged from 20 to 50 grams and will feel same after a while. But the professor replied that the actual weight of the glass doesn't always matter, but how long you hold the glass is

what matters. If you hold the glass for a minute, you won't feel much weight. But if you hold for 10 minutes you will feel a little more weight and it gets heavier for you with hours. If you hold it for the entire day, then your hands would go numb and pain. Similar in the case when you carry stress with you. The stress and worries in our life are like holding a glass of water. If you think about it for a while and leave it then there is no problem. But if you think about it for hours and hours it starts becoming a problem and it becomes worse if you sleep with it.

MORAL: You should learn to let go off your stress and never sleep with it, if you can do something about it. In other case, just leave it and work towards your goal or else it just kills your productivity and you will lose your control over the outcome of a situation.

Rain for Me

Fiza. A. Khan Rizvi, B.Sc. IInd year

I am the one who loves the rain.
Most desired to spend time in it.
But, the weather is very clever.
he makes me fool.
As it make a aura of monsoon,
It disappears soon.
Hey weather plz be kind to me.
As I miss you deeper than Seas.
You know that I'm your big fan.
Plz be a kind men.
When you showers are lovely
droplets on this greenery.
I feel like a heaven in this scenery.
Atleast shower once a week.
So that I would try to enjoy you
or seek.



Miracle

Lavanya Danao, B.Sc.Ist year

In realms unseen, where miracles dance,
Whispers of hope, in every glance.
Through darkest nights,
a guiding star, Miracles weave,
wherever we are.

In hearts burdened,
with heavy load, Miracles bloom,
along the road. A touch, a word,
a simple sign, Miracles shimmer,
divine design.

Through tears that fall, like gentle rain,
Miracles rise, washing away pain.
In every breath, a sacred call,
Miracles unfold, one and all.

So let us believe, in wonders untold,
Miracles shine, in stories old.
For in the fabric of life's grand scheme,
Miracles are more than just a dream.

Don't be greedy, it's time to be greeny

Value of Time

Roshni Kapoor, B.Sc. 1st year

Once upon a time, there was a king who was very generous and kind. He loved his people and always helped them in their needs.

One day he met his old classmate who had studied with him in a gurukul. The classmate was very lazy and poor. He had no job, no money, and no respect. He always complained about his fate and blamed others for his problems.

The king recognized his classmate and felt sorry for him. He asked him about his life and his troubles. The classmate said sadly, Oh king, I don't know why everyone says that I can't do anything. Even when I go to get a job, everyone refuses me. My enemies have told everyone that I never do any work on time. I don't understand what to do.

The king said, Let us make a deal. Before sunset, you come to my treasury and collect as much gold and gems as you can. It will all be yours. The classmate was overjoyed and thanked the king profusely.

He rushed to his home and told his wife everything. The wife was also very happy and said, Go and get the gold and gems now. Time is good for you. The classmate said, I can't go now. I am hungry. Give me lunch first. His wife quickly prepared some food and served him. He ate his lunch slowly and leisurely, thinking that he has plenty of time to kill the treasure. After finishing his lunch, he fell asleep and said, I should take a nap. I will go to the treasury after I wake up. He laid on his bed and closed his eyes. He thought he would sleep for a while, but he slept for two hours.

When he woke up, he saw that it was late in the afternoon. He picked up a few bags and went towards the king's treasury. On the way, the sun was shining brightly and he felt hot. He thought I should take some rest under a tree and then move forward.

He sat down under a tree to rest. A gentle breeze was blowing and climate was pleasant. As soon as he sat to rest, he fell asleep again. He kept sleeping for another four hours.

When he woke up, he saw that evening was approaching and the sun was about to set. He got up in a hurry and started running towards the palace. After some time, he finally reached the palace. But it was too late then. The sun had set and the palace gates had been shut before he could reach there. The lazy man was standing disappointed there. He had missed the chance to get rich because he did not value his time.

If we see in our lives, we will find that time is like wood. It is the most precious thing we have. We have only a limited amount of time in our lives, and we should use it wisely and productively. We should not waste our time on things that do not matter, but focus on things that do. We should not delay our works and tasks, but do them on time and with quality.

There is a famous saying, if you value your time, then time will value you, but if you ruin your time, then time will ruin your whole life. We can achieve anything in life by using our time wisely, but if we waste our time, we will lose our opportunities and regret later.

Learn the value of one minute from a traveller who missed his train by one minute, and learn the value of one year from a student who failed in his annual exams. Those who value their time can accomplish anything in their life, but those who do not value their time become failures in their life.

If you want to do something in your life, then never be lazy and procrastinate your work. Otherwise, one day you will regret like that lazy man who could not reach the palace before sunset. Therefore, always use your time wisely, enjoy little moments with your family and friends. By doing so, you will not only achieve your goals and dreams, but also live a fulfilling and satisfying life.



The two most powerful warriors are patience and time.

Yash's Journey : A College Adventure

Mohit S. Nandurkar, B.Com., IIIrd year

Once upon a time, there was a college student named Yash. Yash was a bright and ambitious young individual who embarked on an exciting journey through college life. From the moment Yash stepped foot on campus, they were filled with a sense of wonder and anticipation. With a backpack slung over their shoulder and a notebook in hand, Yash set out to explore the myriad opportunities that awaited them.

Yash dove headfirst into their studies, immersing themselves in subjects ranging from mathematics to philosophy. They spent countless hours in the library, poring over textbooks and engaging in spirited discussions with professors and peers alike. But Yash's college experience wasn't just

about academics. They also discovered a passion for extracurricular activities, joining clubs and organizations that allowed them to pursue their interests and connect with like-minded individuals.

Whether it was playing intramural sports, participating in student government, or volunteering in the community, Yash threw themselves wholeheartedly into every endeavor, determined to make the most of their college years. Along the way, Yash faced challenges and setbacks, from difficult exams to personal struggles. But with resilience and determination, they persevered, learning and growing with each obstacle they encountered.

As graduation day approached, Yash couldn't help but reflect on the incredible journey they had been on. They had made lifelong friends, discovered new passions, and forged memories that would last a lifetime. And as they walked across the stage to receive their diploma, Yash felt a profound sense of accomplishment and gratitude. They knew that the lessons learned and experiences gained in college would serve them well as they embarked on the next chapter of their life's journey.



The Road to Dreams

Roshni Kapoor, B.Sc. 1st year

On the journey to success, we embark,
Through valleys of doubt and peaks of stark.
With faith as our compass, we navigate,
Towards the horizon, where dreams await.

In the silence of dawn, before the day,
We gather our strength, ready to sway.
With resilience in our hearts, we rise,
Fueled by ambition, reaching for the skies.

With every setback, we learn to adapt,
Turning adversity into a stepping mat.

Through failures and falls, we persevere,
For in every challenge, success draws near.

In the tapestry of life, we weave our tale,
With determination, we never fail.
For success is not merely a destination,
But a journey of passion and dedication.

So dare to dream, and dear to strive,
For success is the fruit of the truly alive.
With determination burning bright within,
You'll conquer the world, and your story begin.

Nature provides a free lunch, but only if we control our appetites

Among The Millet

Vanshita S. Padmaginiwar, B.Com. 1st year

The dew is gleaming in the grass.
The morning hours are Seven.
And I am fain to watch you pass.
yo soft white clouds of heaven.

ye stray and gather. Part and fold;
The wind alone Can rane you;
I think of what in time of old
The Poets loved to name you.

They called you sheep. the sky your sward.
A field without a reaper:
They called the shining sun your lord.
The shepherd wind your keeper.

Your Sweetest Poets I will deem
the men of old for, moulding
The In simple beauty such a dream.
And I could lie beholding

Where daisies in the meadow toss.
The wind from morn till even.
Forever shepherd you across.
The shining field of heaven.

Poet : **Archibald Lampman**

To The Night

Saina Meshram, B.Sc. 1st year

To the night that has always loved me more than
everyone else
I love you.
You hold a magic You hold a grace.
You've seen me crying like no one else.
You've witnessed me reading like hell
You've witnessed me wandering everywhere.
You've nurtured my thoughts that I cannot tell.
You've given freedom to my thoughts that I cannot
explain.
And sometimes just sometimes you drive me insane.

The silence you hold
The secrets you keep
The calmness in you
Makes it serene.

To the night
You shine so bright
Twinkling stars that makes it right
The dreams that I see with open eyes
Shall come true one day
Lighting up my world.
Adding glitter to my life.
I love you o night
I love you o night

Women

Monika Mandal, B.Com IInd Year

In a world where dreams ignite,
Women rise with fearless might,
Their voices echo, fierce and loud,
Empowering all, breaking through the crowd.

With passion burning like wildfire,
They conquer challenges, never tire,
Breaking boundaries, reaching new heights,
Women's empowerment, a shining light.

They dance to rhythm of their own,
Creating paths yet to be known,
In every role, they excel and thrive,
Inspiring others to dare and strive.

So let's celebrate their strength and grace,
In this empowering, vibrant space,
Women united, hand in hand,
Creating a world that's truly grand.

From every corner, they make mark,
In every field they leave a spark,
With passion burning deep within,
Women rise, ready to win.

We may encounter many defeats but we must no be defeated

Struggle of Women's Life

Simran H. Sethi, B.Com. IIIrd year

Struggling alone and independently,
With all the emotions burried inside
She is a Women, She is a Girl,
She is the One and Only, Our Nation's Pride

Nurturing soul with Love,
Waking up in quiet dawn
Doing so many efforts without any Greed
She is our Pride, She is a Mother

Still not confronted the heartless world,
Struggling for her birth
She is afraid, she is in fear
She is an Unborn Baby Girl

Started learning to live in this world,
Excited, Nervous, Innocent
Devoid of the struggles ahead,
She is a Young School Going Girl

Changing her personality,
due to peer pressure
Studying the whole night,
due to Academic pressure,
Protecting her Mental Health
She is Anxious, She is Panic,
She is an Ambitious Teenage Girl

Fear is visible on her face
Anxious, Uneasy, Lonely
Looking here and there again and again
She is Vulnerable, She is Afraid,
She is a Girl in An Isolated Place

Leaving her home permanently,
Accepting the burdens of responsibility
Fear of Dowri obvious on her face
Nervous to settle at a new place
She is Worried, She is Trembling,
She is a Newly Just Married Women.



Fighting alone with the world's
abusive unknowns
Growing up her childrens alone
Struggling for her childrens alone
Missing her husband every single second
She is the Strongest, She is Fearless
She is A Widow Fighting For Her
Childrens Existence

Elder one is Responsible,
Younger one is Cheerful,
Hiding her sibling's mistake
Protecting from the people who are fake
Knows everything only in a whisper
She is an Advicer known as Sister

Everyone's Love, Everyone's Pride
Making lives Bright, Making everyone Delight
Because of her , Nothing bothers
She is affectionate Caring Daughter

She cries alone in night
But with the morning, she finds her light
She is a Women, She is a Girl
She is the ONE AND ONLY OUR NATION'S PEARL.

A Heart's Asakening

Pricilla Tatturi, B.Sc. IInd

My Lord you don't anticipate Lotus nor
Roses as offering ,
But u want my heart!
A heart of dirt
A heart of rock
A heart of filth
A heart of darkness!
Why? To turn it into a garden of Roses,
To turn it into a garden of Grapes,
To turn it into a garden where the sun
never sets,
Where the river of living water flows!
But see how foolish lam!
How lethargic lam to open the door
when u are right at my door step!

I never dreamed about success. I Worked for it. - Estee Laudes



BSC(IT) POONAM SARKAR



Drugs are like knife
which kill your entire life

माँ की ममता-पेड़ का दान, दोनों करते जन-कल्याण।

अहवाल विभाग



NATIONAL CADETS CROPS (NCC) ANNUAL REPORT OF NCC – (BOYS) 2023-24



Capt. Dr. S. G. Kannake
Associate NCC Officer

The NCC in India was formed according to the National Cadet Corps Act of 1948. It can be traced back to the “University Corps”, which was created under the Indian Defence Act 1917, with the objective to make up for the shortage in the Army. In 1920, when the Indian Territorial Act was passed, the “University Corps” was replaced by the University Training Corps (UTC). The aim was to raise the status of the UTC and make it more attractive to the youth. The UTC Officers and cadets dressed like the army. It was a significant step towards the Indianization of armed forces.

In 1948, the Girls Division was raised in order to give equal opportunities to school and college going girls. The NCC was given an inter-service image in 1950 when the Air Wing was added, followed by the Naval Wing in 1952. In the same year, the NCC curriculum was extended to include community development/social service activities as a part of the NCC syllabus. National Cadet Corps (NCC) is a youth organization under the Ministry of Defense which ensured multifaceted development of youth with a sense of duty, commitment, dedication, discipline and moral values.

NCC is a voluntary organization which recruits cadets from high schools, colleges and Universities all over India. The valuable services rendered by the cadets spread the message of national integration and unity. The NCC cadets are eager to serve during natural calamities in various parts of the country. With a disciplined and motivated youth force as the NCC, the nation is in safe hands indeed!

With the motto “**Unity & Discipline**” NCC has been the propeller in channelizing the force of the youth population of India since 1948, with three clear cut aims, such as –

1. Development of leadership, character, comradeship, spirit of sportsmanship and the ideals of service.
2. To create a force of disciplined and trained man power, which in a national emergency could be of assistance to the country.

3. To provide training for students with a view to develop in them officer like qualities, to enable them to get commission in the armed forces.

NCC provides military training to the youth and builds a ready reserve, which the Armed Forces could easily make use of in times of national emergency. There are a number of incentives that motivates students to become cadets. Besides being an additional merit while seeking to join the forces or taking up other jobs, NCC also motivates cadets to perform to their best by offering scholarships, cash awards, prizes, medals, trophies etc. Apart from service and institutional training, the cadets also participate in other activities like Community Development, Youth Exchange Programme, and Adventure Sports Training. Taking part in NCC Day, Republic day Camp etc. not only gives the students an opportunity to visit different cities/states of India but also interact with cadets from different parts of the country.

ENROLLMENT OF FIRST YEAR CADETS:

In the academic year 2023-2024 in all 108 cadets were enrolled, 25 for the third year, 27 for second year and 56 for the first year. Like every year, this year also the enrollment of first year cadets was done on 8th August 2023. The Cadets of class XI, B. A. I, B. Com. I and B. Sc. I, BCCA I, were given a chance to enroll themselves in first year. 56 deserving cadets were enrolled, based on their physical fitness, medical, written test, interview, personality, attitude, communication skills, leadership qualities and eligibility criteria of enrollment of first year cadets provided by the 21/MAH/BN/NCC/WARDHA. Selection of cadets was done by Officials from 21/MAH/BN/NCC/WARDHA.

REGULAR NCC PARADES:

Regular parades were conducted from July 2022 and it is mandatory for the senior division NCC cadets to undergo 80 hours training in every training

पर्यावरण है अगर बचाना, हरीतिमा संवर्धन अपनाना।

year from June to March. Based on the above, the NCC parade classes were conducted regularly on Monday, between 07.00 am to 09.00 am and on Tuesday between 07.00 am and 09.00 am. During these parade classes, the cadets were trained in Drill, Weapon Training, Rank Structure, Discipline, Communication, Personal Hygiene, Field Craft, Battle Craft, Fire Fighting, Security, First Aid etc and their syllabus for A, B and C certificate examination. Hence,

character building, friendship, comradeship, confidence, leadership, patriotism, honesty, punctuality, sense of readiness and sense of responsibility are few of the qualities which young students develop through this training.

NATIONAL FESTIVALS:

On 26th January 2024 our tri color flag was hoisted by Hon. Principal, Dr. P.M. Katkar and before flag hoisting NCC cadets give him guard of honour. With their smart turnout and drill they won the hearts of spectators leaving a lasting impression on their minds.

This year Republic Day Parade of our college is commanded by the girl cadet **SUO. Samiksha Ambatkar**. She etched her name in the history of Sardar Patel College, because she is the first girl cadet who became a parade commander. Every NCC cadets dreamt to be a parade commander of this flawless parade and SUO Samiksha Ambatkar got this opportunity to fulfill her dream.



Guard of Honour to Principal Dr. P. M. Katkar



Parade Commander SUO Samiksha Ambatkar Saluting to the Principal Dr. P. M. Katkar

माँ की ममता-पेड़ का दान, दोनों करते जन-कल्याण।



Flower welcome to Principal Dr. P. M. Katkar by Parade Commander SUO Samiksha Ambatkar



All this Cadets received Medals for their outstanding contribution in 2023-24

वृक्ष पानी और शुद्ध हवा, जीवन रक्षा की अनमोल दवा।



Felicitated Master trainer Ex Cadets SUO Aniket Hajare and JUO Ritik Girsawale



Hivraj Durve Constable in BSF

RDC Return SUO Nilesh Adhikari



SUO Priti Deurmale Felicitated the Jury of March Pass Parade 26th January 2024 by giving Memento

वृक्षा रोपण एक परम पुनीत कर्तव्य एवम् अनिवार्य उत्तरदायित्व है।

TRAINING ACTIVITIES OF NCC AND NCC OFFICER FOR THE YEAR 2023 – 2024 NATIONAL & SOCIAL SERVICES:

1) **Meri Maati Mera Desh** – This program provides initiatives to honour and felicitate the different armed forces and freedom fighters who protect nation and different families in India. A fundamental aspect of the program is to express heartfelt gratitude to all the brave hearts who have

made the supreme sacrifice. According to the direction given by Joint Director, Department of NCC, organize Oath program on 9th August 2023 at 10.00 am under the title, **Meri Maati Mera Desh**. In this program Principal Dr. P. M. Katkar, Vice- Principal Dr. S. Madhamshettiwar, Capt. Dr. Satish Kannake, all the staff members, 70 NCC Cadets and other college students had taken oath.



Principal Dr. P. M. Katkar, Vice Principal Dr. S. Madhamshettiwar, Capt Dr. S. G. Kannake, Teaching Staff, Non Teaching Staff, NCC Cadets and College Students had taken oath.

पर्यावरण संरक्षण, एक परम पुनीत पुण्य एवम् सर्वोपरि कर्तव्य है।

2. Har Ghar Tiranga: In the year 2023 government of India run 'Har Ghar Tiranga' a campaign under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav to encourage, to bring the Tiranga home and to hoist it to mark the 75th Year of India's Independence from 13th August to 15th August 2023. The idea behind the initiative is to invoke the feeling of patriotism in the

hearts of the people and to promote awareness about the Indian National flag. The Tri-color is a symbol of pride for every Indian. It represents national integrity and signifies the hopes and aspirations of the Indian people. Under this program College staff and 91 NCC cadets participated and hoisted the flag in college.



Principal Dr. P. M. Katkar, Vice Principal S. V. Madhamshettiwar, Capt. Dr. S. G. Kannake, Lt. Kanchan Ramteke, Staff Members and NCC Cadets participated in Har Ghar Tiranga.

3. World Environment Day -According to the instruction given by NCC office of 21 MAH BN NCC Wardha, Department of NCC has organized program of Mission Life Lifestyle for the Environment, World Environment Day is celebrated on 24th May 2023. The

theme for this program is '**Solution to Plastic Pollution**'. It is a reminder that people's action on plastic pollution matters and 30 NCC cadets had taken oath.

वृक्षों के परिधान, पृथ्वी माता की शोभा है।



NCC UNIT OF CHANDRAPUR
21 MAH BN NCC, WARDHA
 MISSION LIFE
 LIFESTYLE FOR THE ENVIRONMENT
WORLD ENVIRONMENT DAY
 Date :- 24 May 2023 Time :- 11.00 A.m.
VENUE: SARDAR PATEL MAHAVIDYALAYA, CHANDRAPUR



Dr. P. R. Shende, Capt. Dr. S. G. Kannake, Lt. Kanchan Ramteke, Third Officer Vinod Edlawar, Mr. Rajesh Ingole and NCC Cadets has taken Oath 'Say No to Plastic'

अपने जीवन में प्रकृति का प्रवेश होने दीजिए।

4. International Yoga Day – International Yoga Day has been celebrated across the world annually on 21 June since 2015, following its inception in the United Nations General Assembly in 2014. Yoga is a physical, mental and spiritual practice which originated in ancient India. According to the orders of

Govt. of India and NCC Group Head Quarter Nagpur, this year also **International Yoga Day** was celebrated in Janata Mahavidyalaya, Chandrapur on 21st June 2023 and 22 cadets of S. P. College, Chandrapur participated in this program.



Yoga Teacher Vijay Wankhede, Capt. Kishor Thakre, Capt. Dr. S. G. Kannake, Teaching Staff, Non Teaching Staff and 22 NCC Cadets participated in International Yoga Day.

जो वृक्षा रोपण करता है, वह तीसरा हजार पितरों का उद्धार करता है।

5. Ek Tareekh Ek Ghanta Ek Saath - Prime Minister Narendra Modi has called on people across India to participate in a one-hour voluntary labor initiative for cleanliness on October 1st. The initiative, called Ek Tareekh Ek Ghanta Ek Saath (One Date One Hour Together), aims to pay tribute to Mahatma Gandhi on his birth anniversary. Garbage vans will make announcements and play jingles to encourage mass participation, and special mobile caller tunes will

be launched. Citizens from all walks of life are invited to join in cleaning public places such as markets, railway tracks, water bodies, tourist locations, and religious places. Accordingly in our college our Principal Dr. P. M. Katkar, Vice Principal Dr. S. V. Madhamshettiwar, Capt. Dr. S. G. Kannake, Teaching, Non Teaching staff, College Students and NCC Cadets participated in this cleanliness campaign and clean our college premises.



Principal Dr. P. M. Katkar, Vice Principal Dr. S. V. Madhamshettiwar, Capt. Dr. S. G. Kannake, Teaching, Non Teaching staff, College Students and NCC Cadets cleaning the premises.

जो मनुष्य वृक्ष लगाता है, वे वृक्ष परलोक में उसके पुत्र बनकर जन्म लेते हैं।

6. World Sexual Harassment Day – On 2nd September 2023, Chandrapur Medical Association has organized Rally on the occasion of World Sexual Harassment Day from Gandhi Chowk to Priyadarshani sabha gruha. Hon. Judge S. V. Joshi (DLSA) District Legal Srvices Authority, Chandrapur delivered his speech on the occasion. Dr. Mangesh

Gulwade, Dr. Kalpana Gulwade, Dr. Manisha Ghate of Chandrapur Medical Association present on the rally as well as program. From our college Capt. Dr. S. G. Kannake, Prof. Sunil Chikte, Prof. Amol Kutemate, Prof. Dhanraj Murkute and 33 NCC cadets participated in rally and concluding program.



Rally from Gandhi Chowk to Priyadarshani Square, Hon. Judge S. V. Joshi delivering his Speech on the occasion of World Sexual Harassment Day

वृक्षारोपण आंदोलन चलाएँ, अधिकाधिक सब वृक्ष लगाएँ।

TRAINING ACTIVITIES OF NCC AND NCC OFFICER FOR THE YEAR 2023 – 2024

1. 21 Cadets had participated in **CATC – 603 Camp** held at **BD Engineering College, Sewagram** from 12th June to 30th June 2023.
2. 02 Cadets had participated in **TSC (B)** – held at **BD Engineering College, Sewagram** from 12th June 2023 to 30th June 2023.
3. 16 Cadets had participated in **CATC – 606 Camp** held at **BD Engineering College, Sewagram** from 5th July to 14th July 2023.
4. 14 Cadets had participated in **CATC – 610 Camp** held at **BD Engineering College, Sewagram** from 19th July to 28th July 2023.
5. 04 Cadets had participated in **Pre RDC Camp** held at **OTA Kamptee** from 28th August to 17th September 2023.

6. 01 Cadets had participated in **Pre RDC Camp** held at **OTA Kamptee** from 8th September to 9th September 2023.
7. 08 Cadets had participated in **Army Attachment Camp** held at **OTA Kamptee** from 3rd October to 14th October 2023.

CERTIFICATE EXAMINATION:

In this academic year college has given an opportunity to arrange the 'C' Certificate examination. On 17th February 2024 practical and on 3rd March 2024 written held in our college in which over all **224** cadets have been appeared for the examination from 21/MAH/BN/NCC/WARDHA, 20 MAH BN NCC Nagpur and 3 GIRLS/BN/NCC/NAGPUR. The 'C' certificate examination is presided over by Col. C. S. Solanki, Group Commandant NCC Group HQ, Nagpur and the board members Major Edidya present over there.



Principal Dr. P. M. Katkar welcomes the Presiding Officer Col. C. S. Solanki, Reporting of 'C' certificate Examination and Practical Exam.

पेड़ों से वायु और वायु से आयु।



C Certificate Written Examination on 3rd March 2024, Presiding Officer Col. C. S. Solanki

Under the kind guidance of Hon. Sudhatai Potdukhe and under the kind administration and effective leadership of honorable Principal Dr. P. M. Katkar the various activities have been carried out during the entire session. SUO Sandesh Satpute, JUO Akshay Gatade, CHM Vishal Potraje, JUO Sachin Waghade and many other cadets and our staff members have rendered their services for the grand success of the activities throughout the session.

Capt. Dr. S. G. Kannake
Associate NCC Officer

वृक्ष ही ऊर्जा संकट का समाधान है।

GLORIOUS CADETS OF 2023-24



SUO
Sandesh Ganpati Satpute



CSM
Vishal Anil Potraje



JUO
Akshay Satish Gatade



JUO
Sachin Kushabrao Waghade

Best in Drill



Cdt. Roshan Kistaya Nagose

Best Cadet of the Year



Cdt. Mohit Vinod Jengathe

वृक्ष लगाना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

NATIONAL CADETS CROPS (NCC) ANNUAL REPORT OF NCC - (GIRLS) 2023-2024



Lt. Kanchan R. Ramteke
Associate NCC Officer

The NCC of Independent India was formally inaugurated by the National Cadet Corps Act of 1948 on 15 July 1948 with only 20,000 cadets. It was then envisioned to empower volunteer youth to become potential leaders and responsible citizens. NCC was the first organization to include Girls Division in 1949 and adopted tri-service Image by adding Air Wing in 1950 followed by the Naval Wing in 1952.

Over the past 75 years, NCC having preserved its ethos of 'Unity and Discipline' and 'Ek Bharat Shresth Bharat' has emerged as the largest uniform volunteer organization with 17 Lakh sanctioned strength over 21,000 school / college / Institutes. The presence of NCC across the length and breadth of the country has created a vast human resource of disciplined, trained and motivated youth to provide leadership in all walks of life and be available for the service of the nation. The contribution of NCC during the Wars and National Emergencies is well documented as 'Second line of Defense'.

NCC is a platform where cadets are provided with national level recognition and under its youth exchange programme selected cadets also gain international exposure. The NCC alumni have been successful in all fields of endeavors and the formation of NCC Alumni Association further serves as an inspiration to the young cadets. Ushering into future, NCC remains committed to develop character qualities, mold discipline in youth and nurture social integration through multi-faceted programs conducted in a military environment.

In our College NCC girls unit had started since 1978. Our troop comes under 3MAH/Girls/Bn/NCC/Nagpur and the group head quarter at Nagpur. Our NCC cadets are fulfilling the objectives and making the difference from other students. Camps are organized periodically and here the cadets are encouraged and initiated the exhibit whatever talent they have in store.

ENROLLMENT :

Enrollment of first year cades in a academic year 2023-24 80 cadets were enrolled, 16 for third year, 19 for second year and 45 for the first year also the enrollment of first year cadets was done on 12 August 2023 by PI Staff of 3MAH/Girls/Bn/NCC/Nagpur.

REGULAR NCC PARADES :

Regular parades were conducted from August, 2023 and it was mandatory for the senior wings NCC company cadets to undergo 80 hours training in every training year from march to June. The NCC parade were conducted regularly on Monday & Tuesday between 7.00 am to 9.00 am. During these parade the cadets were trained in Drill, weapon Training, communication skill, Discipline, personal hygiene, field craft, & Battle craft,, security and safety, first aid etc. and their syllabus for 'A', 'B' & 'C' certificate examination.

NATIONAL FESTIVALS :

On 26th January, 2024 our Tri colour flag was hoisted by Hon. Principal, Dr. P. M. Katkar and before flag hoisting NCC cadets has given him guard of honor. With their smart turnout and drill they won the hearts of spectators leaving a lasting impression their minds. Every year we felicitated the senior cadets, best in drill, best cadets of the year and Ex-cadets who trained our cadets by giving medals to them.

ACHIEVEMENT :

- **SUO Samiksha D. Ambatkar** has represented our college up to Pre- RDC CAT VIGC Pune.
- **JUO Soundarya L. Bandiwar** Has participated in Thal Sainik Camp IGC At Kolhapur from 10th Aug.2023 to 19th Aug. 2023.

- JUO Jainab A. Khan had participated in ARMY Attachment Camp AtKamptee from 13th Feb. 2023 to 26th Feb 2023
- SUO Mayuri A. Alam and SGT. Smruti Mohurle had participated in 'EK Bharat Shresth Bharat' camp at Jalgoan from 27th Oct. 2023 to 7th Nov. 2023.

NATIONAL & SOCIAL SERVICES :

- According to the orders of Govt. of India and NCC Group Head Quarter Nagpur, due to Covid-19 this year celebrated **International Yoga Day** in their respected places on 21st June, 2023.
- On 13th Sept., 2023, **Blood Donation Camp** was organized jointly by NCC Department, NSS department and Health Department of our College in which our 2 girl cadets donated their blood.
- On 26th November, 2023, **Oath of Preamble of Indian constitution** was organized at College ground.

CERTIFICATE EXAMINATION :

In the academic year this college has given an opportunity to arrange the 'C' Certificate examination. On 17th & 18th February, 2024 held in our college in which over all **232** cadets have been appeared for the examination from 21 / MAH / Bn / NCC / Wardha, 20 / MAH / Bn / NCC / Nagpur and 3MAH / Girls / Bn / NCC / Nagpur. The 'C' certificate examination is presided over by Group Capt. M. Kalim, Group commandant NCC Group HQ, Nagpur and the members of the board are Col. C. S Solanki , Commanding Office, 3Eng / BN / NCC /Nagpur and Major Aaditya Administrative Office, 2MED / BN / NCC /Nagpur.

Under the kind guidance of Hon. Sudhatai Potdukhe and under the kind administration and effective leadership of Honorable Principal Dr. P. M. Katkar the various activities have been carried out during the entire session. SUO Samiksha Ambatkar, SUO Mayuri Alam, JUO Soundarya Bandiwar, JUO Jainab Khan and CSM Sadhana Yadav and many more cadets of our staff members have rendered their services for the grand success of the activities throughout the session.



GLORIOUS OF NCC 2023-24

SUO



SAMIKSHA D. AMBATKAR

SUO



MAYURI A. ALAM

JUO



SOUNDARYA BANDIWAR

JUO



JAINAB A. KHAN

CSM



SADHANA YADAV

BEST CADET OF THE YEAR



PALLAVI CHAPLE

BEST IN DRILL



DIVYA NAHGAMKAR





Ncc 1st Year Cadet Troop Received Best Platoon Trophy on The Occasion of 26th January, 2024 on Republic Day Pared.



Juo Soundarya Bandiwar Received Best Cadet Memento For IGC TSC Fellicated By Hon. Smt. Sudhatai S. Potdukhe (President SPM), Vice-principal Dr. S. M. Madhamshettiwar And Prof. C. J. Khairwar



On 26th January, 2024 Republic Day Pared March Pass And Saluting To The Principal Dr. P. M. Katkar And Capt. S. G. Kannake By Pared Commader SUO Samiksha Ambatkar



Best Platoon Trophy 2024

Suo Samiksha Ambatkar With Nagpur Group Participated In RDC IGC Cat V At Pune



“Ek Bharat Shreshtha Bharat” Camp At Jalgaon Suo Mayuri Alam And Sgt. Smriti Mohurle Has Participated

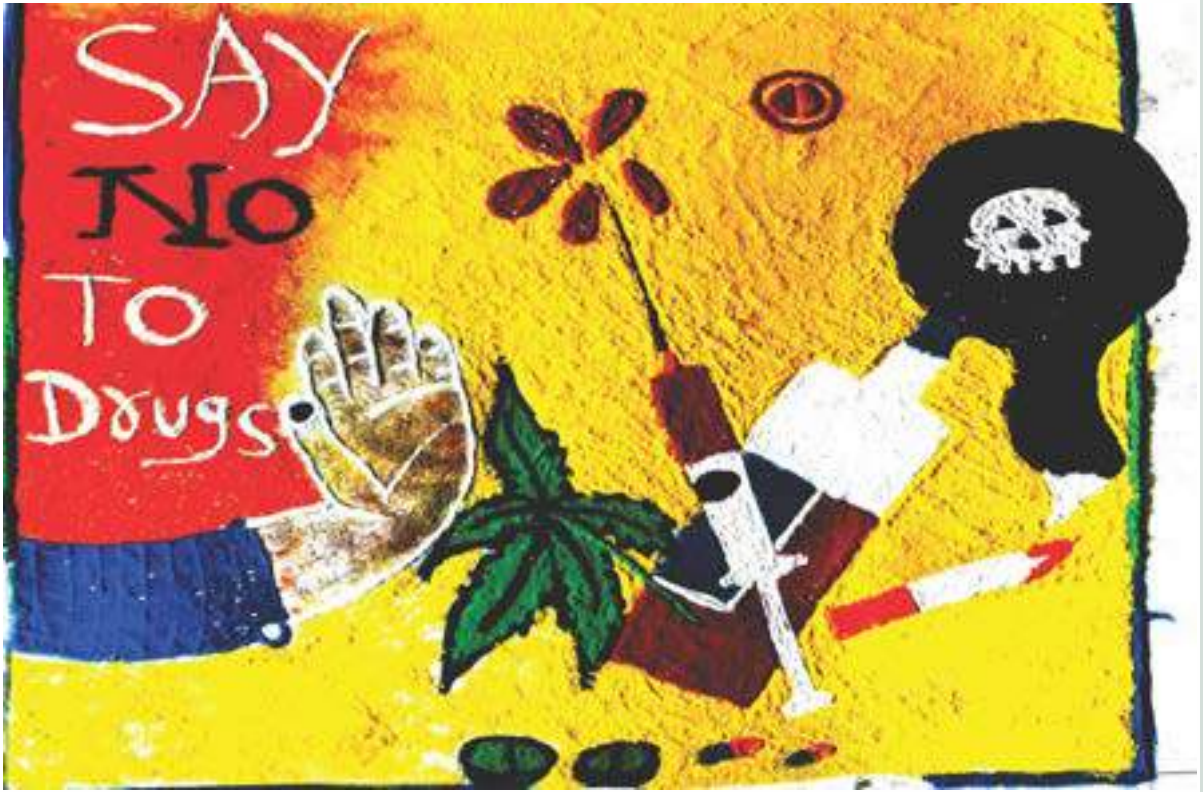


Nagpur Group of TSC IGC Secured 1st Position In Tent Pitching Competition In Presece of Kolhapur Group Comm. Col. Nagendra Pillai



“C” Certificate Examination 2023-24 At Sardar Patel Mahavidyalaya, Chandrapur





ग्लोबल वार्मिंग से खतरे हैं भरपूर, पर्यावरण की रक्षा से कर सकते हैं दूर।

NATIONAL SERVICE SCHEME ANNUAL REPORT 2023-2024



डॉ. कुलदीप आर. गोंड
कार्यक्रम अधिकारी



डॉ. उषा खंडाळे
कार्यक्रम अधिकारी

Academic session 2023-2024 In the beginning, the nomination process of the male and female students who want to participate in the National Service Scheme Team was completed on behalf of the National Service Scheme Team. Students should develop interest in doing social work. Cultivate the spirit of hard work. A sense of service should be created. Volunteers were introduced to various aspects of the National Service Scheme to build dignity of labor and to introduce them to rural life. He was inspired in this through various media.

21st JUNE 2023 "INTERNATIONAL YOGA DAY"

'International Yoga Day' was celebrated with great enthusiasm in Sardar Patel College here on 21st June. Meanwhile, Yoga is one of India's gifts to the world. Today, Yoga Day is being celebrated all over the world and Dr. P. M. Katkar, Principal of Sardar Patel College, asserted that through yoga one can maintain good emotional, mental and physical health.

On the occasion of International Yoga Day, yoga training and guidance was organized for the college professors, non-teaching staff and students

organized by the Physical Education and Sports Department of the college and the National Service Scheme Department at Shantaram Potdukhe Hall of Sardar Patel College here. He was talking at that time. Yoga training camp trainer and guide Kailas Ghumde, college vice principal Dr. Swapnil Madhamshettywar, Vice Principal of Junior College Prof. C.J. Khairwar, Head of Physical Education Department Dr. Vijay E. Dr. Somkuvar, Radio Program Officer. Kuldeep R. Gond, Dr. Usha Khandale, Director of Shri Shankarao Bezalwar College, Aheri. Pushpanjali Kamble was mainly present.

University professors, non-teaching staff, RSEO volunteers, athletes and students participated in this activity and performed yoga. Yoga teachers told the importance of yogasanas on this occasion. Complementary movements, sun salutations, pranayama, meditation and various yogas were performed on this occasion. Scientific training determined by the Central Government was also given on this occasion.



पृथ्वी फूलों में हँसती है।



सरदार पटेल महाविद्यालयात 'योग दिन' उत्साहात साजरा...

योगामुळे आपले भावनिक, मानसिकसह शारीरिक आरोग्य
चांगले राखू शकतो - प्राचार्य डॉ.पी.एम.काटकर

चंद्रपूर - येथील सरदार पटेल महाविद्यालयात २१ जून रोजी 'जागतिक योग दिन' मोठ्या उत्साहात साजरा करण्यात आला. दरम्यान योग ही भारताने जगाला दिलेली एक भेट आहे. आज संपूर्ण विश्वात योग दिन साजरा केला जात असून योगामुळे आपले भावनिक, मानसिक, शारीरिक आरोग्य चांगले राखू शकतो असे प्रतिपादन सरदार पटेल महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ.पी.एम.काटकर यांनी येथे बोलताना केले. येथील सरदार पटेल महाविद्यालयातील शांताराम पोटदुखे सभागृहात जागतिक योग दिनानिमित्ताने महाविद्यालयाच्या शारीरिक शिक्षण व क्रीडा विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना विभागाद्वारा आयोजित महाविद्यालयीन प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी व विद्यार्थ्यांसाठी योग प्रशिक्षण व मार्गदर्शनाचे आयोजन करण्यात आले होते. त्यावेळी ते बोलत होते. कार्यक्रमाला योग प्रशिक्षण शिबिराचे

प्रशिक्षक व मार्गदर्शक कैलास धुमडे, महाविद्यालयाचे उपप्राचार्य डॉ. स्वप्नील माधमशेट्टीवार, कनिष्ठ महाविद्यालयाचे उपप्राचार्य प्रा.सी.जे. खैरवार, शारीरिक शिक्षण विभागप्रमुख डॉ. विजय ई. सोमकुबर, डॉ. कुलदीप अर. गोंड, डॉ. उषा खंडाळे, अहोरी येथील श्री शंकरराव बेडालवार महाविद्यालयाच्या संचालिका डॉ. पुष्पांजली कांबळे हे प्रामुख्याने उपस्थित होते. महाविद्यालयीन प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी, रसेचोचे स्वयंसेवक, खेळाडू आणि विद्यार्थ्यांनी या उपक्रमात सहभागी होऊन योगासने केलीत. योग शिक्षकांनी योगासनांचे महत्त्व यावेळी सांगितले. यावेळी पूरक हालचाली, सूर्यनमस्कार, प्राणायाम, ध्यान आणि विविध योगासने करण्यात आलीत. केंद्र सरकारतर्फे निश्चित केलेले शासगुट प्रशिक्षणही यावेळी देण्यात आले. दरम्यान सर्वोदय शिक्षण मंडळाच्या अधिका सुधाताई पोटदुखे, कार्याध्यक्ष अरविंद सावकार पोरैड्वीवार, उपाध्यक्ष सुदर्शन निमकर, सचिव प्रशांत पोटदुखे, सहसचिव डॉ. किर्तीवर्धन दीक्षित, कोषाध्यक्ष मनोहर तारकुंडे, सगुणाताई तलांडी, राकेश पटेल, एस. के. रमजान यांनी उपरोक्त उपक्रमाबद्दल शुभेच्छा दिल्यात.



10th July 2023 Tree Plantation Program

In today's times to prevent the possible threat of pollution and global warming, tree planting is the need of the hour to maintain the balance of the environment through tree conservation and tree care. Sardar Patel Mahavidyalaya Chandrapur, Shantaram Potdukhe Law College Chandrapur, Department of National Service Scheme and Chandrapur City Municipal Corporation jointly organized a tree plantation program on 10th July 2023 in the area of Shantaram Potdukhe Law College. During the tree plantation program, the president was speaking in this tree plantation program. Principal of the college Dr. Pramod M Katkar, Principal of Sharad Pawar College, Gadchandur, Dr. Sanjay Singh Principal of Shantaram Potdukhe Law College, Dr. Ejaz Shaikh, Chandrapur City Municipal Corporation Mr. Geetha Musamwar, Mr. Shubham Koram, NSS Program Officer Dr. Sarojkumar Dutta, Dr. Kuldeep R. Gond, Dr. Usha Khandale, Dr. Vandana Kanke, Dr. Purushottam Mahore, Dr. Nikhil Deshmukh, Teachers, Non-Teaching Staff and National Service Scheme Volunteers were present in large numbers in this tree plantation program..

हम मनुष्य के बनाये कानून तोड़ सकते हैं, पर प्रकृति के नियमों को नहीं।



9th August 2023 “Taking program under Meri Mati Mera Desh Mati Ko Naman Veero Ko Vandan”

Organized by Sardar Patel Mahavidya Chandrapur National Service Scheme Department, under Meri Mati Mera Desh Mati Ko Naman Veero ko vandan on 9th August 2023. Oath was taken to create awareness love and literacy among the citizens about their soil and to honor the heroes who fought for the motherland and gave their lives for it. In this swearing-in ceremony, Principal of mahavidyalaya Dr. Pramod Katkar, Vice principal Dr. Swapnil Madhamshettiwar, Program Officer of the National Service Scheme, teachers, faculty members, staff, Rashtriya Swayamsevak students were present in large numbers.



हर फूल प्रकृति में खिली आत्मा है।

Tree Plantation and Amritvatika creation program at adopted village Visapur on 11th August 2023 under “Meri Mati Mera Desh” Mati Ko Naman – Viro ko Vandan

Sardar Patel College Chandrapur National Service Scheme Department conducted tree planting and Amritvatika creation program at Visapur Gram Panchayat under Meri Mati Mera Desh Matiko Naman Veero Ko Vandan during this program 75 trees were planted in this program.

Meri Mati Mera Desh Mati Kon Vandan Abhiyan is going to be conducted throughout the

country and state during the concluding program of Azadi Ka Amrit Mahotsav program on August 9, 2023. Under the same program organized by the National Service Scheme Unit of the College at the adopted village Visapur in this program Shri Prashant Potdukhe Secretary of Sarvodaya Shikshan Mandal, Principal of the College Dr. P.M Katkar, Sarpanch of Visapur Gram Panchayat Sau.Varshatai Kulmetha, Mr. Ankeshwar Meshram Member of Visapur Gram Panchayat, Program Officer Dr. Kuldeep R. Gond, Dr. Usha Khandale, Dr. Purushottam Mahore, Dr. Nikhil Deshmukh of National Service Yojana and Visapur villagers were present in large numbers.



29th August 2023 National Sports Day

National Sports Day was celebrated in Sardar Patel College on the occasion of the birth anniversary of hockey wizard Major Dhyan Chand. To mark the birth anniversary of hockey wizard Major Dhyan Chand, the portrait of Major Dhyan Chand was

garlanded by the principal of the college, Dr. PM Katkar, at the Late Rajeswarrao Potdukhe Open Theater of the college organized by the Department of Physical Education and Sports and the Department of National Service Schemes.



सभी चीजें कृत्रिम है, क्योंकि प्रकृति ईश्वर की कला है।

National Service Scheme Foundation Day.....

Meri Mati Mera Desh Amrit Kalash Collection Program at Sardar Patel Mahavidyalaya Chandrapur 25th September 2023

The National Service Scheme Foundation Day and Meri Mati Mera Desh Amrit Kalash program was recently conducted by the National Service Scheme Department of Sarvodaya Shikshan Mandal of Sardar Patel College here. The program was presided over by College Principal Dr PM Katkar, Vice Principal Dr Swapnil Madhamshetiwar, National Service Scheme Program Officer Dr Kuldeep R Gond, Dr. Usha Khandale, Dr. Purushottam Mahore, Dr. Nikhil Deshmukh, Dr. Vandana Khanke, and volunteers of National Service Scheme were present in large numbers. On the occasion of NSS Foundation Day volunteers who did excellent work were honored with badges of honor and collective amrit kalash was collected under Meri Mati Mera Desh. On this occasion, Selfie <https://selfiwithmerimati.in/photo> uploaded photos to this portal.



Swachhta hi Seva Mission in Sardar Patel Birth College 1st Oct 2023

In Sardar Patel College, Swachhta hi Seva Mission was implemented under the leadership of Dr. P. M. Katkar, Principal of the College On the occasion of Swachh Bharat Day 2023, 2nd October is celebrated as Swachh Bharat Diwas in commemoration of the birth anniversary of the Father of the Nation Mahatma Gandhi. According to the instructions of the central government to carry out a cleanliness campaign through labor donation for cleanliness in a broad form in the country, the National Service Scheme Department of Sardar Patel College, Dr. Pramod Katkar, Principal of the college, Dr. Swapnil Madhamshettiwar, National Scheme Program Officer Dr. Kuldeep R.Gond, Dr. Usha Khandale, Dr. Nikhil Deshmukh, Dr. Vandana Khanke, Teachers, Wide teachers staff and volunteers of National Service Scheme attended in large numbers and cleaned the entire campus of the college.



प्रकृति में गहराई से देखिए तो आप हर एक चीज बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।



Workshop on National Service Scheme at Sadar Patel Mahavidyalaya 3rd Oct 2023

There used to be social harmony, but now in this modern age it has crumbled. While asserting the need to re-establish it, the Vice-Chancellor of Gondwana University Dr. Gondwana University Vice-Chancellor Dr. Given by Prashant Bokare.

He was speaking at the inauguration of the joint annual planning workshop of Principal and National Service Scheme Program Officer organized jointly by Gondwana University and National Service Scheme Department of Sardar Patel College here. Senior social worker Dr. N. D. Patil, Principal Dr. P. M. Katkar, Guide Ravindra Kaskhedikar, Principal Dr. Jayesh Chakraborty, Director, Gondwana University RASEO, Dr. Dr. Shyam Khandale, Chandrapur District Coordinator, Dr. Vijaya Gedam, Gadchiroli District Coordinator, Sriram Gahane Divisional Coordinator, Dr. Usha Khandale, Vice Principal Dr. Swapnil Madhamshettiwar was mainly present.

Speaking on this occasion, Vice Chancellor Dr. Prashant Bokare said that Chandrapur and Gadchiroli districts are spread widely. There is a need to bring those who have studied up to 10th and 12th standard in the rural areas of this district into the thread of higher education. For that, it is important to collect information from about 2,600 villages in these two districts. He said that it is also necessary to see how the condition of the dam built last year through the National service Scheme is today and energy and time should not be wasted.

The National Service Scheme is the second largest voluntary organization after the Red Cross. It is a great medium for personality development. In today's age of information and technology, the alienated society has to be reformed as before D. patil did.

Speaking on this occasion, Principal Dr. P.M Katkar said that even before the existence of Gondwana University, the performance of National Service Scheme is good and there is a need to implement new national activities through this.

On the occasion, National Award winning National Service Scheme Program Officer and Divisional Coordinator Dr. Pawan Naik and National Service Scheme Volunteer Janvi Peddiwar were felicitated on behalf of the college. Introduction of the Dr. Vijaya Gedam managing Director, Program Officer Dr. Kuldeep R. Gond and thanked done by Dr. Purushottam Mahore. After this, the principal and program officer present in the two sessions on 'Accident Free India' and National Service Scheme Grant in the University' were addressed by Ravindra Kaskhedikar and Dr. Speaker Shyam Khandale guided.

For the successful organization of this workshop, Gondwana University National Service Scheme Department Director Dr. Shyam Khandale, Chandrapur District Coordinator Dr. Vijaya Gedam, Gadchiroli District Coordinator Dr. Sriram Gahane National Service Scheme Program Officer Kuldeep R. Gond, Dr. Usha Khandale, Dr. Rajkumar Biradar, Dr. Vandana Giradkar, Dr. Nikhil Deshmukh worked very hard.

अपनी जड़ों की गहराइयों में सभी फूल प्रकाश रखते हैं।



31st October 2023 National Unity Day

On October 31, 2023 Sarvodaya Shikshan Mandal-run Sardar Patel College Chandrapur organized by the National Service Scheme Department on the occasion of Sardar Vallabh Patel's birth anniversary, a large number of college professors, teaching staff and volunteers of the National Service Scheme were present in taking oath on



प्रकृति को अपना शिक्षक बनाओ।

Inaugural Program of NSS College Special Camp

Sudhatai Potadukhi, President of Sarvodaya Shikshan Mandal said that the development of the country includes the principle of development of the country and that the development of the village will lead to the development of the country.

She was speaking on behalf of the National Service Scheme Department of Sarvodaya College run by Sarvodaya Shiksha Mandal, where a week-long special college camp was organized at Indira Secondary School and Indira Gandhi Higher Secondary School at Varud Road in Rajura Taluka on the concept of Rural Development and Youth Power for Developed India.

The camp was inaugurated by Sudarshan Nimkar, the vice president of the institute, on this occasion the secretary of the institute, Prashant Potdukhe, Dinesh Patel, the principal, Dr. PM Katkar, the vice-principal, Dr. Swapnil, medium, Shettiwar, Sarpanch of Varud village, Ganpat Chitra G 15, Sub-Sarpanch winner, Balaji Karamankar, Principal, Praveen Dhote, Sarpanch of Sakharbai village, Nashdai Borkute, Sarpanch of Tembhurwai village, Ramkrishna Madavi Varud Village, Bandu Ghongde, Ganesh Karamankar, Bebitai Dhanorkar, Abaji

Dhanorkar, Baburao Kewalwar were mainly present.

Speaking on the occasion, Sudarshan Nimkar said that through the National Service Yojana camp, urban students get to know the rural culture, sanitation, health and voter registration in the village are essential matters and he praised the work done in the villages by the previous camps through the National Service Yojana.

Principal Dr. PM Katkar said that National Service Yojana camps are needed to develop well-rounded personality along with book knowledge and appealed to the villagers to take advantage of the camp and hoped for cooperation from the villagers.

Sarpanch Ganpat Chittraji Pandhare also guided on this occasion. After the inauguration, a cultural program was organized jointly by Shibiratri Parliament and students of Indira Vidyalaya and Indira Higher Secondary School.

Dr. Kuldeep Gond prefaced it and Dr. Purushottam Mahore gave the vote of thanks. Dr. Usha Khandale, Dr. Rajkumar Biradar, Dr. Vandana Khanke, non-teaching staff, Dashrath Kamatwar, Sasikala Pardhi, Hanumant Dombare, Amar Verulkar of National Service Yojana worked tirelessly for the successful organization of the program.



विराट प्रकृति ज्ञान की पुस्तक है।



From January 8 to January 14, 2019, campers studying yoga and dance in the college special camp of National Service Scheme at Warur Road village.



Campers and villagers participating in Sickle Cell and Diabetes BP Testing Camp on the occasion of World Youth Day at National Service Yojana College Special Camp at Warur Road village on January 12, 2024



Campers cleaning the village during the National Service Scheme College Special Camp at Varur Road village from 11th January to 13th January 2024.

हरित क्रान्ति से जुड़े ।



Campers cleaning the village during the National Service Scheme College Special Camp at Varur Road village from 11th January to 13th January 2024.



On the occasion of World Youth Day Ayushman Bhava Health Care Card Camp, campers and villagers making health card at National Service Scheme College Special Camp from 12th January onwards.



From January 9th to January 10th, 2024, in the National Service Scheme College Special Camp, Varur Road village, the campers were conducting a University survey in your village.

वृक्ष आपका मित्र है।



On 24th January 2019, in the National Service Scheme college special camp in Warur Road village, the campers were conducting a voting awareness rally for the villagers through voting awareness rally.



On January 13, 2024 at Warur Road Village National Service Scheme College Special Camp Campers creating awareness among the villagers on leprosy and Save Water through street play.



On 13th January 2024 at Warur Road village National Service Scheme College special camp campers creating awareness among the villagers on leprosy and drug addiction and addiction free through street play.

Plant a tree and get air for free.



8th January to 14th January 2024 in Warur Road Village, National Service Scheme College Special Camp Campers creating awareness among the Villagers through cultural programs on various subjects.



8th January to 14th January 2024 in Warur Road Village, National Service Scheme College Special Camp Campers creating awareness among the Villagers through cultural programs on various subjects.

Concluding program of National Service Scheme College Special Camp

Gondwana University Gadchiroli Merged Sarvodaya Shikshan Mandal organized a camp conducted by Sardar Patel College's National Service Scheme Team at Varud Road in Rajura Taluka under the guidance of College Principal Dr. PM Katkar.

The program was presided over by the Vice Principal of the College Dr. Swapnil Madhyam Shettywar this time Varud Gram Panchayat Sarpanch Ganpat Pandhare Police Patil Bandu Ghongde National Service Scheme Divisional Coordinator Dr. Usha Khandale National Service Scheme Program

Officer Dr. Kuldeep Argon Dr. Vandana Khanke Dr. Purushottam Mahore Dr. Nikhil Deshmukh Dr. Rajkumar Biradar mainly were present.

Purushottam Mahure, while introducing the program and reading the report, said that in the camp, road safety and traffic rules, cyber security, health check-up camp, water conservation, employment, self-employment and work guidance, information about the government scheme, Rakta gave valuable guidance to the Voluneers through his speech, as well as road plays and public awareness on the topic of leprosy, water conservation, drug addiction in the village. A survey of the problems in the village was

If you cut a tree you cut your life.

also carried out under the initiative of the university, while cultural and public awareness programs were conducted to give scope to the talents of the volunteers.

On this occasion, Sarpanch Ganpat Pandhari President Dr. Swapnil Madhyamshettiwar guided to volunteers while Roshan Choudhari, Manajri Savarkar ,Shruti Khade ,Mayuri Zagadkar expressed their support.

In the President's speech, Dr. Swapnil Madhyamshettiwar said that in the recent times we are seeing various strange incidents happening in the society so that today's youth does not go astray, the work of changing the society through the National Service Scheme is being done by the youth of the National Service Scheme. He said that the National Service Scheme has been successful in inculcating clear social service, democratic value education in all the Volunteers.

The camp was organized under the guidance of the principal of the college Dr. Pramod Katkar. The camp was conducted by the National Service Scheme Department Officer Dr. Rajkumar Biradar and the report was read by the National Service Scheme Program Officer Dr. Purushottam Mahure and the vote of thanks by the National Service Scheme Program Officer Dr. Kuldeep Gond

For the success of the camp, National Service Scheme Divisional Coordinator Dr. Usha Khandale National Service Scheme Program Officer Dr. Kuldeep Argon Dr. Vandana Khanke Dr. Purushottam Mahure, Dr. Nikhil Deshmukh, Dr. Rajkumar Biradar Dashrath Kamatwar, Amar Bhau ,Shashikala Pardhi, Ijaj Sheikh ,Suraj Borghare , Ruchita Tokalwar , Rani Gond , Darshan Meshram, Bhairav Divase, Mubarak Sheikh , Sahil Chaudhari, Shalini Nirmalkar, Samiksha Kurekar worked diligently.



31st January 2024 Road Safety Campaign Awareness Rally

Road Safety Campaign is being implemented in the state from 15 January to 14 February 2024. Under that, various activities have been undertaken in the district so that the citizens should obey the traffic rules, prevent road accidents, create awareness of road safety, and travel on the road fearlessly. A road safety campaign awareness rally was taken out through this rally the message of road safety-life protection was given.

Feel free to plant a tree



14th February 2024 Salam Rani Hirai

Ecopro Institute Chandrapur and Sardar Patel College Chandrapur National Service Scheme Team organized Salam Rani Hirai on 14 February 2024 at the memorial site of Gond Kings Veershaha and Rani Hirai near Anchaleshwar Gate to commemorate the historic work done by Rani Hirai, a Gond Dynasty dignitary in memory of her husband was done. On this occasion, all the program officers and volunteers of the National Service Scheme paid floral tributes at the memorial site of Raja Veershaha and Rani Hirai and learned about the historical work of Gond Rani Hirai.



Take care of the trees. They will take care of you.



24th February 2024 Nav Chaitanya Police Festival

Nav Chaitanya Police Festival was organized by Chandrapur District Police Force on Saturday 24th February 2024 at Police Football Ground Chandrapur. In this Nava Chaitanya Police Festival, the volunteers of the National Service Scheme of the college participated in the police festival and got information about the daily functioning of the police force, support of law, protection of public property and maintenance of public order.



22nd March 2024 World Water Day

World Water Day is an International day. The day is celebrated every year on March 22. The day is planned to convey the message of caring for the natural resources of clean and fresh water and working towards their sustainable conservation. On March 22nd, 2024, Sardar Patel College Chandrapur National Service Scheme Department and Eco Pro Institute organized a river dialogue program on the occasion of World Watershed near Zarpot River in a large number of National Service Scheme volunteers participated in the program.

Fresh air from a tree let us be.



National level, State Level, University Level Camp Participation 2023-2024

Sr.	Name of Volunteer	Level	Date	Place
01	Mr. Darshan D. Meshram	National NIC	30 th Nov. to 6 th Dec. 2023	North Maharashtra University, Jalgaon
02	Ku. Shalini Lalit Nirmalkar	National NIC	2 nd Dec. to 8 th Dec. 2023	Patna, Bihar
03	Gaurav Patru Zade	National NIC	2 nd Dec. to 8 th Dec. 2023	Patna, Bihar
04	Amit Waman Madavi	State Avhan	25 th Dec. to 3 rd Jan. 2023	Gondwana University, Gadchiroli, Maharashtra
05	Ku. Samiksha R. Kurekar	State Avhan	25 th Dec. to 3 rd Jan. 2023	Gondwana University, Gadchiroli, Maharashtra
06	Krishna Babarao Bhise	State Avhan	25 th Dec. to 3 rd Jan. 2023	Gondwana University, Gadchiroli, Maharashtra

There is no life without green.

Department of National Service Scheme
National, State, College Level Camp Girl's
2023-2024



Ku. Shalini Nirmalkar
NIC Camp



Ku. Samiksha Kurekar
Avhan Camp



Ku. Shruti Nikure
Utkarsh Camp



Ku. Neha Bhomale
Best Volunteer



Ku. Gaytri Gedam
Best Volunteer



Ku. Dipti Wasade
Best Volunteer



Ku. Shrutika Wankhede
Best Volunteer



Ku. Shruti Khade
Best Volunteer



Ku. Anjali Yadav
Best Volunteer



Ku. Divyabharti Gadariya
Best Volunteer



Ku. Yogeshwari Sinha
Best Volunteer



Ku. Swati Wandhare
Best Volunteer

We created pollution. We have a debt.

Department of National Service Scheme
National, State, College Level Camp Boy's
2023-2024



Darshan Meshram
NIC Camp



Gaurav Zade
NIC Camp



Amit Madavi
Avhan camp



Krishna Bhise
Avhan Camp



Sahil Gaikwad
Best Volunteer



Roshan Chaudhai
Best Volunteer



Aniket Tekam
Best Volunteer



Mr. Shivam Jumnake
Best Volunteer



Bhawana Dhakate
Best Volunteer

Join the revolution and stop the pollution.

DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION & SPORTS ANNUAL REPORT 2023 - 2024



Dr. V. E. Somkuwar
H.O.D., Phy. Edu.
& Sports

In the beginning of the session the notice to register for various sports was sent to the new students. The department motivated the students to participate in various games and sports so that mental and physical fitness and over all development of the students can be achieved throughout the year. The department organized gym weight training for girls and boys to develop the skills related to games training and coaching. The department provides various facilities like sports kits, sports materials to the students to practice in the games. The department tried on their best level so that maximum students of the college can participate on state, national and international level. The major students of the college are from the rural background and the department inspired them to participate in various game and sports events which are organized by the department. The department organized free of costs summer coaching camp so that maximum students can get inspiration to participate in the various games and events. The Department of Physical Education and Sports participated in various sports tournaments of Athletics, Cross Country, Wrestling, Kabaddi, Volleyball, Handball, Cricket, Best Physique, Power Lifting, Netball, Korfball, Ball-Badminton, Badminton, Chess, Basketball, Wrestling, Taekwondo, Football, Sepak Takra, Tug of War, Kho-Kho, Swimming, Wushu, Boxing, Karate, Archery etc. of Inter-Collegiate in Gondwana University Gadchiroli in the academic session 2023-2024.

The Department organized 'Yoga International Day' on 21st June 2023. Mr. Kailash Ghumde and his team demonstrated various yogasan to the faculties and students of the college. The department celebrated 'Sports Day' on the birth anniversary of Major Dhyanchand.

Gondwana University, Gadchiroli Inter Collegiate Kabaddi Men Tournament and Selection Trials were organized for three days from 21st to 23rd

October 2023 on the ground of college. Many students participated in the selection trials.

Under the able guidance of Principal Dr. Pramod Katkar and Head of the department Dr. Vijay E. Somkuwar, the team of the college won **Championship** of Gondwana University Inter-Collegiate Tournament which includes Chess Women, Football Women, Netball Women, Tug of War Men & Women. The college received **Runner-up** in Gondwana University Inter-Collegiate tournament of Volleyball Men, Kabaddi Women, Sepaktakraw Women, Netball Men, Handball Men, Ball Badminton Women, Kho-Kho Women and Athletics 2nd General Championship. The college got success on **3rd place** in Gondwana University Inter Collegiate Tournament Cricket Men, Sepak Takraw Men and Circle Style Kabaddi Women. **73** students of the department represented Gondwana University for All India Inter-University & West Zone Inter-University Tournaments, **5** students are represented in National level tournaments and **14** students are represented in State level tournaments.

The department conducted The Physical Efficiency test during 20th to 25th March, 2023 and Medical test of the college students from 27th March to 3rd April 2023.

Achievements of the department:-

- 1) 05 teams became Champion in Gondwana University, Gadchiroli.
- 2) 08 teams are Runner-up in Gondwana University.
- 3) 03 teams got success on 3rd Place in Gondwana University.
- 4) 73 students represented Gondwana University, Gadchiroli.
- 5) 05 students represented National level Tournament.

I have a dream and it's green.

6) 14 students represented State level Tournament.

7) Organized 01 Tournament – Gondwana University Inter-Collegiate Kabaddi (Men).

Students Represented in West Zone & All India Inter University Tournament 2023-2024:

Volleyball: - Ku. Esha P. Dorkhande & Ku. Sarojini H. Idde represented west zone Inter University Volleyball women tournament organized by Maharaja Chhatrasal Bundelkhand University, Chhatarpur (M.P.) dated on 8th December to 11th December 2023. Mr. Jayash K. Sakhar and Mr. Omkar N. Dudhankar represented west zone Inter University Volleyball men tournament organized by SRTM University, Nanded dated on 14th December to 18th December 2023.

Swimming: - Ku. Esha P. Dorkhande, Ku. Manasvi N. Chaudhari and Ku. Tansvi N. Chaudhari represented All India Inter University Swimming women tournament organized by SRM University, Chennai dated on 2nd January to 4th January 2024.

Kho-Kho:- Ku. Jinab Khan, Ku. Pushpadevi R. Yadav and Ku. Sadhana R. Yadav (R) represented west zone Inter University Kho-Kho women tournament organized by Dr. Babasaheb Ambedkar Technological University, Lonere dated on 20th January to 24th January 2024.

Wushu: - Ku. Roshni A. Yadao represent All India Inter University Wushu women tournament organized by University of Jammu, Jammu dated on 13th February to 17th February 2024.

Circle Style Kabaddi :- Ku. Palavi M. Ghonmode, Ku. Nikita H. Nagpure, Ku. Mushkan K. Sheikh and Ku. Dhammajyoti R. Raiure represented West Zone Inter-University Circle Style Kabaddi women tournament organized by Chaudhary Ranbir Singh University, Jind dated on 6th February to 9th February 2024.

Judo :- Ku. Palavi M. Ghonmode represented West Zone Inter University Judo women tournament organized by Gurunank Dev University, Amritsar, Punjab dated on 5th February to 6th February 2024.

Kabaddi:- Ku. Radhika S. Watekar represented west zone Inter University Kabaddi women tournament organised by Maharaja Chhatrasal Bundelkhand University, Chhatarpur (M.P.) dated from 21st December to 25th December

2023. Mr. Yog D. Gadiwan represented West Zone Inter University Kabaddi men tournament organised by Devi Ahilya University, Indore dated on 4th November to 8th November 2023.

Rope Mallakhamb:- Ku. Anuradha V. Wandhare and Mr. Dikshant A. Paipare represented west zone Inter University Rope Mallakhamb women tournament organised by Suresh Gyan Vihar University, Jaipur dated on 23rd December to 26th December 2023.

Chess: - Ku. Nirmala S. Varma, Ku. Shruti S. Pawar, Ku. Princess V. Dasai and Ku. Priti S. Yadav represented west zone Inter University Chess women tournament organized by HSNL University, Mumbai dated on 21st November to 24th November 2023.

Korfball (Mix): - Ku. Mayuri A. Alam, Ku. Monika V. Garad (R) and Mr. Sujal B. Patil represented All India Inter University Korfball (Mix) tournament organized by B.S. Abdur Rahman Crescent Inst. Of Science & Technology, Chennai dated on 1st March to 3rd March 2024.

Cross Country: - Mr. Sumit S. Shriwaskar represented All India Inter University Cross Country men tournament organized by SRTM University, Nanded dated on 10th February to 11th February 2024.

Athletics: - Mr. Sumit S. Shriwaskar, Mr. Pravin P. Rathod and Mr. Atul S. Yelmule represented All India Inter University Athletics men tournament organized by KIIT University, Bhubaneswar dated on 26th December to 29th December 2023.

Football: - Mr. Afroj I. Sheikh and Mohammad Haqim (R) represented West Zone Inter University Football men tournament organized by HSNL University, Mumbai dated on 31st December 2023 to 2nd January 2024.

Badminton: - Mr. Ishant H. Ramteke represented West Zone Inter University Badminton men tournament organized by Devi Ahilya University, Indore dated on 25th December to 29th Dec 2023.

Table Tennis: - Mr. Mahid M. Khan and Mr. Rohit G. Shetty represented West Zone Inter University Table Tennis men tournament organized by IES University, Bhopal dated on 21st December to 23rd December 2023.

Wrestling Greco Roman: - Mr. Giridhar A. Gaujkar represented All India Inter University Wrestling Greco Roman men tournament organized

Give our children a green future.

by Chandigarh University, Mohali dated on 10th December to 11th December 2023.

Taekwondo: - Mr. Dipratna R. Madavi represented All India Inter University Taekwondo men tournament organized by Shri Jagdishprasad Jhabarmal Tibrewala University, Chudela, Jhunjhunu, Rajasthan dated on 2nd November to 5th November 2023.

Handball:- Mr. Pratik S. Walke, Mr. Rakesh D. Baguli, Mr. Ketan G. Soyam and Mr. Vedant D. Komawar represented west zone Inter University Handball men tournament organized by Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.) dated on 10th January to 13th January 2024.

Boxing: - Mr. Dipak B. Keram represented All India Inter University Boxing men tournament organized by Chandigarh University, Mohali dated on 25th December to 27th December 2023.

Cricket:- Mr. Sugat M. Moon, Mr. Kaif A. Sheikh, Mr. Sandeep D. Koypare and Mr. Akash S. Petkar (R) represented West Zone Inter University Cricket men tournament organized by Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon dated on 18th February to 26th February 2024.

Archery:- Ku. Neha J. Bhombale, Mr. Yogesh V. Dangore and Mr. Darshan D. Meshara (R) represented West Zone Inter University Archery Men and Women tournament organized by Gurukashi University, Bhatinda (Punjab) dated on 19th December to 22nd December 2023.

Circle Style Kabaddi:- Mr. Jitesh S. Wagh represented All India Inter University Circle Style Kabaddi Men tournament organized by Chaudhary Bansilal University, Bhiwani dated on 20th March to 22nd March 2024.

Sepaktakraw:- Mr. Abhimanyu D. Arya, Mr. Adarsh S. Maste and Mr. Md. Haqim Md. Ismail represented All India Inter University Sepaktakraw Men tournament organized by Rayalaseema University, Kurnool dated on 17th March to 21st March 2024. Ku. Shrutika A. Wankhede, Ku. Mushkan I. Sheikh and Ku. Gayatri S. Itankar (R) represented All India Inter University Sepaktakraw Women tournament organized by University of Calicut dated on 8th May to 10th May 2024.

Netball:- Mr. Harsh P. Sagolale, Mr. Om G. Bhojar and Mr. Sachin K. Waghade represented All India Inter University Netball Men tournament

organized by Sri. Sidhartha Academy of Higher Education, Karnataka dated on 12th March to 15th March 2024. Ku. Monika V. Garad, Ku. Vaishnavi J. Deshmukh, Ku. Avani S. Ragint and Ku. Kiran S. Durge represented All India Inter University Netball Women tournament organized by University of Calicut dated on 4th May to 7th May 2024.

Ball Badminton:- Ku. Shrutika A. Wankhede and Ku. Aachal G. Murmurwar represented All India Inter University Ball Badminton women tournament organized by Anna University, Chennai, Tamilandu dated on 21st March to 24th March 2024.

Tug of War:- Mr. Rishab J. Pandey, Mr. Vivek R. Pandey, Mr. Rohit P. Tiwari, Mr. Rahul R. Yadav, Ku. Shweta S. Chandragiriwar, Ku. Pallavi M. Ghonmode, Ku. Dhammajyoti R. Raipure and Ku. Janvi S. Niwalkar represented All India Inter University Tug of War men and women tournament organized by JEPPIAAR University, Semmemcheri, Chennai, Tamilandu dated on 3rd to 5th May 2024.

Woodball:- Mr. Gaurav R. Wasnik represented All India Inter University Woodball men tournament organized by JNCT Professional University, Bhopal dated on 8th to 11th May 2024.

Power Lifting:- Mr. Karan H. Ghughuskar, Mr. Yash A. Sonule and Ku. Janvi S. Niwalkar represented All India Inter University Power Lifting men and women tournament organized by Tamilnadu Physical Education & Sports University, Chennai dated on 20th to 25th May 2024.

National Level Particiaption 2023-2024:

Karate:- Ku. Roshani A. Yadao represented National Karate women tournament organized by Jharkhand dated on 24th November to 26th November 2023.

Volleyball:- Ku. Sarojini H. Idde represented National Volleyball women tournament organized by Himachal Pradesh dated on 5th August to 7th August 2023.

Tug of War:- Ku. Dhammajyoti R. Raipure represented National Tug of War women tournament organized by Tamilnadu dated on 20th July to 23rd July 2023.

Tennis Ball Cricket:- Mr. Adarsh S. Maste and Ku. Aachal G. Murmurwar represented National Tennis Ball Cricket men and women tournament organized by Tamilnadu dated on 2nd March to 5th March 2024.

Nature is life. No nature, No Life

Gondwana University, Gadchrioli
**Krida Mahotsav, West Zone & All India Inter University
 Tournament Participation - 2023-2024**



Tansvi N. Chodhari
Swimming



Mansvi N. Chodhari
Swimming



Gayatri S. Itankar
Football



Janvi S. Niwalkar
Tug of War



Mayuri A. Alam
Korfball



Neha J. Bhomale
Archery



Dhammayoti Raipure
Tug of War



Jitesh Wagh
Circle Style Kabaddi



Shital B. Ghattuwar
Tug of War



Darshan D. Meshram
Ball Badminton



Yug D. Gadiwan
Kabaddi



Sachin K. Waghade
Netball



Jayesh Sakhare
Vollyball



Omkar Dudhankar
Vollyball

Be mature and save nature.

Gondwana University, Gadchrioli
All India Inter University & West Zone Participation
2023-2024



Gaurao R. Wasnik
Football



Rohit G. Shetty
Table Tennis



Yogesh V. Dangore
Archery



Afroj Irfan Sheikh
Football



Adarsh S. Maste
Sepaktakraw



Avni S. Ragit
Netball



Vaishnavi J. Deshmukh
Netball



Kiran S. Durge
Netball



Shruti S. Pawar
Chess



Priti S. Yadav
Chess Player



Princess Dasari
Chess Player



Sarojini H. Idde
Vollyeball



Shrushtika A. Wankhede
Sepaktakraw/Ball Badminton



AAchal G. Murmurwar
Ball Badminton

Earth need your help.



On the occasion of International Yoga Day, the teaching and non-teaching staff of the college performing yoga.



On the occasion of International Yoga Day on 21st June 2023, while imparting yoga training to the teachers and non-teaching staff of the college, along with yoga instructor Mr. Kailash Ghumde, Principal Dr. Pramod M. Katkar.



On the occasion of National Sports Day, the principal of the college offering a garland



Hon'ble Principal Dr. Pramod M Katkar Fit India Oath to teachers, non-teaching staff and students of the college on the occasion of National Sports Day on 29 August 2024.

Save the planet, causes we have nowhere else to go to.

Hon'ble Shri Prashant Potdukhe, Secretary of Sarvodaya Shikshan Mandal while guiding the opening ceremony of Gondwana University Gadchiroli Inter College Kabaddi Men Tournament.



Hon'ble Principal Dr. Pramod M. Katkar while guiding the opening ceremony of Gondwana University Gadchiroli Inter College Kabaddi Men Tournament.



Chief guest Mr. Anil Malve along with Hon'ble Secretary Shri Prashant Potdukhe, Hon'ble Principal Dr. Pramod M. Katkar at the inauguration of Gondwana University Gadchiroli Inter College Kabaddi Men Tournament.



Chief Guest Mr. Anil Malve, Hon'ble Secretary Mr. Prashant Potdukhe, Hon,ble Principal Dr. Pramod M. Katkar while introducing the players at the inauguration of Gondwana University Gadchiroli Inter College Kabaddi Men Tournament.



Keep earth green not gray



Hon,ble Principal Dr. Pramod M. Katkar while guiding on the occasion of the inauguration of the Sports and Cultural Festival 2024



Hon,ble Principal Dr. Pramod M. Katkar while inaugurating Sports and Cultural Festival 2024



Girls playing in Kabaddi tournament at Sports and Cultural Festival 2024



Boys playing in Kabaddi tournament at Sports and Cultural Festival 2024

Forever Green.

Winner of G.U.I.C. Ball Badminton (Women) team with Hon'ble Smt. Sudhatai Potdukhe President S.S.M. Chandrapur, Secretary Hon'ble Shri Prashant Potdukhe, Joint Secretary Hon'ble Dr. Kirtiwardhan Dixit, Principal Dr. Pramod M. Katkar, Dr. Swapnil Madhamshettiwar



Boys playing in Tug of War tournament at Sports and Cultural Festival 2024



Girls playing in Volleyball tournament at Sports and Cultural Festival 2024



Boys playing in Volleyball tournament at Sports and Cultural Festival 2024



Do your duty to keep nature a beauty.



Boys playing in Badminton tournament at Sports and Cultural Festival 2024



Faculty of Arts accepting the General Championship of Sports and Cultural Festival 2024

www.awgp.org

The tree is your friend.

वृक्ष आपका मित्र है।

—ओलिवर गोल्डस्मिथ

A close-up photograph of a human hand shaking a tree branch, symbolizing the connection between humans and nature.

विचार क्रान्ति अभियान, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

Help us breath, save a tree.

सांस्कृतिक विभाग

वार्षिक अहवाल 2023-2024



डॉ. अजय बेले
सांस्कृतिक विभागप्रमुख

सर्वोदय शिक्षण मंडळ संचालित सरदार पटेल महाविद्यालय गोंडवाना विद्यापीठातील तसेच चंद्रपूर जिल्हयातील एक नावाजलेले आणि शैक्षणिक, सांस्कृतिक व क्रिडा आदि विविध क्षेत्रात अग्रणी असलेले महाविद्यालय आहे. विद्यार्थ्यांच्या सुप्त गुणांना वाव देण्यासाठी तसेच त्यांच्या सर्वांगीण विकासासाठी महाविद्यालयाच्या सांस्कृतिक विभागातर्फे महाविद्यालया स्तरावर दरवर्षी विविध कार्यक्रम तसेच स्पर्धेचे आयोजन केले जाते महाविद्यालयाचे विद्यार्थी विद्यापीठस्तरीय आणि स्थानीक स्तरावरील स्पर्धे मध्ये हिरीरीने सहभागी होऊन महाविद्यालयोच प्रतिनिधीत्व करीत असतात व महाविद्यालयाचे नाव उंचावत असतात.

१) दि. ०१ ऑगस्ट ते ९ ऑगस्ट २०२३ वर्षाच्या सुरवातीला विद्यार्थ्यांकरिता महाविद्यालयात विद्यापीठ अनदान आयोगाने दिलेल्या निर्देशानुसार इडक्शन कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला. यात विद्यार्थ्यांना महाविद्यालयाबद्दल विविध सोयी सवलती, स्कॉलरशीप व तसेच त्यांना शिकविणाऱ्या प्राध्यापकांची ओळख करून दिली जाते व या कार्यक्रमा अंतर्गत ५ ऑगस्ट २०२३ ला विद्यार्थ्यांचे मनोरंजन व्हावे याकरिता एकल गीत स्पर्धा कॅरीओके वर घेण्यात आली त्यात विविध विभागातील विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला व उत्कृष्ट गायकांना पारितोषिक देण्यात आले.

२) १७/१०/२०२३ ते १९/१०/२०२३ या कालावधीत गोंडवाना विद्यापीठाच्या आंतरमहाविद्यालयीन महोत्सव 'इंद्रधनुष्य २०२३' ला आयोजित करण्यात आला. त्यामध्ये सरदार पटेल महाविद्यालयाला विविध स्पर्धेत घवघवीत यश प्राप्त झाले महाविद्यालयतील विद्यार्थ्यांनी समूहगीत, इस्टालेशन, पशिमात्य संगीत, गायना मध्ये गायत्री जाधव व चमू, वक्तृत्व स्पर्धेत प्रलय म्हशाखत्री प्रथम वादविवाद स्पर्धेत प्रलय म्हशाखत्री द्वितीय व चांदनी धनकर हिला प्रथम स्थान प्राप्त झाले. तसेच स्थळ छायाचित्रा मध्ये प्रणय वाढवे प्रथम, मातीतील कला स्पर्धेत भावेश जाधव दुसरा, पोस्टर मेकिंग आणि रांगोळी मध्ये आकाश मडावी ने दुसरा क्रमांक प्राप्त केला ही महाविद्यालयाकरिता गौरवास्पद तसेच अभिमानाची बाब आहे.

३) २० आक्टोबर २०२३ ला श्री महाकाली माता महोत्सव ट्रस्ट चंद्रपूरच्या वतीने धार्मिक सामूहिक नृत्य सादर करण्यात आले विद्यार्थ्यांचे तेथील ट्रस्टच्या प्रतिनिधींनी खूप कौतुक केले व शाबासकीची थाप दिली.

४) १० आक्टोबर २०२३ ला नेवजाबाई हितकरणी महाविद्यालय ब्रम्हपुरी येथे आयोजित केलेल्या राज्यस्तरीय वक्तृत्व स्पर्धे मध्ये प्रलय म्हशाखत्री याने तृतीय क्रमांकाचे पारितोषिक प्राप्त केले आणि महाविद्यालयाचे नाव उंचावले.

५) १२ ऑगस्ट २०२३ रोजी प्रियदर्शनी सभागृहात भारतीय जनता पक्षाद्वारा आयोजित आवाज विदर्भाचा वादविवाद स्पर्धेत प्रलय म्हशाखत्री व समुह याना द्वितीय पारितोषिक प्राप्त झाले.

६) २० ऑगस्ट २०२३ ला भारतीय स्वातंत्र्य दिनाचे औचित्य साधून तसेच ग्रामगीताचार्य नारायण मांडवकर यांच्या वादविवासानिमित्त वणी जिल्हा यवतमाळ येथे आयोजित वक्तृत्व स्पर्धेमध्ये प्रथम क्रमांकाचे बक्षीस प्राप्त करणारा प्रलय म्हशाखत्री तसेच द्वितीय क्रमांक प्राप्त करणारी श्रुती मोहितकर मानकरी ठरली.

७) ३ सप्टेंबर २०२३ रोजी जे, सी, आय तर्फे प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी सभागृह चंद्रपूर येथे झालेल्या नृत्य स्पर्धेमध्ये महाविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांना बेस्ट कोरीओग्राफर चा मान पटकवला.

८) संविधान दिनाचे औचित्य साधून संविधान संवर्धन समिती भद्रावती द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय खुली वक्तृत्व स्पर्धेचे आयोजन केले होते त्यात आमच्या महाविद्यालयाचा प्रलय म्हशाखत्री याला प्रथम क्रमांकाचे पारितोषीक प्राप्त केले.

९) संविधान दिनाचे औचित्य साधून नागलोक बहुउद्देशीय अल्पसंख्याक संस्था बोर्ड व बुध्दीजीवी कर्मचारी संघ वरोरा जिल्हा चंद्रपूर यांच्या संयुक्त विद्यामोन आयोजित वक्तृत्व स्पर्धेमध्ये प्रलय म्हशाखत्री याला प्रथम क्रमांकाचे पारितोषिक प्राप्त झाले.

१०) राजुरा येथे श्री शिवाजी कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय आणि माजी विद्यार्थी यांच्या संयुक्त विद्यामने आयोजित राज्य स्तरीय आंतर महाविद्यालयीन समूह लोकनृत्य स्पर्धेत महाविद्यालयाला प्रथम प्रोसाहनपर पारितोषिक प्राप्त झाले असले तरी तेथे सर्व विद्यार्थ्यांचे खूप कोतुक करण्यात आले.

११) राजे धर्मराव कला व वाणिज्य महाविद्यालय आलापल्ली अहेरी गडचिरोलीद्वारा आयोजित राज्यस्तरीय वादविवाद स्पर्धेत प्रलय म्हशाखत्री याला प्रथम क्रमांकाचे पारितोषिक प्राप्त झाले व त्याचे खूप कोतुक करण्यात आले.

१२) २९ डिसेंबर २०२३ ला सुशीलाबाई रामचंद्र मामीडवर समाजकार्य महाविद्यालयाद्वारे आयोजित विद्यापीठस्तरीय आंतर महाविद्यालयीन वादविवाद स्पर्धेत प्रलय म्हशाखत्री याला द्वितीय पारितोषिक प्राप्त झाले.

१३) १२ जूनवारी २०२३ ला आयोजित My Bharat - Vikist Bharat २०४७ या विषयवर जिल्हास्तरीय भाषण स्पर्धेत चांदनी धनकर प्रथम व प्रलय म्हशाखत्री याने द्वितीय क्रमांक प्राप्त केले

१४) महाविद्यालयाने २२ जून ते २५ जानेवारी २०२४ ला क्रिडा सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित केला त्यात विविध स्पर्धा आयोजित केल्या गेल्या या मध्ये Best Faculty Award कला विभागाने प्राप्त केला या आयोजनामुळे अनेक विद्यार्थ्यांच्या सुप्त कला गुणांना वाव मिळतो.

१५) हायटेक कॉलेज चंद्रपूर येथे चौथ्या राज्यस्तरीय आंतर महाविद्यालयीन नृत्य स्पर्धेचे आयोजी करण्यात आले त्यात सरदार पटेल माविद्यालयाला तृतीय पारितोषिक प्राप्त केले.

१६) चिमुर येथे झालेल्या राज्यस्तरीय समूह लोकनृत्य स्पर्धेत माविद्यालयाला तिसरा क्रमांक प्राप्त झाला त्या मध्ये महाविद्यालयाचे विद्यार्थी आकाश मडावी व चमू यांनी त्यात सहभाग घेतला होता.

१७) मूल येथील कर्मवीर महाविद्यालयात आयोजित राज्यस्तरीय आंतर महाविद्यालयीत स्पर्धेत सरदार पटेल महाविद्यालयाच्या चमूने बाजी मारीत फिरता चषक पटकवला. विषयाच्या बाजूने बोलतांना चांदनी धनकर हिने प्रथम क्रमांक पटकवला व विषयाच्या विरुद्ध बाजूने आपजे मत मांडताना प्रलय म्हशाखत्री याने द्वितीय क्रमांक पटकवला व महाविद्यालयाचे नाव उंचावले.

१८) १९/०३/२०२४ गोंडवाना विद्यापीठ गडचिरोली यांच्या द्वारे प्राध्यापकांकरीता कला दर्पण व क्रीडा महोत्सव आयोजित करण्यात आला. त्यात प्राध्यापकाकरिता विविध स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. या स्पर्धेत

गोंडवाना विद्यापीठात येणाऱ्या सर्व महाविद्यालयाचा समावेश होता. त्याकरिता एकल गीत, एकल नृत्य, समूह गीत, समूह नृत्य, लघुनाटिका अश्या स्पर्धा आयोजित केल्या गेल्या त्यामध्ये समूह गीतामध्ये प्राध्यापकाचा समावेश होता व त्यांनी प्रथम क्रमांक प्राप्त केला तसेच समूह नृत्यामध्ये सात प्राध्यापिकांनी भाग घेतला होता व त्यांनी द्वितीय क्रमांक प्राप्त केला. तसेच एकल नृत्यामध्ये प्रथम क्रमांक डॉ. पद्मरेखा धनकर व द्वितीय क्रमांक डॉ उषा खंडाळे नी प्राप्त केला व महाविद्यालयाचे नाव नेहमी प्रमाणे अबाधीत राहिले.

विद्यार्थ्यांच्या लेखन कौशल्याला तसेच प्रतिमेला वाव मिळविण्याच्या दृष्टीने महाविद्यालय स्तरावर कला दालन हा उपक्रम वर्षभर राबविला जातो. विद्यार्थ्यांनी लिहीलेले लेख, कविता तसेच चित्र प्रदर्शित केली जातात. वर्षाच्या अखेर सर्व लेखांचे कवितेचे तसेच चित्राचे परिक्षण करून प्रथम व द्वितीय क्रमांक दिला जातो प्रोत्साहन म्हणून विद्यार्थ्यांना सांस्कृतिक महोत्सवात पारितोषिक दिले जाते जेणेकरून विद्यार्थ्यांचा कलागुणांना वाव मिळवा. कोणत्याही कार्याचे यश आणि परिपूर्णता ही सहकाऱ्यांचे हातभार लागल्याशिवाय होऊ शकत नाही ते म्हणतात ना, 'ऐकमेकास साहय्य करु, अवघे धरु सुपंथ' सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य प्रा. संदेश पाथर्डे, डॉ. सपना वेगीनवार, डॉ. निलेश चिमूरकर, डॉ. राजकुमार बिरादर, डॉ. संजय उराडे, डॉ. अनिता मत्ते (वडस्कर), डॉ. भारती दिक्षित, प्रा. आशा सोनी, प्रा. लीना ठाकरे, श्री प्रमोद नारळे, श्री गुरुदास शेंडे, श्री राजेश इंगोले, सौ. सुवर्णा कुलटे, श्री. प्रवीण मडावी, सौ. शशीकला पारधी या सर्वांचे मोलाचे सहकार्य लाभले.

सांस्कृतिक विभागाची धुरा यशस्वीपणे सांभाळण्यासाठी मला वेळोवेळी सहकार्य करणाऱ्या सर्व प्राध्यापक वृंदाची, शिक्षकेत्तर कर्मचारी आणि विद्यार्थ्यांचा मी ऋणी आहे.

सांस्कृतिक मंडळ 2023-24



कु. चांदणी धनकर
B.F.D. II



शंतनु जंजालकर
B.C.A. III



कु. आचल गेडाम
.....



प्रलय म्हशाखेत्री
M.A.II (Mass Communication)



आकाश मडावी
B.F.D. I



कु. प्रणाली रुईकर
M.Com. I



साहील रत्नपारखी
MFD II



दर्शन मेश्राम
B.A. III



शालीनी निमकर
B.A. III



लकी पिंपळकर
B.A. I



दिपक सिन्हा
M.Lib. II



दिव्या बारसागडे
B.A. III



सांस्कृतिक महोत्सव २०२३-२४ चे उद्घाटन करताना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, उपप्राचार्य डॉ. एस.व्ही. माधमशेट्टीवार व सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले



फ्लॉवर डेकोरेशन स्पर्धेचे निरीक्षण करताना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर, उपप्राचार्य डॉ. एस. व्ही. माधमशेट्टीवार, सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए. एस. बेले



पाककृती सजावट स्पर्धेचे निरीक्षण करताना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर, उपप्राचार्य डॉ. एस. व्ही. माधमशेट्टीवार व सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य



सांस्कृतिक महोत्सवात समूह नृत्य सादर करतांना महाविद्यालयाचे विद्यार्थी व विद्यार्थिनी

सांस्कृतिक महोत्सवात समूह नृत्य सादर करतांना महाविद्यालयाचे विद्यार्थी व विद्यार्थिनी



सांस्कृतिक महोत्सवात एकल गीत सादर करतांना महाविद्यालयाचा विद्यार्थी



सांस्कृतिक महोत्सवात समूह गीत सादर करतांना महाविद्यालयाच्या विद्यार्थिनी



क्रीडा सांस्कृतिक महोत्सवाचा समारोपीय कार्यक्रमात मार्गदर्शन करताना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर, व इतर मान्यवर





सांस्कृतिक महोत्सवात विविध स्पर्धेचा आनंद घेताना महाविद्यालयाचे विद्यार्थी व विद्यार्थिनी



गोंडवाना विद्यापीठामध्ये झालेल्या इंद्रधनुष्य इंटर कॉलेजीय सांस्कृतिक कार्यक्रमांमध्ये प्राविण्य प्राप्त झालेल्या विद्यार्थींचे कौतुक करताना मंडळाचे सचिव प्रशांत पोटदुखे, प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, उपप्राचार्य डॉ. एस.व्ही. माधमशेट्टीवार व सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले व सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य



श्री महाकाली माता महोत्सव ट्रस्ट चंद्रपूर च्या वतिने धार्मिक सामूहिक नृत्याचे सादरीकरण



संविधान दिनाचे औचित्य साधून नागलोक बहुउद्देशिय अल्पसंख्यांक संस्था बोर्डा व बुद्धीजीवी कर्मचारी संघ वरोरा आयोजित वक्तृत्व स्पर्धेमध्ये प्रलय म्हशाखत्री प्रथम आल्याबद्दल त्याचे अभिनंदन करतांना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, उपप्राचार्य एस.व्ही. माधमशेट्टीवार व सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले

मुल येथील कर्मवीर महाविद्यालयात झालेल्या राज्यस्तरीय वादविवाद स्पर्धेत प्रथम आल्याबद्दल विद्यार्थ्यांचे अभिनंदन करतांना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, उपप्राचार्य एस.व्ही. माधमशेट्टीवार, सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले व सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य



श्री शिवाजी कला, वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालयात झालेल्या राज्यस्तरीय आंतर महाविद्यालय समूह लोकनृत्य स्पर्धेत प्राविण्य प्राप्त केल्याबद्दल विद्यार्थ्यांचे कौतुक करतांना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले व सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य



सुशिलाबाई रामचंद्र मामीडवार समाजकार्य महाविद्यालयाद्वारे आयोजित विद्यापीठस्तरीय आंतर महाविद्यालयीन वादविवाद स्पर्धेत प्राविण्य प्राप्त केल्याबद्दल विद्यार्थ्यांचे कौतुक करतांना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले व सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य



ओल्ड इज गोल्ड





Competitive Exam and Career Guidance Annual Report Session - 2023-24



Sandesh B. Patharde
Incharge, Competitive
Exam & Career Guidance

The Competitive Exam and Career Guidance Centre has organised various guest lectures regarding career guidance and various competitive exams in session 2023–24 for the students. A large number of students availed themselves of the guidance of eminent personalities that had been invited for the guest lecture and benefited. The centre also arranged the competitive exam classes during this session.

The CE&CG Centre and 'Career Katta' of the college arranged a 'Workshop on Financial Literacy' on September 25 and 26, 2023. The CE&CG organized a one-day workshop on 'Employment in LIC as LIC Agent' on October 11, 2023, in which Mr. KishorBante, Development Officer, LIC, guided the students about the job opportunities in LIC. This CE&CG center had organized one-month 'Competitive Exam Classes (Banking)' from January 29 to February 30, 2024, in which most of the syllabus of banking exams such as PO, IBPS, etc. had been covered.

The CE&CG Centre hosted a workshop on February 2024 with Mr. Ranjit Yadao, IAS, SDO Bhadrawati, and Chandrapur, titled 'Competitive Exam Preparation: Civil Service Exams: Strategy and Planning'. The CE&CG Centre and the Institute for Advance Studies, Pune, partnered to host a one-day webinar on 'Exploring Various Career Options and Pathways after Graduation and Post-Graduation' on February 13, 2024. Experts talk about a number of competitive tests in this webinar, including CSIR-NET, SET, GATE, IIT-JAM, and UGC-NET. Participating students included those studying biological sciences, chemistry, math, physics, English, geography, and commerce.

The 'Career Katta' – for the overall development of students' has been actively working during this session and has registered about 1250 students in the 'Career Katta'. In the state-level competition of Career Katta, Sardar Patel Mahavidyalaya got first prize in the Best District-Level College category, and Dr. Prakash Borkar got the prize of Best College-Level Career Katta Coordinator. The students of 'Career Sansad' participated in a state level workshop of 'Career Sansad' at Baramati.



Workshop on '**Competitive Exam Preparation: Civil Service Exams: Strategy and Planning**'. Principal Dr. Pramod M. Katkar, Mr. Ranjit Yadao, IAS, Vice-principal Dr. SwapnilMadhamshettiwar, CE&CG In charge, Mr. Sandesh B. Patharde



Workshop on 'Competitive Exam Preparation: Civil Service Exams: Strategy and Planning'. Mr. Ranjit Yadao, IAS, SDO, addressing the students.



'Workshop on Financial Literacy' - Principal Dr. Pramod M. Katkar, Vice-principal Dr. Swapnil Madhamshettiwar, CE&CG In charge & Career Katta Coordinator Mr. Sandesh B. Patharde, Career Katta Coordinator Dr. P.R. Borkar



Workshop on 'Employment in LIC as LIC Agent'— Dr. P.R. Shende, Coordinator Arts Faculty, Mr. Kishor Bante, Development Officer, LIC, CE&CG In charge Mr. Sandesh B. Patharde, Dr. P.R. Borkar



The students of 'Career Sansad' participated in state level workshop of 'Career Sansad' at Baramati, with Mr. Yashwant Shitole, President, Maharashtra Information & Technology Support Center.

In state-level competition of Career Katta, Sardar Patel Mahavidyalaya got first prize in the Best District-Level College category. Principal Dr. P.M. Katkar, Coordinators Mr. Sandesh B. Patharde and Dr. P. R. Borkar receiving award.



Dr. Prakash Borkar receiving the prize of Best College-Level Career Katta Coordinator.



www.awgp.org



ग्लोबल वार्मिंग से खतरे हैं भरपूर,
पर्यावरण की रक्षा से कर सकते हैं दूर।

विचार क्रान्ति अभियान, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

SARDAR PATEL MAHAVIDYALAYA CHANDRAPUR
DEPARTMENT OF CHEMISTRY
CELEBRATION OF OZONE DAY
INAUGURATION OF CHEMICAL SOCIETY

AND

POSTER MAKING COMPETITION

Congratulations

PG

1st

Prize

Shima fatema sabir Sheikh and Sayma Anjum S. Sayyad

Department of Microbiology & Biotechnology Annual Academic Report 2023-24



Dr V.S.WADHAI
H.O.D. Dept.of. Microbiology

As all the Microbiology science converge to molecular aspect of living organism, basic knowledge of microbiology is absolutely essential for students of life sciences. Realizing the need in this context the Department of Microbiology in this college is running the following events.

PG Students of Microbiology Organized Teachers Day Celebration on 5th Sept. 2023 all the teaching & non- teaching Staff were Present on the programm.

Microbiology Students Club was inaugurated by the hands of Principal Dr.P.M.Katkar & Dr. M.P.Dhore Principal Shivaji Science College, Nagpur on 30th Sept 2023. **Dr. V.S. Wadhai** Head, Department of Microbiology delivered the introductory remark to inform the motto behind the formation of Club. The main aim of the club is to create interest of the subject among the students prepares them for seminar and different competition.

Dr. Nilesh Ugemuge, Anand Niketan College, Anandwan ,Warora delivered a Guest lecture on **Research Methodology** on 17th Oct 2023.

Felicitation of University Topper PG students of Microbiology held at Sardar patel mahavidyalaya, Chandrapur on 18th Oct 2023. Ku. Priya Pimapalkar, Ku.Pranali Salve & Ku. Yogita Tadase was secured First, second and Third Position.

Students of UG and PG Microbiology represented Sardar Patel Mahavidyalaya, Chandrapur in “ Inter Colligate Reasearch festival Avishkar 2023” at Gondwana University , Gadchiroli on 20th and 21st Dec 2023 at University level. Students had presented their poster and model in various categories like Pure Science, Medicine and Pharmacy etc.

Awareness Programe on Bureau Of Indian Standard Was held on 19th oct 2023by Dr.Wasekar, Director BIS, Nagpur Division were Principal & Head of department present on Dias.

PG students of Microbiology participated in I n t e r n a t i o n a l Interdisciplinary conference on tourism & Biodiversity conservation & development held at Janta Mahavidyalaya, Chandrapur on 26th & 27th Dec 2023.

Dr.Ajay Pachbhai , Continental Head, International Rice Research Institute Nairobi,Kenya visited to PG Micro Lab on 27 th Dec 2023 he interacted with the students & gave them an idea of job opportunities in the field of microbiology & biotechnology & also the importance of research in various foreign countries.

On the occasion of New year Microbiology Student club members visited to Debu Saoli Vrudhashram Dewada, Chandrapur on 1st Jan 2024.

Dr.Pramod Ramteke ,A Renowned Scientist & reasearcher DEAN of PG studies SAM Higginbottom, Institute of agriculture, technology & Sciences, Allahabad Visited Biotechnology lab on 5th Jan 2024.

Students of UG and PG represented Gondwana University Gadchiroli in Avishkar 2023 at MH State Inter university Reasech Convention held at Nashik on date **12th & 15th Jan 2024**.

There was an active participation of UG and PG students in Cultural events held at Sardar Patel Mahavidyalaya organized from 23rd JAN TO 27th Jan 2024.

UG & PG students visited to ICMR & CRMCH PADOLI on 9th Feb 2024.

Department of Microbiology of SP College & GNC Organised University level Intercolliigate Microbia Events in association with Microbiology Teachers on 10th Feb 2024. Dr.P.M.Katkar (Principal) President of the Program, Chief Guest Of Program Dr. S.S.Polle (Principal) of GNC , Ballarpur was present.the main aim of this events to increase the

interest of students in the subject of Microbiology and to reach the importance of this subject to the society.

Practical Workshop on **Polymerase Chain Reaction & RFLP** was organized by the Department of Microbiology and Biotechnology in association with **HiMedia Laboratories, Mumbai** on 16th Feb 2024. Guest Lecture was delivered by **Dr.Sunil Kokane Sir (Product Specialist)** from Himedia Laboratories Mumbai.

Students of PG **Mr. Aditya Balchane & Javed Sheikh** both are participated in inter University Scientific Model making Competition held on 24th Feb at Shri Shivaji Science College, Nagpur and win I Prize.

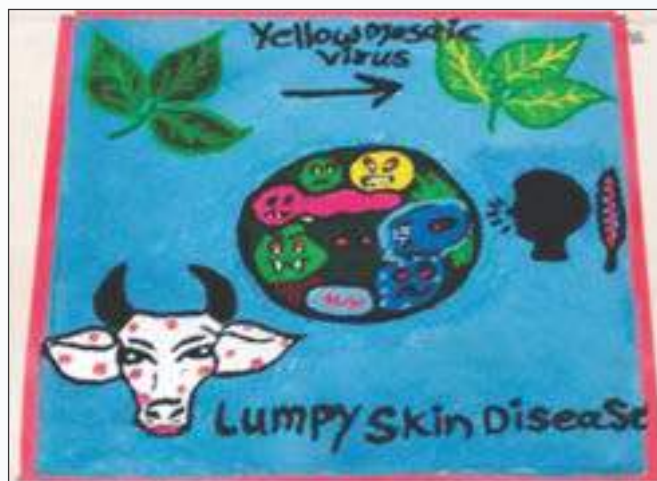
Excursion Tour to “Hyderabad, Karnataka” was organized during **24th Feb 2024 to 26th Feb 2024** and the places visited were Intertek Laboratory

students got Depth Knowledge of all the basic advance instrumentation involved in the Seeds Technology.

UG of Microbiology Visited to Sewage treatment Plant at Rehmat Nagar ,Chandrapur on 11th march 2024.

PG student of Microbiology attending OJT in ADEETECH, Pune & ICMR CRMCH on 16TH March to 23rd March 2024 were students performed DNA extraction from medicinal plant by CTAB method, they also learned about PCR process.

Farewell programme for M.Sc. Microbiology & Biotechnology students was organised by Department of Microbiology & Biotechnology on 13/04/2024. Principal Dr. P.M. Katkar, Vice-Principal Dr. S.V. Madhamshettiwar and Head of department Dr. V. S. Wadhai were present on this occasion.



Rangoli Competition Organised By Students of Microbiology Students Club on 30th Sept 2023



Guest Lecture on research Methodology by Dr. Nilesh Ugemuge On 17th October 2023



Microbiology Students Participated In "avishkar" Inter Collegiate Research Festival Held At Gondwana University Gadchiroli On 20 & 21 Dec 2023



Dr. ajay Pachbhai, Continental Head, International Rice Research Institute Nairobi, Kenya Visited To Pg Micro



Visited To Debu Saoli Wrudhashram On The Occasion of New Year on 1st Jan 2024



Microbiology Students Participated In "Avishkar" MH State Inter University Research Convention Held At Nashik On 12 To 15thjan 2024



Dr. Pramod Ramteke, Lucknow Visited To Biotech Lab On 5th Jan 2023



Intercolligate Microbia Events Held At Sardar Patel Mahavidyalaya, Chandrapur On 10thfeb 2024.



Practical workshop on PCR & RFLP in Collaboration with Hi-Media Laboratories, Mumbai on 16th Feb 2024



PG students Participation in Model making competition held at Shivaji Science college, Nagpur on 24th Feb 2024



PG Microbiology Department Excursion tour (Hyderabad) & visited INTERTEK laboratory on 24th to 26th 2024.



UG Microbiology Students Visited to Sewage water treatment Plant, REHMAT NAGAR, CHANDRAPUR ON 11th MARCH.

Gondwana University, Gadchiroli

Merit List 2021-2022 (Summer-22 Examination)

Sr. No.	Students Name	Class	GPV	CGPA	Merit No.
1)	Pragati Dilip Katwale	B.A.	600	518	I
2)	Alfa Tirupati Boram	M.A (English)	730	9.13	II
3)	Aditi Jitendra Gadkari	M.A (English)	725	9.06	III
4)	Kiran Kumari	M.A (English)	725	9.06	IV
5)	Sarita Murlidharprasad Prajapati	M.A. (Hindi)	740	9.25	I
6)	Premprakash Girish Shukla	M.A. (Hindi)	735	9.19	II
7)	Nisha Amerikalal Gupta	M.A. (Hindi)	730	9.13	III
8)	Naina Dipak Meshram	M.A. (Sociology)	710	8.88	IV
9)	Amol Moreshwar Weladi	M. A. (Geography)	925	9.25	III
10)	Shivani Jagdish Chatap	M.A. (Political Science)	720	9.00	II
11)	Komal Gopal Mandal	B.Com.	1304	9.73	I
12)	Prachi Kailas Wankar	BCCA	1116	8.45	I
13)	Harish Santosh Palarpawar	BCCA	1098	8.32	II
14)	Neha Wasudeo Khare	BCCA	1096	8.30	III
15)	Yogita Ramdas Kawale	M.COM	739	9.24	I
16)	Anjali Anil Wairagade	M.COM	727	9.09	III
17)	Rupali Dilip Upare	M.COM	725	9.06	IV
18)	Gayatri Anil Nandbanshi	M.COM	724	9.05	V
19)	Beg Shafi Fatima JaFarulla	M.COM	723	9.04	VI
20)	Shivam Gopal Mundhada	M.COM	705	8.81	X
21)	Shreyash Bhaiyyaji Chahare	M.C.M	904	9.04	I
22)	Anushri Anil Dasarwar	M.C.M	895	8.95	II
23)	Aishwarya Yadao Dodake	M.C.M	888	8.88	III
24)	Bharati Sanjay Thengane	B.Sc.	1206	9.14	I
25)	Manasi Pawan Krishnapurkar	B.Sc. (IT)	1232	9.33	I
26)	Omkar Gajanan Vaichal	B.Sc. (IT)	1206	9.14	II
27)	Sanika Vinod Vaidya	B.Sc. (IT)	1198	9.08	III
28)	Trupti Arvind Kolhe	BCA	1208	9.15	I
29)	Chintu Kapil Yadao	BCA	1208	9.15	II
30)	Sahil Madhusudan Tambe	BCA	1206	9.14	III
31)	Tejas Manoj Karambe	BCA	1206	9.14	IV
32)	Rujvika Pramod Weginwar	BCA	1194	9.05	V
33)	Mamta Dipak Undirwade	B.F.D	1170	8.60	II
34)	Mrunal Rajeshwar Zilape	M.C.A	880	8.63	I
35)	Vaibhav Kalidas Telase	M.C.A	879	8.62	II

Sr. No.	Students Name	Class	GPV	CGPA	Merit No.
36)	Sayali Sunil Kumbhalwar	MCA	878	8.61	III
37)	Pratiksha Revchand Sorde	M.Sc.(Computer Sci.)	896	8.63	I
38)	Anilkumar Ramprakash Dahayat	M.Sc.(Computer Sci.)	892	8.92	II
39)	Shivani Vinod Keshattiwar	M.Sc.(Biotechnology)	872	8.72	I
40)	Ritika Rajkumar Rajurkar	M.Sc.(Biotechnology)	864	8.64	II
41)	Payal Sanjay Patel	M.Sc.(Biotechnology)	864	8.64	III
42)	Manali Ashok Ramteke	M.Sc.(Environmental Science)	864	8.64	I
43)	Astha Pramendra Kohpare	M. Sc. Microbiology	891	8.91	I
44)	Kajal Murlidhar Gohane	M. Sc. Microbiology	863	8.63	II
45)	Manasvi Narendra Choudhari	M. Sc. Microbiology	854	8.54	III
46)	Chaitali Ramesh Dange	M.Sc. Physics	818	8.18	V
47)	Karishma Ravindra Giradkar	M.F.D.	899	8.99	I
48)	Pallavi Santosh Khandekar	M.F.D.	881	8.81	II
49)	Pranali Diwakar Deware	M.F.D.	846	8.46	III
50)	Sneha Sudhakar Barekar	B.Lib.	672	9.33	I
51)	Kodayya Devidas Dahagaonkar	B.Lib.	672	9.33	II
52)	Vishal Ishwar Dadmal	B.Lib.	660	9.17	III
53)	Sheikh Mubarak Hasan	M.A. Mass	832	9.41	II
		Communication			
54)	Ashwini Suresh Godbole	M.A. Mass	828	9.41	II
		Communication			
55)	Shradha Anilrao Parad	M.Lib.	1280	9.70	I
56)	Pathan Husainabano Malikkha	M.Lib.	1240	9.39	II
57)	Nikhil Suresh Doharkar	M.Sc Math	1232	9.33	III

UNIVERSITY GOLD MEDALIST

1)	Manisha Tuneshwar Dewangan	B.A (Hindi Literature)	600	452	Smt. Sushiladevi Rajendra Dixit Memorable Gold Medal
2)	Sapna Gangadhar Itankar	B.A (Pol.Sic)	600	552	Lt. Prof. Prabhakar Krushnarao Suple Memorable Gold Medal
3)	Ku. Madhuri Deepak Katkojwar	M.A (Hindi)	795	9.94	Lt. Dr. Mathura prasad Dubey Kuldeep Memorable Gold Medal
4)	Vaibhav Sanjay Nampalliwar	M.Sc	988	9.88	Lt. Dr. Vaibhav Vasanttrao Dontulwar Memorable Gold Medal
5)	Santosh Prakash Shinde	M.Lib	1300	9.85	Dr. P. S.G. Kumar Granthalaya Pratishtan

पदवी-पदव्युत्तर स्तरावर सर्वाधिक गुण घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांना महाविद्यालयातील
प्राध्यापकांकडून देण्यात येणारे पुरस्कार

विषय	वर्ग	पुरस्कार राशी	शिष्यवृत्ती
वाणिज्य विभाग			
वाणिज्य	एम. कॉम.	रु. १०००/-	डॉ. राहुल सावलीकर यांच्याकडून स्व. श्री. कमलाकर बळीराम सावलीकर यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी. कॉम.	रु. १०००/-	डॉ. सपना वेगीनवार यांचेकडून स्व. गणपतराव वेगीनवार यांचे स्मृती प्रित्यर्थ
कला विभाग			
भूगोल	एम. ए.	रु. १०००/-	संत गाडगे बाबा यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ प्रा.निखिल देशमुख यांच्या कडून
	बी.ए. तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. वनश्री लाखे कडून स्व. वसंतरावजी मंगरूळकर यांच्यास्मृती प्रित्यर्थ
हिंदी	एम. ए.	रु. १०००/-	डॉ. शैलेंद्र शुक्ला यांचे कडून स्व. मनकराजी शुक्ला यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी.ए. तृतीय हिंदी साहित्य	रु. १०००/-	डॉ. सुनिता बन्सोड यांचेकडून दिवंगत पंढरीनाथ संभाजी बन्सोड यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
इंग्रजी	एम.ए.	रु. १०००/-	डॉ. ए. व्ही. धोटे यांचेकडून स्व. विनायकराव धोटे यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी.ए. तृतीय Com. English	रु. १०००/-	डॉ. एस. जी. कन्नाके यांचे कडून स्व. गोविंदराव कन्नाके यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी. ए. तृतीय English Lit.	रु. १०००/-	डॉ. प्रफुलकुमार प्रकाश वैद्य यांचे कडून प्रज्ञा साहित्य पुरस्कार
मराठी	एम. ए.	रु. १०००/-	डॉ. पद्मरेखा धनकर यांचेकडून श्री. शामरावजी वानखेडे यांचे नावे
	बी.ए. तृतीय (मराठी)	रु. १०००/-	प्रा. धनराज मुरकुटे यांचे कडून स्व. अनाबाई तसेच स्व. डोमाजी मुरकुटे यांचे स्मृतीप्रित्यर्थ
	बी.ए. तृतीय (मराठी वाङ्मय)	रु. १०००/-	प्रा. सोहन कोल्हे यांचे कडून स्व. सौ. मिलंतीनबाई माहरुजी कोल्हे यांच्या स्मृतीप्रित्यर्थ
Topper	एम.ए.	रु. १०००/-	महाविद्यालयातर्फे
इतिहास	एम. ए.	रु. १०००/-	श्री. संत गजानन पुरस्कार प्रा. डॉ. प्रकाश शेंडे कडून
	बी. ए. तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. पुरुषोत्तम माहारे यांचेकडून

राज्यशास्त्र	एम. ए.	रु. १०००/-	डॉ. निलेश आर. चिमूरकर यांचेकडून स्व. ऋषी पाटील चिमूरकर यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी. ए. तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. प्रमोद शंभरकर यांचेकडून दिवंगत सुर्यभान बळीराम शंभरकर यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
अर्थशास्त्र	बी. ए. तृतीय	रु. १०००/-	'चाणक्य पुरस्कार' डॉ. सौ. शरयु पोतनुरवार यांचेकडून सौ.प्रतिभा रमेश बिडवई यांच्या नावे
	एम.ए.	रु. १०००/-	माजी विद्यार्थी संघाकडून
समाजशास्त्र	एम.ए.	रु. १०००/-	डॉ. रणधीर साठे यांचेकडून दिवंगत निळाबाई भाऊराव साठे यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी. ए. तृतीय	रु. १०००/-	प्रा. राजकुमार बिरादर यांचेकडून स्व. सौ. विमलबाई सुर्यकांत बिराद यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
गृहअर्थशास्त्र	एम. ए.	रु. १०००/-	प्रा. श्वेता गुंडावार यांचेकडून स्व. कविता केशवराव गुंडावार स्मृती प्रित्यर्थ
	बी. ए. तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. उषा खंडाळे यांचेकडून स्व. सुलक्षणा रामचंद्र खोब्रागडे यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
जनसंवाद	एम. ए. अंत्य	रु. १०००/-	प्रा. पंकज मोहरीर यांच्या कडून स्व. गोपाळ लक्ष्मणराव मोहरीर यांचे स्मृती प्रित्यर्थ
विज्ञान विभाग			
Toppeer	बी. एस्सी	रु. १०००/-	प्रा. संदेश पाथर्डे यांचेकडून
सुक्ष्मजीवशास्त्र	एम. एस्सी	रु. १०००/-	डॉ. व्ही. एस. वाढई यांच्याकडून स्व. शामराव वाढई यांचे स्मृतिप्रित्यर्थ
	बी.एस्सी. प्रथम	रु. १०००/-	डॉ. वैशाली थुल यांचेकडून
रसायनशास्त्र	एम. एस्सी .	रु. १०००/-	डॉ. रक्षा धनकर यांचेकडून स्व. सौ. कमलाताई उर्फ ताई हरिभाऊ धनकर यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी. एस्सी. तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. स्वप्नील माधमशेट्टीवार यांच्याकडून
भौतिकशास्त्र	एम. एस्सी.	रु. १०००/-	डॉ. कु. उर्वशी माणिक यांच्याकडून
	बी.एस्सी.तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. सौ. वर्षा ठाकरे यांच्याकडून
गणित	बी.एस्सी.तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. राम नरेश सिंह सिसोदिया यांच्याकडून राधेश्याम स्मृती पुरस्कार
	एम. एस्सी.	रु. १०००/-	माजी विद्यार्थी संघाकडून

पर्यावरणशास्त्र	एम. एस्सी	रु. १०००/-	डॉ. कविता रायपुरकर यांचेकडून स्व. संदिप श्रीहरी रायपुरकर यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
	बी.एस्सी.तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. राहुल कांबळे यांचेकडून डॉ. लिज वॅन डि वेन यांचे स्मृती प्रित्यर्थ
संगणकशास्त्र	एम.एस्सी.संगणक	रु. १०००/-	प्रा. पंकज दुमणे यांचेकडून
	बी.एस्सी. तृतीय	रु. १०००/-	डॉ. एस.बी. किशोर यांचे कडून
प्राणिशास्त्र	एम.एस्सी .	रु. १०००/-	डॉ. राजलक्ष्मी रणराग कुळकर्णी यांचेकडून स्व. सुनिल घड्याळपाटील यांचे स्मृती प्रित्यर्थ
	बी.एस्सी.तृतीय	रु. १०००/-	प्रा. अजय बेले यांचेकडून स्व. डॉ. श्यामराव बेले यांचे स्मृती प्रित्यर्थ
जैवतंत्रज्ञान	बी.एस्सी.	रु. १०००/-	माजी विद्यार्थी संघाकडून
	एम.एस्सी.	रु. १०००/-	माजी विद्यार्थी संघाकडून
फॅशन डिझायनिंग			
फॅशन डिझायनिंग	बी.एफ.डी.तृतीय	रु. १०००/-	प्रा. अर्पणा तेलंग यांच्याकडून
	एम.एफ.डी.अंत्य	रु. १०००/-	डॉ. अनिता सी. मते यांच्याकडून स्व. सुमित्रा मते यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
संगणक विभाग			
बी.कॉम. (सी.ए.)अंत्य	Topper	रु. १०००/-	महाविद्यालया तर्फे
बी.सी.ए.अंत्य	Topper	रु. १०००/-	महाविद्यालया तर्फे
बी.एस.सी. (आय.टी)	Topper	रु. १०००/-	महाविद्यालया तर्फे
एम.सी.एम. अंत्य	Topper	रु. १०००/-	महाविद्यालया तर्फे
एम.सी.ए. अंत्य	Topper	रु. १०००/-	महाविद्यालया तर्फे
ग्रंथालय विभाग			
बी. लिब.	Topper	रु. १०००/-	माजी विद्यार्थी संघाकडून
एम. लिब.	Topper	रु. १०००/-	डॉ. संजय शामराव भुत्तेमवार यांच्या कडून स्व. शामरावजी नानाजी भुत्तेमवार यांच्या स्मृती प्रित्यर्थ
महाविद्यालया तर्फे शिष्यवृत्ती			
एम.ए अंत्य (हिंदी)	एम.ए. (हिंदी)	रु. ५०००/-	एम.ए. (हिंदी) परीक्षेमध्ये महाविद्यालयातून प्रथम येणाऱ्या मुलीकरिता रमादेवी ओ. शर्मा शिष्यवृत्ती
एम.ए (हिंदी)	एम.ए. (हिंदी)	५०००/-	एम.ए. परीक्षेमध्ये प्रथम येणाऱ्या मुलगा/ मुलीकरिता महेंद्र ओ. शर्मा शिष्यवृत्ती

सर्वोदय शिक्षण मंडळ कार्यकारिणी

०१)	श्री. अरविंद सावकार पोरेडुडुवार	कार्याध्यक्ष
०२)	श्री. सुदर्शन भगवानराव निमकर	उपाध्यक्ष
०३)	रिक्त	उपाध्यक्ष
०४)	रिक्त	कोषाध्यक्ष
०५)	श्री. भरत उर्फ प्रशांत शांताराम पोटदुखे	सचिव
०६)	डॉ. किर्तीवर्धन दिक्षीत	सहसचिव
०७)	श्री. राकेश शनाभाई पटेल	सदस्य
०८)	श्री. शेख रमजान	सदस्य
०९)	सौ. सगुणा पोंटाजी तलांडी	सदस्य
१०)	श्री. किशोरभाऊ गजानन जोरगेवार	सदस्य
११)	श्री. सुरेश सदाशिव पोटदुखे	सदस्य
१२)	श्री. संदीप वामनराव गड्डुमवार	सदस्य
१३)	श्री. चंद्रशेखर वाडेगांवकर	सदस्य
१४)	श्री. जिनेश पटेल	सदस्य

महाविद्यालयीन विकास समिती वर्ष २०२१-२०२५

पदाधिकार्यांची नांवे	पद	कार्यभार
१) श्री. अरविंद सावकार पोरेडुडुवार	कार्याध्यक्ष	व्यवस्थापनाचे कार्याध्यक्ष
२) श्री. प्रशांत शांताराम पोटदुखे	सदस्य	व्यवस्थापनाचे सचिव
३) डॉ. प्रकाश आर. शेंडे	सदस्य	प्राचार्य द्वारा नामनिर्देशित
४) डॉ. प्रकाश आर. बोरकर	सदस्य	अध्यापकांचे प्रतिनिधी
५) डॉ. सतिश जी. कन्नोके	सदस्य	अध्यापकांचे प्रतिनिधी
६) डॉ. उर्वशी पी. माणिक	सदस्य	अध्यापकांचे प्रतिनिधी (महिला प्रतिनिधी)
७) श्री. भारत एल. आवळे	सदस्य	अध्यापकेतर कर्मचारी प्रतिनिधी
८) सी.ए.दामोदर सारडा	सदस्य	शिक्षणक्षेत्रातील स्थानिक सदस्य व माजी विद्यार्थी
९) श्री. संदीप बांठीया	सदस्य	उद्योग क्षेत्रातील स्थानिक सदस्य
१०) श्री. सुदर्शन निमकर	सदस्य	समाजसेवा क्षेत्रातील स्थानिक सदस्य
११) डॉ. किर्तीवर्धन दिक्षीत	सदस्य	संशोधन क्षेत्रातील स्थानिक सदस्य
१२) डॉ. एस. व्ही. माधमशेट्टीवार	सदस्य	समन्वयक, महा अंतर्गत गुणवत्ता हमी समिती
१३) रिक्त	सदस्य	विद्यार्थी परिषदेचे सभापती
१४) रिक्त	सदस्य	विद्यार्थी परिषदेचे सचिव
१५) प्राचार्य डॉ.प्रमोद एम.काटकर	सदस्य	महाविद्यालयाचे प्राचार्य सचिव



आचार्य पदवीधारकांचा कौतुक सोहळा करिता प्रमुख पाहुणे मा. अनिल करवंदे ह्यांचे स्वागत करतांना सर्वोदय शिक्षण मंडळ, चंद्रपूर च्या अध्यक्षा मा. श्रीमती सुधाताई पोटदुखे



प्रा. अजय बेले ह्यांना आचार्य पदवी मिळाल्याबद्दल सत्कार करतांना मा. अनिल करवंदे, सोबत गोंडवाना विद्यापिठाचे कुलसचिव मा. अनिल हिरेखन



२२ आचार्य पदवीधारकांचा सत्कार सोहळा Institution of Higher Learning, Research and Specialized Studies द्वारे आयोजित करण्यात आला



हिन्दी दिवस समारोह में अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. कीर्तिवर्धन दीक्षित, प्राचार्य डा. पी. एम. काटकर, वाणिज्य शाखा अधिष्ठाता प्राचार्य डॉ. जयेख चक्रवर्ती, आंतर विद्याशाखीय के अधिष्ठाता डॉ. संजय निंबाळकर, महाराष्ट्र हिन्दी परिषद के सदस्य डॉ. बत्रा, हिन्दी सेवा पुरस्कार से सम्मानित प्रा. डॉ. कल्पना कावळे व हिन्दी विभाग प्रमुख डॉ. सुनिता बनसोड



स्व. श्रीमती सुशिलादेवी दीक्षित स्मृति व्याख्यानमाला प्रसिद्ध हिन्दी दलित साहित्यकार श्रीमती सुशीला टाकभौर, प्राचार्य डॉ. कीर्तिवर्धन दीक्षित, प्राचार्य पी. एम. काटकर, हिन्दी विभाग प्रमुख प्रा. डॉ. सुनिता बनसोड



The official and digital Inauguration Ceremony of our esteemed Literary club. Was done in the presence of Mr. Alok Dhotelar the chief guest, along side Dr. P.M. Katkar, Principal of S.P.College, and Dr. A.V. Dhote, Head of the English Dept. 17th March 2024



सरदार पटेल महाविद्यालय चंद्रपूर व गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित 'भाषा : उपजीविकेचे साधन' या एकदिवसीय कार्यशाळेत मार्गदर्शन करताना ज्येष्ठ लेखक व नाटककार श्री. अभिराम भडकमकर, मुंबई



सरदार पटेल महाविद्यालय चंद्रपूर व गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित 'भाषा : उपजीविकेचे साधन' या एकदिवसीय कार्यशाळेत मार्गदर्शन करताना प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर



आंतरराष्ट्रीय भरडधान्य वर्ष-२०२३ व आंतरराष्ट्रीय पोषण सप्ताहाच्या निमित्त्याने 'सुदृढ आरोग्यासाठी कडधान्याचे महत्त्व या विषयावर मार्गदर्शन करताना डॉ. मनिषा घुगल, आयुर्वेदाचार्य



सरदार पटेल महाविद्यालय चंद्रपूर येथे दिनांक २८ मार्च २०२४ रोजी "केंद्र सरकारच्या कृषी विकास योजना आणि शेतीचे वर्तमान" या एक दिवसीय परिसंवादात, प्राचार्य डॉ. जे.एम. काकडे, डॉ.एच.ए. हुद्दा डॉ. करमसिंग राजपूत, प्राचार्य डॉ. प्रमोद काटकर, डॉ. शरयु पोतनुवार, मा. विजयजी जावंंधिया प्रसिद्ध शतेकरी नेते आणि डा. श्रीनिवास खांदेवाले



एक दिवसीय कार्यशाळा प्रमुख वक्ते डॉ. वाय.वाय. दुधपघारे १३ फेब्रुवारी २०२४ हस्तलिखिताचे प्रकाशन व भुगोल अभ्यास मंडळाचे उद्घाटन.



२२ मार्च २०२४ 'जागतीक जल दिन' निमित्त जल प्रतिज्ञा घेतांना मा. डॉ. पी.एम. काटकर प्राचार्य सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपूर. प्रमुख वक्ता मा. बंडू धोतरे इको प्रो. संस्था चंद्रपूर



मंचावर उपस्थित डावीकडून महाविद्यालयाचे उपप्राचार्य डॉ. स्वप्निल माधमशेट्टीवार, मार्गदर्शिका प्रा. विभावरी गोटमारे (एल.ए.डी. महाविद्यालय, नागपूर), त्यांची सहकारी डॉ. अनुजा दारव्हेकर आणि फॅशन डिझाईन विभाग प्रमुख डॉ. अनिता मत्ते-वडस्कर



विद्यार्थ्यांना प्रात्यक्षिक करून दाखविताना मार्गदर्शिका प्रा. विभावरी गोटमारे (एल.ए.डी. महाविद्यालय, नागपूर)



Inauguration of "Physics Club" & Guest Lecture on "Soft Skills" 13 Jan, 2024



प्राणीशास्त्र विभागाद्वारे घेण्यात आलेल्या वन्यजीव सप्ताह, पोष्टर आणि फोटोग्राफी स्पर्धा व गेस्ट लेक्चर कार्यक्रमात मंचावर उपस्थित असलेले महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, डी.एफ.ओ. सचिन शिंदे, इको प्रो अध्यक्ष बुडु धोतरे, महाविद्यालयाचे उपप्राचार्य डॉ. एस.व्ही.माधमशेट्टीवार, प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख डॉ. आर.आर. कुलकर्णी व इतर सहकारी



प्राणीशास्त्र विभागाद्वारे वन्यजीव सप्ताहनिमित्त घेण्यात आलेली पोष्टर आणि फोटोग्राफी स्पर्धेचे निरीक्षण करतांना महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. पी. एम. काटकर, उपप्राचार्य डॉ.एस.व्ही. माधमशेट्टीवार व इतर सहकारी



प्राणीशास्त्र विभागातर्फे आयोजित सिकलसेल मार्गदर्शक या कार्यक्रमात विद्यार्थ्यांची सिकलसेल चाचणी करताना शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालयाची चमु तसेच प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, डॉ. बालमुकुंद पालिवाल व प्राणीशास्त्र विभागप्रमुख डॉ. आर.आर. कुलकर्णी व इतर



Principal and Staff members along with students during inauguration of Chemical Society



Student submitting their CV during Pandit Din Dayal Upadhyay Employment fare



Dr. Prashant Bokare, Vice Chancellor Gondwana University guiding in third Degree Distribution function.



Dr. Prashant Bokare, Vice Chancellor, Gondwana University Felicitating meritorious student



पंडित दीनदयाल उपाध्याय महिला रोजगार मेळाव्यात व्यासपीठावर उपस्थित मान्यवर



रसायनशास्त्र विभागाद्वारे ओझोन दिनाच्या निमित्ताने आयोजित पोस्टर स्पर्धेत सहभागी स्पर्धकांशी चर्चा करताना महाविद्यालयाचे प्राचार्य



मा.ब्रम्हचारी आनंद चैतन्य चेन्नई यांनी विद्यार्थ्यांना पोटेन्शियल टू परफॉर्मन्स या विषयावर कार्यशाळा घेतली



मा.पंतप्रधान यांनी पीएम उषा या प्रकल्पाचे दुरदृश्य माधमातून अनावरण केले, या प्रसंगी मार्गदर्शन करताना गोंडवाना विद्यापीठाचे प्र-कुलगुरू डॉ. श्रीराम कावळे



मा.ब्रम्हचारी आनंद चैतन्य चेन्नई यांनी विद्यार्थ्यांना पोटेन्शियल टू परफॉर्मन्स या विषयावर कार्यशाळा घेतली



चौथ्या राज्यस्तरीय आंतर महाविद्यालयीन स्पर्धेत प्राविण्य प्राप्त विद्यार्थ्यांचे कौतुक करताना सर्वोदय शिक्षण मंडळाच्या अध्यक्षा आदरणीय सुधाताई पोटदुखे, प्राचार्य डॉ. पी.एम. काटकर, उपप्राचार्य डॉ. एस. व्ही. माधमशेट्टीवार, सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. ए.एस. बेले व सांस्कृतिक विभागाचे सदस्य



सरदार पटेल महाविद्यालय, वाणिज्य शाखेतर्फे पदवी व पदव्युत्तर विभागातील विद्यार्थ्यांकरिता मार्गदर्शक मा.श्री. सुयश भोगावार (कॅलिफोर्निया)



वाणिज्य शाखेतर्फे वाणिज्य शिक्षण घेतल्या नंतर रोजगार संधी या विषयावर मार्गदर्शक म्हणून लाभलेले सौदी अरेबिया येथील व्यवसाय व आर्थिक नियोजन कंपनीचे प्रमुख श्री. सचिन बिरेवार व महाविद्यालयाचे उपप्राचार्य डॉ. श्री. स्वप्निल माधमशेट्टीवार

WHOM TO CONTACT?

Identity Card Signature	Dr. P. M. Katkar (Principal)
(U.G. & P.G.)	Dr. S. V. Madhamshettiwar (Vice - Principal)
Students Council Incharge	Dr. P.R. Shende
Placement Cell	Dr. S.V. Madhamshettiwar
Research Co-ordinator	Dr. R.P. Dhankar
Students Welfare Incharge	Dr. S.B.Kishor
Library	Dr. S. S. Bhuttamwar
T.C./Bonafide Certificate	Shri. T. B. Wadhai
Admission Form	
Enrollment Form	
Exam. Hall Ticket	
EBC/PTCForm	
Ex-and External Student	Shri. Yelne/ Shri. Pal
College Admission	Smt. Sangeeta Pijdurkar
Scholarship	Shri. Sachin Meshram
College Magazine"Shabdagandha"	Dr. S. K. Shukla
Sports	Dr. Kuldeep Gond
Cultural	Dr. A. S. Bele
N.C.C.	Boys - Cap. Dr. S.G. Kannake Girls - Lt. Smt. Kanchan Ramteke
N.S.S.	Dr. Kuldeep Gond Dr. Ms. Usha Khandale
Population Club	Dr. P. S. Mahore
Competitive Examination/Career Katta	Prof. S. B. Patharde, Dr. P. R. Borkar
Open University (Y.C.M.O.U.)	Dr. S.S.Bhuttamwar
Girls Hostel Incharge	Dr. Padmarekha P. Dhankar
For other Official Information	Shri. Vinod Chopawar

एक वृक्ष के अनुदान (50 वर्ष में)

1. प्राण वायु (Oxygen)	Rs.5,00,000
2. वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं भूमि की उत्पादकता वृद्धि (Air Pollution Control Improvement in Soil Fertility)	Rs. 31,00,000
3. भूमिक्षरण नियंत्रण (Soil Erosion Control)	Rs.15,60,000
4. जल संरक्षण (Water Conservation)	Rs.18,80,000
5. पशु पक्षियों का आश्रय (Shelter Wildlife)	Rs. 16,60,000
6. काष्ठ, फल, चारा (Wood, Fruits Fodder)	Rs.4,00,000
कुल योग (एक करोड़ एक लाख रुपये)	Rs. 1,01,00,000

अतः वृक्ष गंगा अभियान के अन्तर्गत तरुपुत्र / तरुमित्र योजना में भागीदार बनकर एक वृक्ष का रोपण कर उसे पुत्रवत् पालने अथवा मित्रवत् उसकी रक्षा करने का संकल्प करें। समाज को एक करोड़ से अधिक राशि का अनुदान देने का पुण्य कमाएँ तथा आने वाली पीढ़ियों को विरासत में हरा जीवन और खुशहाली देकर जायें।

वृक्ष प्रकृति के परिधान है,
आध्यात्मिक प्रशिक्षक हैं,
जल दाता - जीवन दाता है,
मानव जाति के अनन्य सेवक हैं,
प्राण दाता, आरोग्य दाता
धनवन्तरी हैं तथा कर्ण और
दधीचि जैसे दानदाता हैं।

-पं. श्रीराम शर्मा आचार्य



कु.पूजा जोशी बी. कॉम तृतीय वर्ष



Workshop on '**Competitive Exam Preparation: Civil Service Exams: Strategy and Planning**'. Mr. Ranjit Yadao, IAS, SDO, addressing the students.

In state-level competition of Career Katta, Sardar Patel Mahavidyalaya got first prize in the Best District-Level College category. Principal Dr. P.M. Katkar, Coordinators Mr. Sandesh B. Patharde and Dr. P.R. Borkar receiving award.



स्व. श्रीमती सुशीलादेवी दीक्षित स्मृति व्याख्यानमाला प्रसिद्ध हिन्दी दलित साहित्यकार श्रीमती सुशीला टाकभौर, प्राचार्य डॉ. किर्तिवर्धन दीक्षित, प्राचार्य पी.एम. काटकर, हिन्दी विभाग प्रमुख. प्रा.डॉ. सुनिता बन्सोड

अर्थशास्त्र विभागाद्वारे आयोजित, सरदार पटेल महाविद्यालय चंद्रपूर येथे दिनांक २८ मार्च २०२४ रोजी केंद्रसरकारच्या कृषी विकास योजना आणि शेतीचे वर्तमान या विषयावरील एक दिवसीय परिसंवाद, प्राचार्य डॉ. जे. एम. काकडे, डॉ. एच. ए. हुद्दा - परिषदेविषयी थोडक्यात माहिती. डॉ. करमसिंग राजपूत - विषयाची पार्श्वभूमी व महत्त्व, डॉ. श्रीनिवास खांदेवाले सर प्रसिद्ध अर्थतज्ञ प्राचार्य, डॉ. प्रमोद काटकर, डॉ. शरयू पोतनूरवार आणि मा. विजयजी जावंधिया प्रसिद्ध शेतकरी नेते व्याख्यान देत असतांना.



सरदार पटेल महाविद्यालय, चंद्रपूर

(कला, वाणिज्य, विज्ञान, संगणकशास्त्र, गृहशास्त्र, ग्रंथालयशास्त्र, जनसंवाद-पदवी व पदव्युत्तर विभाग)



महाविद्यालयाची मुख्य इमारत



ग्रंथालय, संगणकशास्त्र, (M.C.A.) पदव्युत्तर सायन्स (M.Sc.) व जनसंवाद विभागीची इमारत